{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
रविवार 31 मई 2026
ज्येष्ठ शुक्ल 14 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 246
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

सलमान खान को धमकाने वाला गिरफ्तार

लखनऊ। फिल्मों में काम मांगने के लिए अभिनेता सलमान खान के पिता सलीम खान और पीए को फोन कर धमकाने व चेन लूट के आरोपी हिस्ट्रीशीटर को गाजीपुर थाने की पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी खुद को अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा शकील का गुर्गा बताता था। इंस्पेक्टर राजेश मौर्या ने बताया कि आरोपी प्रयागराज के शाहगंज के मो. शाहरुख पर 25 हजार रुपये का इनाम था। उसने तीन सप्ताह पहले इंदिरानगर में इरम स्कूल के पास महिला की चेन लूटी थी। पुलिस की टीम बृहस्पतिवार को बंधा रोड पर मजार के पास वाहनों की चेकिंग कर रही थी। तभी बिना नंबर प्लेट की बाइक आते दिखी। पुलिस ने रुकने का इशारा किया तो बाइक चला रहा शाहरुख भागने लगा, लेकिन वह पकड़ में आ गया। उससे लूटी चेन, आठ हजार रुपये बरामद हुए हैं।

तीन राज्यों में एनआईए की बड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शनिवार को तीन राज्यों में 19 ठिकानों पर ताबड़तोड़ तलाशी अभियान चलाया। एनआईए की यह कार्रवाई केरल के मलप्पुरम जिले से अवैध विस्फोटकों की बरामदगी से जुड़ी जांच के सिलसिले में की गई है। जानकारी के अनुसार, राष्ट्रीय जांच एजेंसी केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु में 19 स्थानों पर तलाशी अभियान चला रही है। एनआईए ने केरल के तिरुआरंगडी में विस्फोटक सामग्री से भरे ट्रक की जांच के मामले में मलप्पुरम जिले में दो स्थानों पर छापेमारी की। तिरुरंगडी के एक गोदाम और पुथियाथुकुन्नु, वंदूर में ट्रक मालिक की पत्नी के घर पर तलाशी ली गई। मामले में आगे की जांच और पूछताछ जारी है। छापेमारी आरोपियों के स्वामित्व वाले आवासों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और फर्मों के साथ-साथ मामले से जुड़े अन्य संदिग्ध व्यक्तियों के ठिकानों पर की गई।

सरकारी आवास खाली नहीं करेंगी राबड़ी देवी

पटना। बिहार सरकार ने पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी को उनके सरकारी आवास 10 सर्कुलर रोड खाली करने का अल्टीमेटम दिया है। वहीं, राबड़ी देवी ने इसे खाली करने से साफ मना कर दिया है। इस मुद्दे को लेकर राज्य की राजनीति गरमा गई है। पटना एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने बिहार सरकार को खुली चुनौती देते हुए कहा कि वह किसी भी कीमत पर अपना आवास खाली नहीं करेंगी। राबड़ी देवी के इस बयान के बाद राजनीतिक गलियारों में नई बहस शुरू हो गई है। राबड़ी देवी अपने पोते इराज के जन्मदिन समारोह में शामिल होने के बाद पटना लौटी थीं। एयरपोर्ट पर पत्रकारों द्वारा सरकारी आवास खाली करने के आदेश को लेकर सवाल पूछे जाने पर उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, सम्राट चौधरी जितना भी फोर्स बुलाकर मकान खाली करवाना चाहें, मैं मकान नहीं खाली करूंगी।

कुछ ना कहना

नौतपा के दौरान मौसम का दिखा रौद्र रूप, आंधी-तूफान व बिजली गिरने से हुई भारी तबाही;

मप्र-यूपी-बिहार में आंधी-बारिश से 56 मौतें

कई मकान गिरे, गुना के प्रसिद्ध हनुमान मंदिर पर बिजली गिरी, ग्वालियर, इंदौर समेत 26 जिलों में आंधी-पानी का दौर, कुछ जगह ओले भी गिरे

भोपाल/लखनऊ/पटना। देश में गर्मी के बीच 15 से ज्यादा राज्यों में प्री-मानसून बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। वहीं कई राज्यों में आंधी-तूफान व बिजली गिरने से हुई भारी तबाही हुई है। मप्र-यूपी-बिहार में आंधी-बारिश से करीब 56 मौतें हुई हैं। बिहार में पिछले 24 घंटे में आंधी-बारिश और बिजली गिरने से 22 लोगों की मौत हुई है। पटना में बारिश के चलते 4 फ्लाइट डायवर्ट की गई, जबकि 18 फ्लाइट लेट रहीं। इससे करीब 500 से ज्यादा यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटे में आंधी-तूफान की वजह से 31 लोगों की मौत हो गई है। सहारनपुर में भारी बारिश के बाद पहाड़ी से तेज बहाव के साथ पानी नीचे आ गया। इससे इनोवा-ट्रैक्टर समेत 10 गाड़ियां बह गईं। वहीं मप्र के भिंड में तीन लोगों की मौत हो गई है।

नौतपा को भीषण गर्मी के बीच मध्य प्रदेश में मौसम का मिजाज अचानक बदल गया है। 24 घंटे में ग्वालियर, इंदौर समेत 26 जिलों में आंधी, बारिश हुई। कहीं तेज हवाओं ने असर दिखाया तो कहीं ओले गिरे।

गुना में आंधी-बारिश के दौरान प्रसिद्ध हनुमान टेकरी मंदिर पर बिजली गिरने से शिखर क्षतिग्रस्त हो गया। मौसम विभाग ने कई जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, 24 घंटे के दौरान टीकमगढ़ में सवा इंच, दतिया में आधा इंच और नीमच में पौन इंच पानी गिरा। इसके अलावा ग्वालियर, इंदौर, धार, गुना, रतलाम, उज्जैन, दमोह, खजुराहो, रीवा, सागर, सतना, उमरिया, खरगोन, शिवपुरी, डिंडौरी, मंदसौर, खंडवा, शाजापुर, देवास, झाबुआ, टीकमगढ़, मुरैना, श्योपुर में भी बारिश हुई। श्योपुर और देवास में ओले भी गिरे हैं। भिंड के गोहद, मौ क्षेत्र के अतरसौहा गांव में वहीं देहात थाना क्षेत्र के सदारपुरा में एक-एक मौत की खबर है। वहीं रौन थाना क्षेत्र के मानगढ़ गांव में खराब मौसम और तेज आंधी के कारण 30 से 40 भेड़-बकरियों के मरने की जानकारी सामने आई है। जबकि छतरपुर के बमीठा थाना क्षेत्र के पीरा गांव के पास पेड़ गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई।

अगले 3 से 4 दिन कई जिलों में आंधी-बारिश

मौसम विभाग का अनुमान है कि 31 मई से 2 जून तक भी प्रदेश के अधिकांश जिलों में आंधी-बारिश का दौर जारी रहेगा। मालवा क्षेत्र के अलीराजपुर, झाबुआ, रतलाम, मंदसौर और नीमच जिलों में लगातार तेज हवाओं और बारिश की गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं। वहीं 1 जून को रतलाम में भारी बारिश की संभावना जताई गई है, जबकि अलीराजपुर और झाबुआ में भी तेज बारिश के साथ ओलावृष्टि की चेतावनी जारी की गई है। इसके साथ ही कई जिलों में 40 से 60 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं।

तृणमूल कांग्रेस के सांसद और ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी पर हमला

कपड़े फाड़े, पत्थर-अंडे फेंके, हेलमेट पहनकर बचाई जान

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के सोनारपुर में टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी पर हमला हुआ है। चुनाव के बाद हुई हिंसा के दौरान पीड़ितों से मिलने पहुंचे टीएमसी नेता पर प्रदर्शनकारियों ने कच्चे अंडे फेंके और उनके साथ मारपीट की है। स्थिति बिगड़ने पर सुरक्षाकर्मियों ने मुस्तैदी दिखाई। उन्हें सुरक्षित बाहर निकालने के लिए तुरंत हेलमेट पहनाया गया। इसके बाद सुरक्षा घेरे के बीच वहां से बाहर निकाला गया। ये पूरी घटना सोनारपुर के कमराबाद इलाके की है। टीएमसी सांसद शनिवार शाम को अपनी पार्टी के एक मृतक कार्यकर्ता के घर पहुंचे थे। वे करीब साढ़े चार बजे कमराबाद पहुंचे। इस दौरान बीजेपी के नेता-कार्यकर्ता के साथ बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी पहले से मौजूद थे। इस प्रदर्शन में महिलाओं को आगे रखा गया था, जिनके हाथों में कच्चे अंडे थे।

भारी विरोध को देखते हुए अभिषेक बनर्जी अपनी कार छोड़कर बाइक से इलाके के अंदर घुसने लगे। तभी प्रदर्शनकारियों ने पीड़ित के घर से कुछ सौ मीटर पहले ही उन्हें रोक लिया। उनके सामने चोर-चोर के नारे लगाने शुरू कर दिए। इस दौरान उग्र भीड़ ने सड़क पर दो मोटरसाइकिलें भी फेंक दीं, जिससे वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने कहा कि हम लोग मजदूर हैं। हम लोग किसी पार्टी से जुड़े हुए नहीं हैं। हम लोगों का रास्ता कभी नहीं बना। जितना पैसा आया, सब खा लिया। हम लोग आज भी परेशान हैं, इसलिए गुस्सा है। एक शख्स ने कहा कि हम किसी पार्टी के लिए काम नहीं करते। हम यहीं के रहने वाले हैं। हम दीघा के आदमी हैं। यहां दो कट्ठा जमीन लेकर रहते हैं।

फूटा गुस्सा

स्थानीय लोगों के मुताबिक, वहां सड़कों का हाल बहुत खराब है। करीब एक किलोमीटर तक सड़क की स्थिति बेहद खराब है। बारिश के दौरान यहां पानी भर जाता है। लोगों का कहना है कि जब ममता बनर्जी मुख्यमंत्री थीं, तब कई बार उनसे गुजारिश की गई, आवेदन दिए गए। सड़कें ठीक कराने और पानी की सप्लाई व्यवस्था सुधारने की मांग की गई। लेकिन किसी ने कभी ध्यान नहीं दिया। किसी ने उनके बारे में नहीं सोचा। इसी वजह से जब सांसद होने के नाते अभिषेक बनर्जी यहां पहुंचे, तो लोगों ने सवाल उठाया कि पंद्रह साल से सत्ता में रहने के बावजूद इस इलाके का विकास क्यों नहीं हुआ।

अभिषेक के खिलाफ क्यों

अभिषेक बनर्जी बोले- मुझे मारने की थी साजिश, भाजपा प्रायोजित है पूरा षड्यंत्र

पश्चिम बंगाल की राजनीति में शनिवार को उस समय नया विवाद खड़ा हो गया, जब तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी पर दक्षिण 24 परगना जिले के सोनारपुर क्षेत्र में कथित हमला हुआ। अभिषेक बनर्जी चुनाव बाद हिंसा से प्रभावित परिवारों से मिलने पहुंचे थे, तभी उनके काफिले और समर्थकों पर पथराव तथा अंडे फेंके गए। घटना के दौरान अभिषेक बनर्जी को चोट भी लगी।

हमले के बाद अभिषेक बनर्जी ने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्हें जान से मारने की कोशिश की गई। उन्होंने दावा किया कि पूरी घटना पूर्व नियोजित थी और इसके पीछे भाजपा का हाथ है। उन्होंने कहा कि पूरे घटनाक्रम के वीडियो मौजूद हैं और वह इस मामले को अदालत तक ले जाएंगे। इस घटना पर तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने भी तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में राजनीतिक हिंसा को बढ़ावा दिया जा रहा है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

डीके शिवकुमार चुने गए विधायक दल के नेता

तीन जून को लेंगे कर्नाटक के नए सीएम पद की शपथ

बेंगलुरु। कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार अब राज्य के 24वें मुख्यमंत्री बनेंगे। बेंगलुरु में शनिवार को कांग्रेस विधायक दल की बैठक में उन्हें विधायक दल का नेता चुना गया। 28 मई को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने वाले सिद्धारमैया ने उनके नाम प्रस्ताव रखा। इसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। कांग्रेस नेता चंद्रशेखर के मुताबिक, शपथ ग्रहण 3 जून को लोक भवन के ग्लास हाउस में होगा। सूत्रों के मुताबिक इरू के साथ-साथ कैबिनेट भी बदलेगी। मौजूदा कैबिनेट से 10 मंत्री हटाए जा सकते हैं। इसमें सिद्धारमैया और मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे भी शामिल होंगे। 4 डिप्टी सीएम भी बनाए जा सकते हैं।

शिवकुमार सीएम रोटेशनल फॉर्मूला के तहत मुख्यमंत्री बनाए गए हैं। सिद्धारमैया 20 मई 2023 से 28 मई 2026 तक मुख्यमंत्री रहे हैं। बैठक में कर्नाटक कांग्रेस इंचार्ज रणदीप सुरजेवाला, पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल भी मौजूद थे। दोनों को पर्यवेक्षक बनाया गया है। सभी विधायकों ने मिलकर प्रस्ताव पास किया, इसमें यह तय किया गया कि नए नेता का फैसला कांग्रेस की केंद्रीय लीडरशिप करेगी। इसके बाद सिद्धारमैया ने खुद डीके शिवकुमार का नाम नए सीएलपी नेता के तौर पर पेश किया। गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने प्रस्ताव का समर्थन किया, सभी विधायकों ने एकमत से इसका समर्थन किया।

देशभर में 1 जून से चलेगा 'खेत बचाओ अभियान

नई दिल्ली। किसानों की आय बढ़ाने, खेती की लागत कम करने और मिट्टी की गुणवत्ता सुधारने के उद्देश्य से केंद्र सरकार 1 जून से 30 जून 2026 तक देशव्यापी 'खेत बचाओ अभियान' शुरू करने जा रही है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अभियान की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि यह केवल जागरूकता कार्यक्रम नहीं, बल्कि खेतों और मिट्टी को बचाने का जन आंदोलन होगा।

कांग्रेस का बड़ा दांव, वाईएस शर्मिला को राज्यसभा भेजने की तैयारी

नई दिल्ली। वाईएस शर्मिला को राज्यसभा भेजने की संभावनाओं को लेकर कांग्रेस में चर्चाएं तेज हो गई हैं। हाल ही में उनकी राहुल गांधी से हुई मुलाकात के बाद राजनीतिक गलियारों में अटकलें लगाई जा रही हैं कि पार्टी उन्हें कर्नाटक से राज्यसभा भेज सकती है। यह अलग बात है कि वाईएस शर्मिला ने इस मुलाकात को आंध्र प्रदेश कांग्रेस के संगठनात्मक मामलों से जुड़ा बताया था, लेकिन पार्टी सूत्रों का मानना है कि राज्यसभा सीट को लेकर भी चर्चा हुई है। बताया जा रहा है कि कांग्रेस नेतृत्व ने उन्हें आंध्र प्रदेश में पार्टी को मजबूत करने की जिम्मेदारी सौंपते समय भविष्य में राज्यसभा में अवसर देने का आश्वासन दिया था। वहीं दूसरी तरफ राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कांग्रेस, दिवंगत वाईएस राजशेखर रेड्डी की राजनीतिक विरासत से जुड़े मतदाताओं के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए शर्मिला को महत्वपूर्ण भूमिका देना चाहती है।

मुंबई लोकल समेत देश के बड़े शहरों को दहलाने की साजिश नाकाम!

9 संदिग्ध गिरफ्तार, आईएसआई और अंडरवर्ल्ड कनेक्शन की जांच तेज

मुंबई। देश की सुरक्षा एजेंसियों ने एक बड़े आतंकी षड्यंत्र का पर्दाफाश करते हुए संभावित बड़े हमले को समय रहते विफल कर दिया है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल द्वारा की गई कार्रवाई में 9 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। जांच में सामने आया है कि इन आरोपियों के तार पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और अंडरवर्ल्ड नेटवर्क से जुड़े हो सकते हैं। हालांकि, मामले की जांच अभी जारी है और कई महत्वपूर्ण पहलुओं की पुष्टि की जा रही है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि गिरफ्तार किए गए संदिग्ध कथित रूप से पाकिस्तान में बैठे कुछ हैंडलर्स के संपर्क में थे। जांच एजेंसियां यह भी पता लगाने में जुटी हैं कि क्या इन लोगों को वित्तीय और लॉजिस्टिक सहायता अंडरवर्ल्ड नेटवर्क के जरिए उपलब्ध कराई जा रही थी। सूत्रों के अनुसार, मुंबई के कुर्ला और मुंब्रा सहित कुछ अन्य क्षेत्रों तथा पुणे से जुड़े संभावित लिंक की भी जांच की जा रही है। पुलिस इन इलाकों में संदिग्ध गतिविधियों और संपर्कों की पड़ताल कर रही है।

संवेदनशील स्थानों की रेकी करने का शक

जांच एजेंसियों को आशंका है कि संदिग्धों ने देश के कुछ संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले स्थानों की रेकी की थी। कथित तौर पर रेलवे नेटवर्क, सार्वजनिक स्थल, धार्मिक स्थान और महत्वपूर्ण सरकारी प्रतिष्ठान संभावित निशाने पर हो सकते थे। अधिकारियों का मानना है कि यदि यह साजिश सफल होती, तो बड़े पैमाने पर जनहानि और दहशत फैल सकती थी। इसी कारण सुरक्षा एजेंसियां इस मामले को बेहद गंभीरता से ले रही हैं।

हथियार और विस्फोटक बरामद

पुलिस ने कार्रवाई के दौरान आरोपियों के कब्जे से हथियारों और अन्य संदिग्ध सामग्री को बरामद करने का दावा किया है। बरामद सामग्री की फॉरेंसिक जांच की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि कथित साजिश कितनी आगे बढ़ चुकी थी और इसके पीछे कौन-कौन लोग शामिल थे।

विदेश से मिल रहे थे निर्देश?

जांच एजेंसियों के अनुसार, गिरफ्तार किए गए संदिग्ध अकेले काम नहीं कर रहे थे। उन्हें कथित रूप से विदेश में बैठे संचालकों से निर्देश मिल रहे थे। जांच इस बात पर भी केंद्रित है कि हमले के संभावित लक्ष्य, समय और रणनीति किस स्तर पर तय की जा रही थी। सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि सीमा पार से संचालित नेटवर्क स्थानीय आपराधिक तत्वों का उपयोग कर भारत में अस्थिरता फैलाने की कोशिश कर सकते हैं। हालांकि, इस मामले में सभी तथ्यों की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी।

मुंबई समेत कई शहरों में हाई अलर्ट

दिल्ली पुलिस की कार्रवाई के बाद मुंबई सहित देश के कई प्रमुख शहरों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। रेलवे स्टेशनों, हवाई अड्डों, बस अड्डों और अन्य भीड़भाड़ वाले स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

कच्चे तेल की कीमत 90 डॉलर प्रति बैरल पर आने के बाद पेट्रोल-डीजल सस्ता करने की मांग तेज

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बाद देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें कम करने की मांग तेज हो गई है। ऑल इंडिया मोटर एंड गुड्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन ने केंद्र सरकार से आग्रह किया है कि कच्चे तेल की कीमत लगभग 104 डॉलर प्रति बैरल से घटकर 90 डॉलर प्रति बैरल के आसपास आ गई है, इसलिए इसका लाभ आम उपभोक्ताओं और परिवहन क्षेत्र को दिया जाना चाहिए। परिवहन संगठन का कहना है कि डीजल माल परिवहन क्षेत्र की रीढ़ है और ईंधन की ऊंची कीमतों का सीधा असर मालभाड़े तथा आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर पड़ता है। यदि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कटौती की जाती है तो परिवहन लागत कम होगी, जिससे महंगाई पर भी कुछ हद तक नियंत्रण पाया जा सकेगा। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि केवल कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से तत्काल राहत मिलना आसान नहीं है। हाल के दिनों में तेल विपणन कंपनियों को पेट्रोल और डीजल की बिक्री पर नुकसान उठाना पड़ा है।

सेवानिवृत्त हुए सीडीएस जनरल अनिल चौहान

एक परिवार- एक गैस कनेक्शन नीति होने जा रही लागू

1 जून से एलपीजी नियमों में बदलाव, ड्यूल कनेक्शन पर सख्ती बढ़ेगी

नई दिल्ली। घरेलू गैस उपभोक्ताओं के लिए 1 जून से नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव लागू होने जा रहे हैं। केंद्र सरकार और तेल विपणन कंपनियां (ओएमसीएस) 'एक परिवार-एक गैस कनेक्शन' नीति को सख्ती से लागू करने की दिशा में कदम बढ़ा रही हैं। इसके तहत जिन घरों में पहले से पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शन उपलब्ध है, वहां घरेलू एलपीजी (एलपीजी) कनेक्शन बनाए रखना प्रतिबंधित माना जा सकता है।

नई व्यवस्था के अनुसार, पीएनजी कनेक्शन लेने वाले उपभोक्ताओं को अपना घरेलू एलपीजी कनेक्शन सरेंडर करना पड़ सकता है। सरकार का उद्देश्य एलपीजी के दुरुपयोग, जमाखोरी और सब्सिडी के गलत इस्तेमाल को रोकना बताया गया है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा जारी संशोधित नियमों के तहत पीएनजी और एलपीजी दोनों कनेक्शन एक साथ रखने पर रोक लगाई गई है।

रिपोर्टों के अनुसार, तेल कंपनियों ने अपने डिजिटल डेटाबेस को एकीकृत करना शुरू कर दिया है ताकि ऐसे उपभोक्ताओं की पहचान की जा सके, जिनके पास दोनों प्रकार के कनेक्शन मौजूद हैं। ऐसे मामलों में एलपीजी रिफिल रोकने या कनेक्शन निलंबित करने जैसी कार्रवाई की जा सकती है। सरकार ने पीएनजी विस्तार अभियान की समयसीमा 30 जून 2026 तक बढ़ाई है। जिन क्षेत्रों में पीएनजी नेटवर्क उपलब्ध है, वहां उपभोक्ताओं को निर्धारित अवधि के भीतर पीएनजी पर स्थानांतरित होने के लिए कहा जा रहा है। हालांकि हाल ही में नियमों में संशोधन कर यह सुविधा भी दी गई है कि भविष्य में जरूरत पड़ने पर सरेंडर किया गया एलपीजी कनेक्शन दोबारा बहाल कराया जा सकेगा।

इसके अलावा, एलपीजी रिफिल बुकिंग के अंतराल को भी बढ़ाया गया है। शहरी उपभोक्ताओं के लिए रिफिल लॉक-इन अवधि 21 दिनों से बढ़ाकर 25 दिन और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन तक किए जाने की चर्चा है। वहीं रियायती घरेलू सिलेंडरों की वार्षिक सीमा 12 सिलेंडर ही बनी रहेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार का लक्ष्य पीएनजी के उपयोग को बढ़ावा देना, एलपीजी आपूर्ति को जरूरतमंद क्षेत्रों तक पहुंचाना और ऊर्जा संसाधनों का बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित करना है। हालांकि कई शहरों में उपभोक्ताओं के बीच नए नियमों को लेकर भ्रम और चिंता भी देखी जा रही है।

हिदायत/ईएमएस 30मई26

कलेक्टर ने ली बालाघाट विकासखंड के खंड स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक

शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की हुई समीक्षा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

कलेक्टर मृणाल मीना ने 30 मई को जिला पंचायत बालाघाट के सभागार में सभी विभागों के बालाघाट विकासखंड के खण्ड स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस बैठक में जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे, डी पी बर्मन तथा एसडीएम गोपाल सोनी सहित विभिन्न विभागों के जिला एवं खंड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में विभागवार योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई।

बैठक में स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास तथा कृषि विभाग की समीक्षा में कर्मचारियों की उपस्थिति सार्थक एप के माध्यम से दर्ज कराने एवं उसी आधार पर वेतन आहरण करने के निर्देश दिए गए। एएनएम को गर्भवती महिलाओं के एएनसी पंजीयन में प्रगति लाने के निर्देश देते हुए कहा गया कि लापरवाही बरतने पर कार्रवाई की जाएगी। बैठक में एएनसी पंजीयन एवं एएनसी चेकअप में कम प्रगति वाली चरेगांव, मऊ, पाथरवाडा, समनापुर, आंवलाझरी, नहरवानी एवं शहरी क्षेत्र बालाघाट में वार्ड नं.09 एवं वार्ड नं. 05 की एएनएम को अपने कार्यों में सुधार लाने के निर्देश दिये गए। उन्हें चेतावनी दी गई कि उनके कार्यों में प्रगति नही आने पर उनके विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी। लामता के बीपीएम को निर्देशित किया गया कि वे एएनसी पंजीयन एवं एएनसी जाँच की ऑनलाइन एंट्री सुनिश्चित करें अन्यथा उनके विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी।

बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा के दौरान निर्देशित किया गया कि बाल विकास परियोजना अधिकारी एवं आंगनवाडी सुपरवाइजर नियमित रूप से अपने क्षेत्र के आंगनवाडी केंद्रो का भ्रमण करें। बैठक में एसएएम एवं एमएएम श्रेणी के बच्चों के चिन्हांकन, शाला पूर्व शिक्षा के लिए बच्चों के पंजीयन तथा पोषण ट्रैकर एप पर खाद्यान्न वितरण की समीक्षा की गई।

पशुपालन विभाग की समीक्षा में एफएमडी टीकाकरण, कृत्रिम गर्भाधान एवं कामधेनु योजना में प्रगति लाने के निर्देश दिए गए। पशुपालकों को सेक्स सॉर्टेड सीमेन से कृत्रिम गर्भाधान के लिए प्रोत्साहित करने एवं बकरी पालन के प्रकरण अधिक संख्या में तैयार करने को कहा गया। एफएमडी टीकाकरण में कम प्रगति पाये जाने पर एव्हीएफओ जेएम धुर्वे, देवेश पटले एवं अंशुल नागोसे को चेतावनी दी गई कि वे अपने कार्य में शीघ्र प्रगति लाये अन्यथा उनके विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी।

शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान कक्षा 1 से 8 तथा 9 से 12 तक शत-प्रतिशत विद्यार्थियों के पंजीयन के निर्देश दिए गए। कक्षा 6 एवं 9 के विद्यार्थियों को साइकिल तथा सभी बच्चों को पाठ्य-पुस्तकों का शीघ्र वितरण कर उसकी पोर्टल पर प्रविष्टि सुनिश्चित करने को कहा गया। कक्षा 09 से 12 के बच्चों के पंजीयन में कमी पाये जाने पर बालाघाट के बीआरसी को चेतावनी दी गई कि वे एक सप्ताह के भीतर शत प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करें अन्यथा उनकी एक वेतन वृद्धि रोकने की कार्यवाही की जाएगी। कमजोर शैक्षणिक स्तर वाली शालाओं में एफएलएन मेले आयोजित करने एवं बच्चों की शैक्षणिक गुणवत्ता सुधारने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए गए। एफएलएन सर्वे में कुम्हारी संकुल के बच्चों का स्तर कमजोर पाये जाने पर नाराजगी जाहिर की गई और अवकाश के दिनों में बच्चों की दक्षता परीक्षण के लिए विशेष टीम भेजने के निर्देश दिये गए।

राजस्व विभाग की समीक्षा के दौरान नक्शा तरमीम, फार्मर रजिस्ट्री एवं नामांतरण प्रकरणों में धीमी प्रगति पाये जाने पर कलेक्टर ने नाराजगी जताई। उन्होंने स्पष्ट कहा कि 15 दिनों के भीतर सुधार नहीं होने पर संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी। पटवारियों को निर्देश दिए गए कि फार्मर रजिस्ट्री का कार्य शीघ्र पूर्ण करें। जिस जमीन का आवासीय भूमि के रूप में उपयोग किया जा रहा है उसका शीघ्रता से डायवर्सन कराने कहा गया। सीमांकन, नामांतरण एवं बटवारा के प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिये गए। सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का तत्परता से निराकरण करने कहा गया।

पंचायत विभाग की योजनाओं की समीक्षा के दौरान अटल पेंशन योजना, श्रमयोगी मानधन योजना में कम प्रगति पाये जाने पर समनापुर, बगदरा, परासपानी, पेण्डरई, टेकाडी, नैतरा के सचिवों को चेतावनी दी गई कि वे अपने कार्यों में सुधार लाए। जनपद सीईओ से कहा गया कि यह उनकी जिम्मेदारी रहेगी कि कोई भी पंचायत सचिव संबल कार्ड में किसी तरह की गडबडी न करने पाये। संबल योजना के अंत्येष्टी एवं अनुग्रह सहायता के प्रकरण लंबित न रहे इसका विशेष ध्यान रखा जाए।

बैठक में उप संचालक कृषि को पराली प्रबंधन, सार्थक एप से कर्मचारियों की उपस्थिति तथा जे-फार्म एप पर किसानों का पंजीयन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही उन्हें निर्देशित किया गया कि खरीफ फसलों के बीज का किसानों को समय पर वितरण कराये और जो बीज वितरण किया गया है उसकी बोवनी हो और वह फसल गिरदावरी के समय राजस्व रिकार्ड में दर्ज भी होना चाहिए।

शिक्षकों को मिली राहत, ग्रीष्मकालीन अवकाश 7 जून तक बढ़ाया गया

1 जून से स्कूल पहुंचने की अटकलों पर विराम, अब 8 जून से संभालेंगे जिम्मेदारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रदेश के शिक्षकों को भीषण गर्मी के बीच बड़ी राहत मिली है। लोक शिक्षण संचालनालय, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा शिक्षकों के ग्रीष्मकालीन अवकाश को बढ़ाते हुए 7 जून 2026 तक करने के आदेश जारी किए गए हैं। इसकी जानकारी जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी उपाध्याय ने दी। जानकारी के अनुसार पूर्व में यह चर्चा चल रही थी कि शिक्षकों को 1 जून से विद्यालयों में उपस्थित होना होगा और नए शैक्षणिक सत्र की तैयारियों में जुटना पड़ेगा। हालांकि प्रदेश में लगातार जारी भीषण गर्मी और मौसम की परिस्थितियों को देखते हुए लोक शिक्षण संचालनालय ने अवकाश अवधि बढ़ाने का निर्णय लिया है। जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी उपाध्याय ने बताया कि संचालनालय से प्राप्त निर्देशों के अनुसार प्रदेशभर के शिक्षकों का ग्रीष्मकालीन अवकाश अब 7 जून तक रहेगा। इसके चलते शिक्षकों को निर्धारित तिथि तक विद्यालय में उपस्थित होने की आवश्यकता नहीं होगी। अवकाश समाप्त होने के बाद शिक्षक आगामी शैक्षणिक सत्र की तैयारियों के लिए विद्यालयों में अपनी सेवाएं देंगे। गौरतलब है कि प्रदेश के कई जिलों में इन दिनों तापमान लगातार उच्च स्तर पर बना हुआ है। ऐसे में शिक्षकों को अतिरिक्त एक सप्ताह का अवकाश मिलने से उन्हें राहत मिलेगी। वहीं विद्यालय प्रबंधन भी नए सत्र की तैयारियों को संशोधित कार्यक्रम के अनुसार आगे बढ़ाएंगे। शिक्षकों के अवकाश बढ़ाने के निर्णय की जानकारी सामने आते ही जिले के शिक्षकों में संतोष देखा जा रहा है। लंबे समय से 1 जून से स्कूल खुलने की चर्चा के बीच अब स्पष्ट हो गया है कि शिक्षकों को 7 जून तक अवकाश का लाभ मिलेगा।

अवैध रेत परिवहन रोकने पर भड़का रेत माफिया

कोटवार से मारपीट-पटवारी को दी ट्रैक्टर से कुचलने की धमकी

बिरसा पुलिस ने दर्ज किया मामला- आरोपी घटना के बाद से फरार

पद्मेश न्यूज। बिरसा। जिले के बिरसा थाना क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन और परिवहन का कारोबार लगातार प्रशासन के लिए चुनौती बना हुआ है। ताजा मामले में अवैध रूप से रेत का परिवहन कर रहे एक रेत माफिया ने कार्रवाई करने पहुंचे राजस्व विभाग के कर्मचारियों के साथ न केवल अभद्रता की, बल्कि कोटवार के साथ मारपीट कर पटवारी को ट्रैक्टर से कुचलने की धमकी तक दे डाली। घटना के बाद आरोपी ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर मौके से फरार हो गया। बिरसा पुलिस ने आरोपी नरेश साहू पिता कन्हैया साहू ग्राम रमगढ़ी के निवासी के विरुद्ध विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

सूचना मिलने पर जांच के लिए पहुंचे थे पटवारी और कोटवार

प्राप्त जानकारी के अनुसार 28 मई को पटवारी यामिनी तुरकर को सूचना प्राप्त हुई थी कि बिरसा क्षेत्र के सुरवाही नाला से अवैध रूप से रेत का उत्खनन कर ट्रैक्टर-ट्रॉली के माध्यम से परिवहन किया जा रहा है। सूचना की पुष्टि और कार्रवाई के लिए पटवारी यामिनी तुरकर अपने क्षेत्र के कोटवार सुंदरलाल आग्रेकर के साथ सुरवाही नाला के समीप पहुंचे।दोनों राजस्व कर्मचारी मौके पर खड़े होकर निगरानी कर रहे थे। इसी दौरान एक बिना नंबर का ट्रैक्टर-ट्रॉली वहां पहुंचा। जिसकी ट्रॉली रेत से भरी हुई थी। संदेह होने पर कोटवार सुंदरलाल आग्रेकर ने ट्रैक्टर को रोककर चालक से पूछताछ की।

रॉयल्टी दस्तावेज मांगने पर भड़क गया चालक

पूछताछ के दौरान चालक ने अपना नाम नरेश पिता कन्हैया साहू 40 वर्ष ग्राम रमगढ़ी थाना बिरसा निवासी बताया। राजस्व कर्मचारियों ने उससे रेत परिवहन संबंधी दस्तावेज एवं रॉयल्टी की जानकारी मांगी तथा बताया कि बिना अनुमति और रॉयल्टी के रेत परिवहन किए जाने पर ट्रैक्टर-ट्रॉली की जप्ती की कार्रवाई की जाएगी।यह सुनते ही नरेश साहू भड़क गया और राजस्व कर्मचारियों पर आक्रोशित हो उठा और कहने लगा कि तुम कौन होते हो मेरा ट्रैक्टर रोकने वाले और इसके बाद उसने पटवारी तथा कोटवार के साथ अभद्र व्यवहार शुरू कर दिया।

कोटवार के साथ की मारपीट-दी जान से मारने की धमकी

बताया गया कि नरेश साहू ने दोनों कर्मचारी को अश्लील गालियां देना शुरू कर दिया। जब उसे ऐसा करने से रोका गया तो वह ट्रैक्टर से नीचे उतर आया और कोटवार सुंदरलाल आग्रेकर के साथ धक्का-मुक्की करते हुए मारपीट करने लगा।इसके बाद नरेश साहू ट्रैक्टर चालू कर भागने का प्रयास करने लगा। जब पटवारी और कोटवार ने उसे रोकने की कोशिश की तो उसने दोनों को ट्रैक्टर के सामने से हट जाने की धमकी देते रास्ते से नहीं हटे पर ट्रैक्टर उनके ऊपर चढ़ा देने की धमकी देने लगा। नरेश साहू के आक्रामक रवैये और धमकी से भयभीत होकर दोनों कर्मचारी अपनी सुरक्षा के लिए किनारे हो गए। मौका मिलते ही नरेश साहू रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर फरार हो गया।

शासकीय कार्य में डाली बाधा- अपराध दर्ज

घटना के बाद कोटवार सुंदरलाल आग्रेकर, पटवारी यामिनी तुरकर तथा राजस्व निरीक्षक रंजन कुर्वेती के साथ बिरसा थाना पहुंचे और पूरे घटनाक्रम की लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में बताया गया कि नरेश साहू ने शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न की सरकारी कर्मचारियों के साथ अभद्रता की, मारपीट की तथा उन्हें जान से मारने की धमकी दी।बिरसा थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी नरेश साहू के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 296(बी), 221 और 132 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया है। पुलिस के अनुसार घटना के बाद से आरोपी फरार है।

क्षेत्र में लगातार जारी है अवैध रेत कारोबार

उल्लेखनीय है कि बिरसा थाना क्षेत्र के विभिन्न नदी-नालों से लंबे समय से अवैध रेत उत्खनन और परिवहन की शिकायतें सामने आती रही हैं। इसके बावजूद रेत माफियाओं के हौसले बुलंद बने हुए हैं। ताजा घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर अवैध रेत कारोबार में लिप्त लोगों के मन से कानून का भय क्यों समाप्त होता जा रहा है।

आवश्यकता है

10वीं/12वीं या पदवीधर/आई.टी.आई. की यश एलईडी टेक्नोलॉजी प्रा. लिमिटेड कम्पनी नागपुर में इंटरव्यू के लिये।

-संपर्क करें-
शिव प्रसाद परिहार
9823234770
9823020378

रुपयों के लेनदेन को लेकर दो पक्षों में विवाद-एक महिला सहित चार घायल

कोतवाली बालाघाट के छोटी कुम्हारी की घटना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम छोटी कुम्हारी में रुपयों के लेनदेन को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि मामला मारपीट तक पहुंच गया। घटना में एक महिला सहित चार लोग घायल हो गए।घायलों में नितेश डहारे पिता मारुति डहारे 24 वर्ष, सरवन डहारे पिता शेषलाल डहारे 40 वर्ष, उनकी पत्नी लक्ष्मी डहारे 35 वर्ष तथा अजय बघेले पिता शेषमल बघेले 34 वर्ष शामिल हैं। जिनका इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम छोटी कुम्हारी में मौसम डहारे और अजय बघेले के बीच लंबे समय से रुपयों के लेनदेन को लेकर विवाद चल रहा था। बताया गया कि 29 मई की रात करीब 10-30 बजे गांव के चौक में दोनों के बीच इसी बात को लेकर कहासुनी शुरू हो गई। जो देखते ही देखते विवाद में बदल गई।विवाद बढ़ता देख मौसम डहारे के पिता सरवन डहारे और मां लक्ष्मी डहारे बीच-बचाव और समझाइश के लिए पहुंचे। आरोप है कि इसी दौरान अजय बघेले और अनिकेत बघेले ने दोनों पति-पत्नी के साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट कर दी। जब नितेश डहारे बचाव करने पहुंचा तो उसके साथ भी मारपीट की गई। पीड़ित पक्ष ने आरोप लगाया है कि आरोपियों ने उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी।वहीं दूसरे पक्ष के अजय बघेले ने भी आरोप लगाया है कि पैसों के लेनदेन को लेकर हुए विवाद के दौरान मौसम डहारे, नितेश डहारे और शेषलाल डहारे ने लकड़ी तथा हाथ-मुक्कों से उसकी पिटाई की। जिससे वह घायल हो गया।घटना के बाद दोनों पक्षों के घायल जिला अस्पताल अस्पताल लाकर भर्ती किया गया। जहां उनका उपचार किया गया। मामले की सूचना मिलने पर पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भीषण गर्मी में सिग्नल पर छांव की सुविधा, नगर पालिका की अनूठी पहल

अंबेडकर चौक पर लगाया गया विशेष मंडप, सिग्नल पर रुकने वाले वाहन चालकों को मिलेगी राहत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भीषण गर्मी के बीच नगर पालिका ने आम नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एक सराहनीय पहल की है। शहर के अंबेडकर चौक स्थित ट्रैफिक सिग्नल पर रुकने वाले वाहन चालकों और राहगीरों को धूप से बचाने के लिए छायादार शेड तैयार कराया गया है। यह व्यवस्था नगर में पहली बार की गई है, जिसकी नागरिकों द्वारा भी प्रशंसा की जा रही है। नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत ठाकुर ने बताया कि इन दिनों तापमान लगातार बढ़ रहा है और दोपहर के समय सिग्नल पर रुकने वाले लोगों को तेज धूप का सामना करना पड़ता है। ऐसे में नागरिकों को कुछ राहत प्रदान करने के उद्देश्य से सिग्नल के समीप लोहे के खंभों पर विशेष छायादार मंडप तैयार कराया गया है, जिससे वाहन चालक और राहगीर सिग्नल खुलने तक छांव में खड़े रह सकें। उन्होंने बताया कि बड़े शहरों के भ्रमण के दौरान उन्होंने देखा था कि वहां ट्रैफिक सिग्नलों पर लोगों की सुविधा के लिए गर्मी और बारिश से बचाव की विशेष व्यवस्थाएं की जाती हैं। इसी सोच को वारासिवनी में भी लागू करते हुए यह प्रयोग शुरू किया गया है। उनका कहना है कि भले ही नागरिकों को कुछ मिनटों के लिए ही सही, लेकिन तेज धूप से राहत मिलना भी बड़ी सुविधा है। नगर पालिका अध्यक्ष के अनुसार, गर्मी को देखते हुए उन्होंने कुछ समय के लिए ट्रैफिक सिग्नलों को बंद करने का सुझाव भी दिया था, लेकिन पुलिस प्रशासन ने यातायात व्यवस्था और लोगों में विकसित हो रही नियमों के पालन की आदत को ध्यान में रखते हुए ऐसा करने से इंकार कर दिया। प्रशासन का मानना था कि यदि सिग्नल बंद किए गए तो लोगों में यातायात नियमों के प्रति लापरवाही बढ़ सकती है। इसके बाद नगर पालिका ने वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में सिग्नल स्थल पर छायादार शेड तैयार कराया। इस पहल का उद्देश्य यातायात नियमों का पालन करने वाले नागरिकों को सुविधा प्रदान करना और भीषण गर्मी के प्रभाव को कम करना है। नगरवासियों ने इस नवाचार को जनहित में उठाया गया सकारात्मक कदम बताते हुए इसकी सराहना की है।

आंधी-तूफान में उड़ा मकान का टीन शेड, 6 वर्षीय बालिका घायल

कटेरा गांव में तेज बारिश और आंधी से हादसा, आंगन में गिरा टीन शेड, दोपहिया वाहन भी क्षतिग्रस्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कटंगी क्षेत्र के ग्राम कटेरा में शनिवार शाम तेज आंधी, तूफान और बारिश के दौरान एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। शाम करीब 4 बजे अचानक आए तेज तूफान के कारण एक मकान का टीन शेड उड़कर दूसरे घर के आंगन में जा गिरा, जिससे एक 6 वर्षीय बालिका घायल हो गई। वहीं आंगन में खड़ा दोपहिया वाहन भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम कटेरा निवासी राजेन्द्र प्रसाद चौहान के मकान के ऊपर लगा टीन शेड तेज आंधी और तूफान के कारण उखड़कर उड़ गया। तेज हवा के चलते टीन शेड पास ही स्थित मोतीराम चौहान के घर के आंगन में जा गिरा। हादसे के समय आंगन में चित्रसेन राणा की छह वर्षीय पुत्री मौजूद थी। अचानक गिरे टीन की चपेट में आने से बालिका के सिर में गंभीर चोट आई और टीन लगने से वह घायल हो गई। घटना के बाद परिजन और ग्रामीण तत्काल उसे उपचार के लिए कटंगी अस्पताल लेकर पहुंचे,

जहां उसका इलाज कराया जा रहा है। घटना में आंगन में खड़ा एक दोपहिया वाहन भी टीन शेड की चपेट में आकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। घटना के बाद गांव में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। ग्रामीणों ने बताया कि अचानक आई तेज आंधी और बारिश के कारण कई स्थानों पर नुकसान की स्थिति बनी। लोगों ने प्रशासन से प्राकृतिक आपदा के कारण हुए नुकसान का सर्वे कर आवश्यक सहायता प्रदान करने की मांग की है। गौरतलब है कि शनिवार को क्षेत्र में तेज आंधी, तूफान और बारिश का दौर देखने को मिला, जिससे कई स्थानों पर पेड़ गिरने, बिजली आपूर्ति बाधित होने और मकानों को नुकसान पहुंचने की घटनाएं सामने आई हैं। कटेरा गांव की यह घटना भी उसी दौरान हुई, जिसमें एक मासूम बालिका घायल हो गई। फिलहाल बालिका की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
-निर्माता-
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

कोतवाली के सामने दो मोटरसाइकिल आपस मे टकराई -एक आरक्षक सहित दो घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर के मोती नगर रोड स्थित कोतवाली के सामने शनिवार दोपहर एक सड़क दुर्घटना में आरक्षक सहित दो लोग घायल हो गए। दो मोटरसाइकिल की आमने-सामने टक्कर होने से यह हादसा हुआ।दोनो घायल जिनमे आरक्षक विकास बोरकर पिता गेंदालाल बोरकर 40 वर्ष दीनदयालपुरम बालाघाट और चंद्रप्रकाश लिल्हारे पिता ओमप्रकाश लिल्हारे 19 वर्ष ग्राम भानपुर थाना रामपायली

निवासी हैं। जिन्हें जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। जहां दोनों का उपचार जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आरक्षक विकास बोरकर कोतवाली बालाघाट में पदस्थ हैं। वहीं चंद्रप्रकाश लिल्हारे सतपुड़ा आईटीआई गर्रा में पॉली की पढ़ाई कर रहे हैं तथा नागपुर में निजी नौकरी भी करते हैं।बताया गया है कि 30 मई को चंद्रप्रकाश मोबाइल खरीदने के लिए मोटरसाइकिल में बालाघाट आए थे। मोबाइल खरीदने के बाद वे गायखुरी स्थित अपने मामा अशोक लिल्हारे के घर गए। मामा से मुलाकात करने के बाद दोपहर करीब 1:30 बजे वे मोटरसाइकिल से अपने गांव भानपुर जाने के लिए निकले। इस दौरान वे गायखुरी से अंबेडकर चौक। बालाघाट की ओर आ रहे थे।उधर आरक्षक विकास बोरकर न्यायालय से शासकीय कार्य निपटाकर मोटरसाइकिल से कोतवाली लौट रहे थे। कोतवाली के ठीक सामने से मोटरसाइकिल मोड़ने के दौरान उनकी मोटरसाइकिल और चंद्रप्रकाश की मोटरसाइकिल आपस में टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों मोटरसाइकिल सहित सड़क पर गिरने से घायल हो गए।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को पुलिस वाहन से जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाकर भर्ती कराया गया। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

वनवासी शब्द के विरोध में आदिवासी समाज का उग्र प्रदर्शन, दूसरे दिन भी सड़कों पर उतरे समाजजन

रैली निकालकर सौंपा ज्ञापन, आदिवासी पहचान और अस्तित्व से जुड़ा बताया मुद्दा

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा दिल्ली में आयोजित जनजातीय सुरक्षा मंच के एक कार्यक्रम में आदिवासी समाज के लिए वनवासी शब्द के उपयोग को लेकर जिले में विरोध का स्वर लगातार तेज होता जा रहा है। गोंडवाना गोंड महासभा के नेतृत्व में आदिवासी समाज ने लगातार दूसरे दिन भी प्रदर्शन करते हुए अपनी नाराजगी जाहिर की। समाजजनों ने पहले सभा आयोजित कर अपनी बात रखी, इसके बाद शहर में रैली निकालकर प्रशासन को ज्ञापन सौंपा और आदिवासी पहचान के सम्मान की मांग की। गोंडवाना गोंड महासभा द्वारा इस मुद्दे को लेकर दो दिवसीय विरोध कार्यक्रम आयोजित किया गया। आंदोलन के पहले दिन समाज के लोगों ने विरोध स्वरूप पुतला दहन कर अपना आक्रोश व्यक्त किया था, जबकि दूसरे दिन आंदोलन को और व्यापक रूप देते हुए बड़ी संख्या में समाजजन शहर के उत्कृष्ट विद्यालय परिसर में एकत्रित हुए।

आयोजित सभा में समाज के विभिन्न वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने कहा कि आदिवासी समाज की पहचान, संस्कृति और इतिहास को लेकर किसी भी प्रकार की भ्रम की स्थिति स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि आदिवासी शब्द केवल एक नाम नहीं, बल्कि हजारों वर्षों से चली आ रही सांस्कृतिक, सामाजिक और ऐतिहासिक विरासत का प्रतीक है। सभा के दौरान वक्ताओं ने केंद्र सरकार और गृहमंत्री की टिप्पणी पर अपनी आपत्ति दर्ज कराते हुए कहा कि आदिवासी समाज स्वयं को अपनी मूल पहचान के साथ देखता है और उसी पहचान को बनाए रखने के लिए संघर्ष करता रहेगा। वक्ताओं ने यह भी कहा कि आदिवासी समाज का इतिहास, परंपराएं और जीवनशैली देश की सांस्कृतिक विविधता का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, जिन्हें किसी अन्य शब्दावली से परिभाषित नहीं किया जा सकता। सभा के उपरांत शाम लगभग 5 बजे बड़ी संख्या में समाजजन उत्कृष्ट विद्यालय परिसर से रैली के रूप में निकले। रैली शहर के प्रमुख मार्गों से होती हुई कालीपुतली चौक पहुंची। इस दौरान प्रदर्शनकारी हाथों में बैनर और तख्तियां लिए हुए थे तथा आदिवासी को वनवासी कहना बंद करो, आदिवासी पहचान का सम्मान करो जैसे नारे लगा रहे थे। रैली के दौरान पूरे मार्ग में प्रदर्शनकारियों ने अपनी मांगों को जोरदार तरीके से उठाया। कालीपुतली चौक पहुंचने के बाद समाज के प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासनिक अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से आदिवासी समाज की भावनाओं से सरकार को अवगत कराते हुए मांग की गई कि आदिवासी समुदाय की पहचान और सम्मान को लेकर संवेदनशीलता बरती जाए तथा इस विषय पर स्पष्ट रुख अपनाया जाए। इस अवसर पर गोंडवाना गोंड महासभा के अध्यक्ष भुवनसिंह कोर्राम ने कहा कि देश के एक जिम्मेदार और संवैधानिक पद पर बैठे गृहमंत्री द्वारा आदिवासी समाज को 'वनवासी' कहे जाने से समाज में गहरा आक्रोश है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज अपनी ऐतिहासिक पहचान को लेकर सदैव सजग रहा है और किसी भी स्तर पर उसकी पहचान बदलने या कमजोर करने के प्रयासों का विरोध करेगा। उन्होंने कहा कि भगवान राम वनवास में गए थे, इसलिए उन्हें वनवासी कहा जा सकता है, लेकिन माता शबरी आदिवासी थीं। आदिवासी समाज की अपनी अलग सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान है, जिसे किसी अन्य शब्द से प्रतिस्थापित नहीं किया जा सकता। उन्होंने दावा किया कि विभिन्न ऐतिहासिक, पुरातात्विक और वैज्ञानिक अध्ययनों में आदिवासी समुदाय को इस भूमि के प्राचीन निवासियों के रूप में उल्लेखित किया गया है। भुवनसिंह कोर्राम ने आरोप लगाया कि आदिवासी समाज की पहचान को बदलने का प्रयास लंबे समय से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि समाज इस प्रकार के प्रयासों को स्वीकार नहीं करेगा और अपने अधिकारों, अस्तित्व तथा पहचान की रक्षा के लिए लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज का यह आंदोलन किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि अपनी पहचान और सम्मान की रक्षा के लिए है। यदि भविष्य में भी इस तरह की टिप्पणियां होती हैं या समाज की भावनाओं की अनदेखी की जाती है, तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। प्रदर्शन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे समाज के पदाधिकारी, युवा, महिलाएं और बड़ी संख्या में समाजजन शामिल रहे। आंदोलन के दौरान पूरे समय आदिवासी अस्मिता, पहचान और अधिकारों से जुड़े मुद्दे प्रमुखता से उठाए गए। समाज के नेताओं का कहना है कि आदिवासी समुदाय अपने संवैधानिक अधिकारों और ऐतिहासिक पहचान को लेकर पूरी तरह सजग है तथा किसी भी प्रकार की वैचारिक या सामाजिक चुनौती का लोकतांत्रिक तरीके से जवाब देने के लिए प्रतिबद्ध है। आंदोलन के माध्यम से समाज ने सरकार तक अपना संदेश पहुंचाने का प्रयास किया है और आने वाले समय में इस मुद्दे पर आगे की रणनीति तय करने की बात भी कही है।

महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष की तलाश शुरू, प्रभारी मंजू मिश्रा ने टटोली कार्यकर्ताओं की नब्ज

जमीनी स्तर पर काम करने वाली महिलाओं को मिलेगी जिम्मेदारी, पदाधिकारियों से की संगठन विस्तार और कार्यकारिणी गठन पर हुई चर्चा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। महिला कांग्रेस के प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर शनिवार को महिला कांग्रेस की वरिष्ठ नेत्री मंजू मिश्रा बालाघाट पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने जिला महिला कांग्रेस की पदाधिकारियों और सक्रिय कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर संगठनात्मक गतिविधियों, जिला अध्यक्ष चयन प्रक्रिया तथा नई कार्यकारिणी के गठन को लेकर विस्तृत चर्चा की। बैठक के बाद मीडिया से चर्चा करते हुए मंजू मिश्रा ने बताया कि उनका दौरा महिला कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश नेतृत्व द्वारा जिला स्तर पर संगठन को सशक्त बनाने की प्रक्रिया चल रही है, जिसके तहत विभिन्न जिलों से योग्य और सक्रिय महिला कार्यकर्ताओं के नामों पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बालाघाट जिले से महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष पद के लिए दो नाम प्रदेश नेतृत्व के समक्ष भेजे जाएंगे। इन नामों का चयन संगठन के लिए लंबे समय से कार्य कर रही, सक्रिय और जमीनी स्तर पर महिलाओं के बीच काम करने वाली कार्यकर्ताओं में से किया जाएगा। मंजू मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी उन महिलाओं को आगे लाना चाहती है जिन्होंने वर्षों तक संगठन के लिए निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य किया है। ऐसे कार्यकर्ताओं को नेतृत्व की जिम्मेदारी देकर संगठन को और अधिक मजबूत बनाया जाएगा।

लंबे समय से लंबित महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर एक बार फिर संगठनात्मक गतिविधियां तेज होती नजर आ रही हैं। प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष के निर्देश पर बालाघाट जिले की प्रभारी नियुक्त की गईं मंजू मिश्रा शनिवार को पहली बार बालाघाट पहुंचीं। उन्होंने स्थानीय सर्किट हाउस में महिला कांग्रेस पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के साथ बैठक कर संगठन की स्थिति और जिला अध्यक्ष चयन को लेकर विस्तृत चर्चा की। महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष की नियुक्ति पिछले काफी समय से लंबित है। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष रीना दीदी के निर्देशन में मंजू मिश्रा को बालाघाट का प्रभारी बनाया गया है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दोपहर 3 बजे आयोजित बैठक में जिलेभर से महिला कांग्रेस की पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुईं। बैठक में बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे, पुष्पा बिसेन सहित संगठन से जुड़े कई पदाधिकारी भी मौजूद रहे। बैठक के दौरान संगठन सृजन, महिला कांग्रेस की आगामी रणनीति, जिला अध्यक्ष की नियुक्ति तथा कार्यकारिणी गठन जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रभारी मंजू मिश्रा ने उपस्थित महिलाओं से व्यक्तिगत रूप से संवाद कर संगठन में उनकी भूमिका, सक्रियता और

कार्यों की जानकारी भी ली। बैठक के बाद मीडिया से चर्चा करते हुए मंजू मिश्रा ने बताया कि प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर वह बालाघाट आई हैं। उन्होंने कहा कि जिले में लंबे समय से महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष की नियुक्ति नहीं हो पाई है, जिसके चलते संगठनात्मक कार्य प्रभावित हो रहे हैं। इसी उद्देश्य से कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से चर्चा कर संभावित नामों पर राय ली जा रही है। उन्होंने बताया कि चर्चा के बाद दो नाम प्रदेश नेतृत्व के समक्ष भेजे जाएंगे। जिन नामों पर संगठन और नेतृत्व की सहमति बनेगी, उनमें से एक को जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। इसके बाद जिला कार्यकारिणी का गठन भी किया जाएगा। मंजू मिश्रा ने स्पष्ट किया कि महिला कांग्रेस में जिम्मेदारी केवल भीड़ जुटाने के आधार पर नहीं दी जाएगी। संगठन उन महिलाओं को प्राथमिकता देगा जिन्होंने पिछले वर्षों में जमीनी स्तर पर सक्रिय रहकर पार्टी के लिए कार्य किया है। उन्होंने कहा कि यह देखा जाएगा कि संबंधित महिला ने संगठन के लिए कितना समय दिया, कितने आंदोलन, धरने-प्रदर्शन और जनहित के मुद्दों पर संघर्ष किया तथा सरकार की नीतियों के खिलाफ कितनी सक्रियता से आवाज उठाई। उन्होंने कहा कि महिला कांग्रेस अब सक्रिय और संघर्षशील कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ाने की नीति पर काम कर रही है। इसलिए संगठन में पद पाने के लिए केवल समर्थन जुटाना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि कार्यकर्ता की सक्रियता और संगठन के प्रति समर्पण भी प्रमुख आधार होगा।

गौरतलब है कि इससे पहले भी महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर सर्किट हाउस में एक बैठक आयोजित की गई थी, लेकिन उस बैठक के बाद कोई ठोस निर्णय सामने नहीं आया था। ऐसे में अब एक बार फिर प्रदेश नेतृत्व द्वारा भेजी गई प्रभारी की बैठक के बाद राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज हो गई है। हालांकि अंतिम निर्णय प्रदेश नेतृत्व को लेना है, लेकिन जिले की महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं की नजरें अब इस बात पर टिकी हैं कि इस बार नियुक्ति प्रक्रिया किसी निष्कर्ष तक पहुंचती है या फिर पूर्व की बैठकों की तरह यह कवायद भी केवल चर्चा तक ही सीमित रह जाती है।

स्वागत-सत्कार के लिए धन खर्च ना करें, पार्टी को मजबूत करे- मंजू

उन्होंने अपने संबोधन में एक महत्वपूर्ण संदेश देते हुए कहा कि उनके दौरे के दौरान कोई भी कार्यकर्ता या पदाधिकारी उनके लिए किसी प्रकार का आर्थिक व्यय न करे। उन्होंने स्पष्ट कहा कि वह अपने सभी व्यक्तिगत खर्च स्वयं वहन करती हैं और किसी से भी स्वागत-सत्कार या अन्य व्यवस्थाओं के लिए धन खर्च करने की अपेक्षा नहीं रखतीं। मंजू मिश्रा ने कहा कि वह जहां भी दौरे पर जाती हैं, अपने खर्च पर यात्रा करती हैं और यहां तक कि पीने के लिए पानी भी अपने साथ लेकर चलती हैं। उनका मानना है कि संगठन के कार्यकर्ताओं का समय और संसाधन केवल संगठन को मजबूत करने में लगना चाहिए, न कि नेताओं के स्वागत और व्यवस्थाओं में। उन्होंने कहा कि यदि सभी कार्यकर्ता ईमानदारी, समर्पण और निस्वार्थ भाव से संगठन के लिए कार्य करेंगे तो महिला कांग्रेस आने वाले समय में और अधिक मजबूत होकर उभरेगी।

तेज धमाके के साथ ट्रांसफार्मर में लगी आग, मची अफरा-तफरी

वारासिवनी रोड पर विधायक कार्यालय के सामने हुई घटना, समय रहते पाया गया आग पर काबू

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर में लगातार बढ़ रहे विद्युत लोड के कारण ट्रांसफार्मरों में आग लगने की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। बीते कुछ दिनों में शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में ट्रांसफार्मर जलने और आग लगने की तीन से चार घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इसी कड़ी में शनिवार 30 मई को एक बार फिर वारासिवनी रोड स्थित परसवाड़ा विधायक कार्यालय के सामने और सिंचाई विभाग कार्यालय के समीप लगे ट्रांसफार्मर में अचानक आग लग गई। घटना के दौरान तेज धमाके जैसी आवाज सुनाई दी, जिससे क्षेत्र में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोपहर के समय क्षेत्र में सामान्य रूप से आवागमन जारी था। इसी दौरान अचानक ट्रांसफार्मर से जोरदार विस्फोट की आवाज आई। धमाका इतना तेज था कि आसपास मौजूद लोग घबरा गए और कुछ क्षणों के लिए समझ ही नहीं पाए कि आखिर हुआ क्या है। लोगों ने जब ट्रांसफार्मर की ओर देखा तो उसमें से धुआं और लपटें उठती दिखाई दीं। देखते ही देखते आग ने ट्रांसफार्मर को अपनी चपेट में ले लिया। घटना के बाद कुछ समय के लिए सड़क पर आवागमन भी प्रभावित हुआ। राहगीर और आसपास के लोग सुरक्षित दूरी पर खड़े होकर स्थिति को देखते रहे। स्थानीय लोगों ने तत्काल इसकी सूचना विद्युत विभाग और नगर पालिका को दी। सूचना मिलते ही संबंधित विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंचे तथा सबसे पहले विद्युत आपूर्ति बंद कराई गई, ताकि कोई बड़ा हादसा न हो सके। इसके बाद नगर पालिका की फायर ब्रिगेड को बुलाया गया। फायर ब्रिगेड दल ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का कार्य शुरू किया और कुछ ही समय में आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। अधिकारियों की तत्परता के चलते किसी प्रकार की जनहानि या अन्य बड़ी क्षति नहीं हुई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि अचानक हुए धमाके से लोग काफी डर गए थे। कई लोगों को ऐसा लगा जैसे किसी वाहन का टायर फटा हो या कोई अन्य बड़ा हादसा हुआ हो, लेकिन जब लोगों ने ट्रांसफार्मर में आग की लपटें देखीं तो स्थिति स्पष्ट हुई। आग लगने के बाद आसपास के दुकानदार और राहगीर भी सतर्क हो गए थे। जानकारों का मानना है कि भीषण गर्मी के चलते शहर में बिजली की खपत लगातार बढ़ रही है। घरों और प्रतिष्ठानों में कूलर, एयर कंडीशनर, पंखे तथा अन्य विद्युत उपकरणों का उपयोग बढ़ने से विद्युत भार सामान्य से कहीं अधिक हो गया है। यही कारण है कि कई क्षेत्रों में ट्रांसफार्मर ओवरलोड हो रहे हैं और तकनीकी खराबियों के चलते आग लगने जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं। उल्लेखनीय है कि हाल ही में नगर पालिका और विद्युत विभाग द्वारा संयुक्त निरीक्षण कर शहर के विभिन्न वार्डों में नए ट्रांसफार्मर लगाने तथा पुराने ट्रांसफार्मरों की क्षमता बढ़ाने की कार्ययोजना तैयार की गई है।

गोंदिया रोड पर सड़क हादसा : मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर गिरने से आरक्षक घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर के गोंदिया रोड स्थित कृष्णा दूध डेयरी चौक के पास शुक्रवार रात्रि एक सड़क दुर्घटना में जिला पुलिस बल में पदस्थ एक आरक्षक घायल हो गया। घायलनगोपाल पिता फूल सिंह इडपाचे 38 वर्ष वार्ड क्रमांक 13, बूढ़ी बालाघाट निवासी हैं।जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसका उपचार जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गोपाल इडपाचे पुलिस बल बालाघाट में आरक्षक के पद पर कार्यरत हैं। वे अपने परिवार के साथ बूढ़ी में निवास करते हैं।बताया गया कि आरक्षक गोपाल 23 मई को रीवा स्थित पीटीएस से प्रशिक्षण पूर्ण कर बालाघाट लौटे थे। 29 मई को वे अपनी पत्नी और बच्चों के साथ अपने पैतृक गांव पेंदी टोला (लोढ़ागी) गए हुए थे। शाम करीब 5 बजे गोपाल मोटरसाइकिल से अकेले बालाघाट के लिए रवाना हुए।जबकि उनकी पत्नी और बच्चे बस से बालाघाट आ रहे थे।रात्रि लगभग 9 बजे जब वे गोंदिया रोड स्थित कृष्णा दूध डेयरी चौक के पास पहुंचे। तभी अचानक उनकी मोटरसाइकिल के सामने दूसरी मोटरसाइकिल आ गई। सामने वाहन आने से गोपाल अपनी मोटरसाइकिल पर नियंत्रण नहीं रख पाए और वअनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गया। हादसे में उन्हें गंभीर चोटें आईं।दुर्घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने तत्काल सहायता पहुंचाई और घायल आरक्षक गोपाल को जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाया, जहां चिकित्सकों द्वारा उनका उपचार किया जा रहा है।

आस-पास की खबरें

ओरियंटल कालेज में ओपन प्लेसमेंट केम्पस का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के बालाघाट रोड़ बकोड़ा के समीप स्थित ओरियंटल ग्रुप ऑफ एजुकेशन कालेज में शुक्रवार को ओपन कैम्पस का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कालेज के डायरेक्टर डॉ. एचसी हनवत के मुख्य आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। यह कार्यक्रम बी फार्मेसी, डी फार्मेसी, एम फार्मेसी के विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया गया था। जिसमें बैद्यनाथ ग्रुप के माध्यम से उन्हे रोजगार उपलब्ध करवाने हेतु पैकेज के बारे में अवगत करवाया गया। वहीं चयन प्रक्रिया रिटन टेस्ट एवं पर्सनल इंटरव्यु के माध्यम से संपन्न हुई। कैम्पस प्रक्रिया में बैद्यनाथ कम्पनी के सीनियर मैनेजर प्रतीक शिन्दे एवं विकास ने विद्यार्थियों को फार्मेसी में आयुर्वेदिक दवाईयों की दक्षता का परीक्षण किया। जिसमें 70 विद्यार्थियों ने कैम्पस प्लेसमेंट में हिस्सा लिये जिसमें से 10 विद्यार्थियों का चयन किया गया है। वहीं चयनित विद्यार्थियों का फाइनल रिजल्ट घोषित होने के बाद बैद्यनाथ कंपनी में 'ज्वाइनिंग दी जायेगी। वहीं कालेज के डायरेक्टर डॉ. एचसी हनवत ने आयोजित ओपन प्लेसमेंट केम्पस के महत्व के बारे में विद्यार्थियों को अवगत करवाया। साथ ही यह भी कहा कि इस केम्पस ड्राइव विशेष रूप से बी फार्मेसी, डी फार्मेसी के विद्यार्थियों के लिए शानदार प्रदर्शन रहा हैं जिसमें आकर्षक पैकेज पर चयन किया गया है। वहीं कम्पनी द्वारा बी-फार्मेसी, डी- फार्मेसी विद्यार्थियों का चयन 35 लाख रूपये प्रतिवर्ष के पैकेज पर किया गया है। इस अवसर पर कालेज के संस्था प्रमुख एश्वर्य बिसेन, शेफाली बिसेन सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

शिमला घूमने गए व्यापारी के सूने मकान पर चोरो का धावा

भोपाल। एजेंसी। निशातपुरा थाना इलाके में शिमला घूमने गए व्यापारी के सूने मकान पर चोरो ने धावा बोलते हुए लाखों का माल उड़ा दिया। व्यापारी जब वापस घर लौटे तब चोरो के कारनामे का खुलासा हुआ। शिकायत मिलने पर पुलिस ने जॉच के बाद अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक सुपर स्टैंड कॉलोनी में रहने वाली शोभा गोस्वामी पति दीपक (40) ने बताया की उनके पति व्यापारी हैं, और वह निजी अस्पताल में टैक्निशियन हैं। बीती 23 मई को वह अपने परिवार के साथ घूमने के लिए शिमला गई थी। बीते दिन जब परिवार वापस अपने घर लौटा तो देखा कि मेन-गेट पर लगा ताला टूटा पड़ा है। अंदर जाकर देखने पर कमरो में रखा सामान बिखरा मिला वहीं अलमारी के लॉकर भी टूटे पड़े थे। अज्ञात बदमाश लॉकर में रखे सोने-चांदी के जेवरात, नकदी समेत लाखों रुपए का माल समेटकर चंपत हो गए। पुलिस और एफएसएल टीम ने घटनास्थल की पड़ताल करते हुए सुराग जुटाए जिसके आधार पर आगे की जॉच की जा रही है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी खंगाल रही है।

कमरों की साफ-सफाई में जुटा मंडी प्रशासन, अतिक्रमणकारियों को दी गई सख्त हिदायत

राजाभोज कृषि उपज मंडी काम्पलेक्स के 72 कमरों की जल्द होगी नीलामी, तैयारी शुरू

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय के हाई स्कूल मार्ग वृहत्ताकार सेवा सहकारी समिति स्थित राजाभोज जैविक/प्राकृतिक कृषि उपज मंडी कॉम्पलेक्स में बने 72 कमरों (दुकानों) की नीलामी प्रक्रिया जल्द ही शुरू होने वाली है। मंडी प्रशासन इस नीलामी को संपन्न करवाने की तैयारियों में पूरी तरह जुट चुका है। इसके तहत परिसर और कमरों की साफ-सफाई का कार्य युध्द स्तर पर किया जा रहा है। वहीं मंडी कॉम्पलेक्स का निर्माण 4 से 5 वर्ष पूर्व किया गया था। लेकिन अब तक नीलामी न होने के कारण कुछ लोगों द्वारा कमरों में अवैध रूप से सामान रखकर अतिक्रमण कर लिया गया था। मंडी प्रशासन ने पूर्व में भी उन्हे कमरे खाली करने के निर्देश दिये थे। इसके बावजूद जिन लोगों ने अब तक कमरे खाली नहीं किये हैं, उन्हें प्रशासन ने पुन: सख्त हिदायत दी है। यदि समय रहते कमरों को खाली नहीं किया गया, तो संबंधित लोगों के खिलाफ मंडी प्रशासन के द्वारा वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।

राजस्व और रोजगार की उम्मीद, लेकिन 'ऑफसेट रेट' से बढ़ी चिंता

आपको बता दें कि क्षेत्र के बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए शासन के द्वारा करोड़ों रूपयों की लागत से लालबर्रा हाई स्कूल मार्ग वृहत्ताकार सेवा सहकारी समिति के सामने 4 से 5 वर्ष पूर्व राजाभोज जैविक एवं प्राकृतिक कृषि उपज मंडी काम्पलेक्स का निर्माण करवाया गया है। लेकिन देख-रेख एवं नीलामी नही होने के कारण काम्पलेक्स के कमरे खराब हो रहे थे। वहीं लंबे समय से काम्पलेक्स में बने 72 कमरों की नीलामी करने की मांग उठ रही थी। जिसके बाद अब मंडी प्रशासन के द्वारा कमरों की नीलामी करने वाली है, जिसकी तैयारी में मंडी प्रशासन जुट चुका है। वहीं लंबे समय बाद होने जा रही इस नीलामी से जहां एक ओर मंडी प्रशासन को बड़ा राजस्व प्राप्त होगा। वहीं दूसरी ओर स्थानीय युवाओं को रोजगार के नये अवसर मिलेंगे। हालांकि मंडी प्रशासन द्वारा इन 72 कमरों के लिए तय की गई ऑफसेट रेट (शुरूआती बेस प्राइज) काफी अधिक रखी गई है। यानि कमरों की नीलामी प्रक्रिया में आफसेट रेट अधिक होने के कारण फुटपाथ व्यवसायी और मध्यम वर्ग के लोग इस नीलामी प्रक्रिया से बाहर हो सकते हैं। ऐसी स्थिति में जिनके पास रूपये अधिक है ऐसे ही बड़े व्यापारी इस नीलामी प्रक्रिया में शामिल होकर कमरे लेगें।

स्थानीय निवासियों व बेरोजगारों की मांग

मंडी प्रशासन को बंद कमरे में ऊंची दरों पर नीलामी करने के बजाय ओपन (खुली) नीलामी रखनी चाहिए। साथ ही दुकानों की शुरूआती कीमत (बेस प्राइज) को न्यूनतम (कम से कम) किया जाये ताकि क्षेत्र के गरीब, मध्यम वर्गीय और शिक्षित बेरोजगार युवा भी इस प्रक्रिया में शामिल होकर दुकान ले सकें और आत्मनिर्भर बनकर अपना स्वरोजगार शुरू कर सकें। वहीं मंडी प्रशासन फिलहाल कमरों को दुरूस्त करने और नीलामी की अंतिम रूपरेखा तैयार करने में लगा है। जिससे क्षेत्र के व्यापारियों और बेरोजगार युवाओं की नजरें अब इस आगामी प्रक्रिया पर टिकी हुई हैं।

नियमानुसार जल्द की जायेगी नीलामी - ठाकरे

दूरभाष पर चर्चा में कृषि उपज मंडी लालबर्रा के सचिव वायआर ठाकरे ने बताया कि राजाभोज जैविक/प्राकृतिक कृषि उपज मंडी काम्पलेक्स में बने 72 कमरों की नीलामी जल्द की जायेगी। इसलिए कमरों की साफ-सफाई युध्द स्तर पर किया जा रहा है और पूर्व में जिन लोगों ने अवैध रूप से कब्जा कर अतिक्रमण किये है उन्हे हिदायत दी गई है कि जल्द कब्जा छोड़े नही तो उनके विरूध्द वैधानिक कार्यवाही की जायेगी। साथ ही शासन के नियमानुसार कमरों की नीलामी की जायेगी।

अनुविभागीय अधिकारी कृषि खुदीराम सनोडिया ने पालडोंगरी के प्रगतिशील कृषक के कृषि फार्म का किया भ्रमण एवं निरीक्षण

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी क्षेत्र के ग्राम पालडोंगरी के किसान लखनलाल उमरे क्षेत्र के अन्य किसानों के लिये प्रेरणादायक कार्य कर रहे है। बहुआयामी कृषि के माध्यम से प्रेरणादायक कृषि का संदेश दिया जा रहा है। ताकि किसान एक ही खेती पर आधारित ना रहे। बतादे कि कृषि को लाभकारी एवं टिकाऊ बनाने के उद्देश्य से किसानों द्वारा अपनाई जा रही समन्वित कृषि प्रणालियों को प्रोत्साहित करने के लिए 30 मई 2026 को विकासखंड लांजी के ग्राम पालडोंगरी निवासी प्रगतिशील कृषक लखनलाल उमरे के कृषि फार्म का भ्रमण एवं निरीक्षण किया गया। निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी कृषि लांजी खुदीराम सनोडिया एवं क्षेत्रीय कृषि विस्तार अधिकारी श्रीमती इंदु उइके द्वारा किया गया। भ्रमण के दौरान अधिकारियों ने कृषक द्वारा अपनाए गए बहुआयामी कृषि मॉडल का विस्तार से अवलोकन किया। श्री लखनलाल उमरे पारंपरिक खेती के साथ-साथ कृषि आधारित विभिन्न आयवर्धक गतिविधियों को सफलतापूर्वक संचालित कर रहे हैं। उनके द्वारा खेत में विभिन्न फसलों का उत्पादन किए जाने के साथ मत्स्य पालन, पशुपालन तथा आम की विभिन्न उन्नत एवं व्यावसायिक किस्मों का बागवानी स्वरूप में रोपण किया गया है। कृषि के विविध क्षेत्रों को एकीकृत कर उन्होंने अपनी कृषि को आत्मनिर्भर एवं लाभकारी बनाया है।

किसान एक साथ अनेको कृषि कर सकते है-

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मत्स्य पालन इकाई का अवलोकन करते हुए इसकी उत्पादन क्षमता एवं आय की संभावनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। साथ ही आम के विभिन्न पौधों की प्रजातियों, उनके रखरखाव एवं भविष्य में मिलने वाले आर्थिक लाभों पर चर्चा की गई। पशुपालन गतिविधियों का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों ने बताया कि कृषि के साथ पशुपालन को जोडने से किसानों को अतिरिक्त आय प्राप्त होती है तथा जैविक खेती को भी बढ़ावा मिलता है। अनुविभागीय अधिकारी कृषि खुदीराम सनोडिया ने कहा कि वर्तमान समय में केवल एक फसल पर निर्भर रहने के बजाय कृषि के साथ मत्स्य पालन, बागवानी एवं पशुपालन जैसी गतिविधियों को अपनाकर किसान अपनी आय को कई गुना बढ़ा सकते हैं। उन्होंने कहा कि श्री लखनलाल उमरे का कृषि मॉडल क्षेत्र के अन्य किसानों के लिए प्रेरणादायक है तथा इससे यह स्पष्ट होता है कि समन्वित कृषि प्रणाली अपनाकर सीमित संसाधनों में भी बेहतर आर्थिक परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं।

कृषक को दी गई विभागीय योजनाओं की जानकारी, होगा लाभ

क्षेत्रीय कृषि विस्तार अधिकारी श्रीमती इंदु उइके ने कृषक को विभागीय योजनाओं, उन्नत कृषि तकनीकों एवं प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर उपयोग के संबंध में जानकारी प्रदान की। उन्होंने किसानों से कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ लेकर आधुनिक एवं बहुआयामी कृषि पद्धतियों को अपनाने का आह्वान किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कृषक द्वारा किए जा रहे नवाचारों की सराहना करते हुए कहा कि कृषि, बागवानी, मत्स्य पालन एवं पशुपालन का समन्वय ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के साथ-साथ किसानों की आय बढ़ाने का प्रभावी माध्यम है। ऐसे मॉडल को व्यापक स्तर पर बढ़ावा देकर किसानों को आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाया जा सकता है। कृषि विभाग द्वारा जिले में कृषक कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, समन्वित कृषि प्रणाली एवं आयवर्धक गतिविधियों के प्रति जागरूक करने के लिए लगातार भ्रमण, प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

नौतपा के छटवें दिन आंधी-तूफान के साथ हुई झमाझम बारिश

मौसम में घुली ठंडक, दिनभर की भीषण तपन के बाद दोपहर में बदला मिजाज, कई जगह पेड़ गिरे

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। पिछले कई दिनों से रिकॉर्ड तोड़ गर्मी और भीषण तपन झेल रहे आम जनमानस को शनिवार को बड़ी राहत मिली। नौतपा के छटवें दिन यानि 30 मई को दोपहर बाद मौसम ने अचानक करवट बदली। तेज धूलभरी आंधी और बादलों की गड़गड़ाहट के साथ क्षेत्र में झमाझम बारिश शुरू हो गई। करीब एक घंटे तक हुई इस मूसलाधार बारिश ने जहां उमस और गर्मी को पूरी तरह से गायब कर दिया। वहीं मौसम में एक सुखद ठंडक घोल दी। जिससे लोगों को नौतपा में भीषण गर्मी से कुछ राहत मिली है। साथ ही अचानक मौसम परिवर्तन होने एवं शाम में हुई झमाझम बारिश ने जिन किसानों के खेतों में रबी सीजन की धान की फसल पककर तैयार हो चुकी है एवं जिन्होने कटाई कर चुके है, उनकी फसल भींग चुकी है। अगर तेज बारिश होती है तो धान की फसल खराब हो सकती है। जिससे किसानों को काफी नुकसान होने की आशंका बनी हुई है। वहीं तेज आंधी-तूफान चलने से मानपुर बैरियर चौक स्थित विशालकाय पेड़ धराशायी हो गया, इसी तरह कुछ स्थानों पर भी पेड़ गिरने की जानकारी सामने आई है। लेकिन किसी प्रकार का हादसा घटित नही हुआ है। वहीं जिस समय मानपुर बैरियर चौक के समीप स्थित पेड़ टूटकर गिरा उस समय मार्ग पर तेज आंधी-तूफान व बारिश होने के कारण आवागमन कोई नही कर रहे थे। जिस कारण से बड़ा हादसा टल गया।

सुबह तीखी धूप, दोपहर बाद छाये काले बादल

नौतपा के छटवें दिन शनिवार को सुबह से ही सूर्यदेव के तेवर बेहद तल्ख थे। नौतपा के प्रभाव के चलते दोपहर तक आसमान से आग बरस रही थी और लोग तेज धूप व लू के थपेड़ों से बेहाल थे। सड़कें सूनी पड़ी थीं और लोग घरों में कैद होने को मजबूर थे। लेकिन दोपहर बाद अचानक मौसम का मिजाज बदला। पश्चिम की तरफ से आये काले घने बादलों ने आसमान को घेर लिया और देखते ही देखते अंधेरा छा गया। जिसके बाद तेज आंधी-तूफान व बादल गर्जन के साथ बारिश हुई है। अचानक मौसम बदलने के बाद शुरूआत में करीब 15 से 20 मिनट तक तेज आंधी-तूफान का दौर चला, जिसके बाद बिजली की कड़कड़ाहट के साथ बदरा जमकर बरसे। लगभग एक घंटे तक हुई झमाझम बारिश के कारण सड़कों पर पानी बह निकला। इस बारिश से पिछले कई दिनों से तप रही धरती शांत हुई और तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है। शाम होते-होते मौसम बेहद सुहाना हो गया और लोगों ने घरों से बाहर निकलकर ठंडी हवाओं का आनंद लिया। वहीं विगत कई दिनों से पड़ रही असहनीय गर्मी से आम जनता त्रस्त थी। इस बारिश ने न सिर्फ तापमान को गिराया है, बल्कि नौतपा की तपन से जूझ रहे लोगों को बड़ी राहत दी है। वहीं जहां एक तरफ इस बारिश ने लोगों को गर्मी से निजात दिलवाई, वहीं तेज आंधी-तूफान अपने साथ तबाही भी लेकर आया। क्षेत्र के कई स्थानों से तेज हवाओं के कारण पेड़ों के गिरने की खबरें आई है। गनीमत यह रही कि इस दौरान किसी तरह की जनहानि की सूचना नहीं है। वहीं तेज आंधी-तूफान चलने से बिजली गुल होने रहने से लोगों को कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ा। साथ ही जिन स्थान से बिजली गुल होने की जानकारी मिलने के बाद विद्युत विभाग उसे दुरूस्त करने में जुट गया है। यानि कि बाधित हुई विद्युत आपूर्ति को बहाल करने के काम कर रहे है।

लालबर्रा एवं जाम सोसायटी में कृषि कीटनाशक दवाई दुकान का हुआ शुभारंभ

सहकार से समृध्दि योजनांतर्गत किसानों को अब परमिट पर भी मिलेंगी उच्च गुणवत्ता की प्रामाणिक कीटनाशक दवाइयां, कृषकों को मिलेगी बड़ी राहत

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। क्षेत्र के किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण और राहत भरी खबर है। सहकार से समृध्दि योजना के अंतर्गत जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित बालाघाट की शाखा लालबर्रा के अधीन संचालित दो प्रमुख समितियों- बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित लालबर्रा एवं समिति जाम में इफ्को एमसी की अधिकृत कृषि कीटनाशक, फफूंदनाशक, खरपतवार नाशक एवं माहु, करपा व तनाछेदक की विश्वसनीय दवाइयों की दुकानों का शुक्रवार को शुभारंभ किया गया। इस पहल से स्थानीय कृषकों को अब उच्च गुणवत्ता वाली कृषि दवाइयां उचित दरों पर सीधे अपनी समितियों के माध्यम से उपलब्ध हो सकेगी। यह कृषि कीटनाशक दवाई दुकान का शुभारंभ कार्यक्रम सहकारिता समिति के सभापति झामसिंह नागेश्वर, पूर्व समिति अध्यक्ष अनिल (बब्बी) शर्मा, हितेश ठाकरे, वेदसिंह ठाकुर के प्रमुख आतिथ्य एवं राजेश दुबे शाखा प्रबंधक, एच.डी. बोपचे (पर्यवेक्षक) एवं इफ्को के जिला प्रबंधक वैदिक अगाल के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। तत्पश्चात उपस्थित अतिथियों के हस्ते रिबिन काटकर कृषि कीटनाशक दवाई दुकान का शुभारंभ किया गया। इसी तरह जाम सेवा सहाकरी समिति में शाम 5 बजे द्वितीय दुकान का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत बालाघाट के सहकारिता सभापति झामसिंह नागेश्वर, पूर्व मंडी अध्यक्ष लालबर्रा सत्येन्द्र दमाहे एवं जाम के सरपंच सुरेन्द्र बलोने , जनपद सदस्य जाहिद खान, टोपराम बिसेन, रंगलाल लिल्हारे, ठानेन्द्र ठाकरे (पूर्व सरपंच बगदेही), केशोराव लिल्हारे, हितेश ठाकरे, इफ्को ब्लॉक प्रतिनिधि लालबर्रा रत्नेश शुक्ला एवं पर्यवेक्षक डी. के. लिल्हारे विशेष रूप से उपस्थित रहे। जिनके द्वारा पूजा-अर्चना कर इफ्को एमसी कृषि क्षेत्र की कीटनाशक दवाई दुकान की शुरुआत की गई। इस अवसर पर इफ्को के जिला प्रबंधक वैदिक अगाल द्वारा उपस्थित कृषकों को इफ्को एमसी के उत्पादों के बारे में विस्तार से समझाया गया और उन्होंने आधुनिक कृषि तकनीकों, दवाइयों के सही उपयोग के तौर-तरीकों सहित नैनो यूरिया, नैनो डीएपी, सागरिका एवं सल्फेट के उपयोग व उनके फायदों के बारे में विस्तृत रूप से तकनीकी जानकारी से अवगत करवाया। वहीं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सहकारिता सभापति झामसिंह नागेश्वर, अनिल शर्मा, सत्येन्द्र दमाहे, पर्यवेक्षक डी. के. लिल्हारे एवं एच.डी. बोपचे ने अपने उद्बोधन में कहा कि बहुउदेशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों के माध्यम से अब कृषकों को उच्च गुणवत्ता की कीटनाशक दवाईयां परमिट (ऋण साख) पर भी उपलब्ध करवाई जायेगी। इस व्यवस्था से क्षेत्र के छोटे व सीमांत किसानों को नगद राशि की समस्या से जूझना नहीं पड़ेगा और उन्हें समय पर प्रामाणिक दवाइयां मिल सकेंगी, जिससे निश्चित ही कृषकों को भारी राहत मिलेगी। इस अवसर पर शाखा प्रबंधक एचसी बसेने, एमपी ठाकरे, सुभाष बोपचे, बीएल ठाकरे, बीसी कटरे, एम.आर. गोन्दूड़े, शिव गौतम, जितेन्द्र देशमुख, भवनलाल नगपुरे, राजेश लिल्हारे, नुपेन्द्र राहंगडाले, वेदप्रकाश नगपुरे, कोमलप्रसाद बसेने, गणेशप्रसाद चौहान, रूपलाल नगपुरे, शैलेष लिल्हारे, अशोक बोहने, मुन्नीबाई आमरे, आसनबाई लिल्हारे, अमित मिश्रा, भोजलाल हरिनखेड़े, सुरेन्द्र ठाकरे, मोहनलाल माने, आर.एल. एड़े, गोपाल लानगे, गणेश लांजेवार, धनेन्द्र माले, नरेन्द्र बोपचे, पवन बोपचे, वेदी बिसेन, पूजा कोहरे, अतुल ठाकरे, अनिल सिंघनदुपे, टेकचंद, धनीराम पंचेश्वर, नाशीर खान, जितेन्द्र बागड़े सहित कार्यक्षेत्र के कृषक सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

नौतपा के छठवें दिन वारासिवनी में प्रकृति का रौद्र रूप

तेज आंधी तूफान से जनजीवन अस्त.व्यस्त, कई जगह गिरे विशालकाय वृक्ष बिजली व्यवस्था ठप

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

क्षेत्र में पिछले कई दिनों से जारी भीषण और झुलसाने वाली गर्मी के बीच शनिवार को मौसम ने अचानक ऐसा यू.टर्न लिया कि लोग हैरत में पड़ गए। नौतपा के छठवें दिन दोपहर तक आसमान से बरसती आग और ४२ से ४४ सेल्सियस तक पहुंचे पारे ने लोगों को हलाकान कर रखा था। उमस और लू के थपेड़ों के कारण दोपहर १ बजे के बाद सड़कों पर सन्नाटा पसर जाता था और लोग कूलर, पंखे तथा शीतल जल के सहारे खुद को बचाने का जतन कर रहे थे। शनिवार को भी दोपहर तक स्थिति वैसी ही थी लेकिन शाम होते.होते कुदरत का मिजाज पूरी तरह बदल गया।

दोपहर बाद अचानक बदला मौसम,धूल के गुबार से थमी रफ्तार

दोपहर करीब ४ बजे आसमान में अचानक बादलों की आवाजाही शुरू हुई और देखते ही देखते काले.घने बादलों ने पूरे वारासिवनी को अपनी आगोश में ले लिया। करीब ४.३० बजे के बाद शुरू हुई तेज हवाओं ने कुछ ही मिनटों में भीषण आंधी.तूफान का रूप धारण कर लिया। हवा की रफ्तार इतनी तेज थी कि सड़कों पर धूल का ऐसा गुबार उड़ा जिससे विजिबिलिटी यानि दृश्यता ना के बराबर रह गई। वाहन चालकों को दिन में ही अपने वाहनों की लाइटें चालू कर आगे बढ़ना पड़ रहा था। लेकिन उड़ती धूल के कारण सड़कों पर चलना दूभर हो गया और लोग सुरक्षित ठिकानों की तलाश में यहां.वहां भागने लगे। पूरे नगर में देखते ही देखते अफरा.तफरी का माहौल निर्मित हो गया।

कहीं ढही दीवार तो कहीं उखड़े विशालकाय पेड़

इस विनाशकारी आंधी.तूफान ने नगर के बुनियादी ढांचे और प्राकृतिक संपदा को भारी नुकसान पहुंचाया। सड़क किनारे लगी दुकानों के पाल.पर्दे और टीन शेड हवा में ताश के पत्तों की तरह उड़ गए। नगर के प्रमुख स्थानों से नुकसान की कई बड़ी तस्वीरें सामने आई। जिसमें गांधी चौक पर स्थित सभा मंच के ऊपर बनी पैराफिट वॉल जिस पर नगर पालिका परिषद अंकित था। तेज हवा के दबाव को झेल नहीं सकी और भरभराकर धराशायी हो गई। भारतीय स्टेट बैंक के सामने स्थित लिप्टन का एक विशालकाय वृक्ष जड़ से उखड़कर सड़क पर गिर गया। वार्ड नंबर १२ निवासी श्री करण के घर के सामने लगा एक बेहद पुराना और भारी.भरकम पेड़, मुस्लिम शादी हॉल की बाउंड्री वॉल पर जड़ सहित उखड़कर पलट गया। इस पेड़ के गिरने से वहां से गुजर रही एलटी विद्युत लाइन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। थाना परिसर वारासिवनी में भी एक विशाल पेड़ गिरने से पुलिस थाने का मुख्य गेट पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं बस स्टैंड परिसर में लगा नीम का पेड़ भी हवा के वेग से धराशायी हो गया। चौपाटी में वृक्षों की बड़ी.बड़ी शाखाएं टूटकर नीचे बनी दुकानों पर गिर गईं जिससे दुकानदारों को नुकसान हुआ है। इसके अलावा सब्जी बाजार में व्यापारियों के द्वारा धूप.बारिश से बचने के लिए लगाए गए पाल और तिरपाल हवा में उड़ गए जिससे पूरा बाजार अस्त.व्यस्त हो गया।

विद्युत व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त सुधार कार्य जारी

आंधी.तूफान का सबसे बड़ा असर नगर की बिजली आपूर्ति पर पड़ा है। जगह.जगह पेड़ों और उनकी शाखाओं के गिरने से ३३ केवी ११ केवी और एलटी लाइन के तार टूट गए। इसके अलावा तेज हवाओं के कारण नगर में लगे कई प्रचार फ्लेक्स और होर्डिंग्स उड़कर सीधे बिजली के तारों और खंभों में जा अटके। इसके चलते पूरे नगर की विद्युत व्यवस्था पूरी तरह ठप हो गई। तूफान थमते ही बिजली विभाग की टीमें मुस्तैदी के साथ मैदान में उतर चुकी हैं और युद्ध स्तर पर तारों से फ्लेक्स हटाने तथा लाइनों को दुरुस्त करने का सुधार कार्य प्रारंभ कर दिया गया है।

आंधी के बाद बरसी राहत की बूंदें, छा गई सुनहरी धूप

इस भीषण आंधी.तूफान के बाद बादलों की गड़गड़ाहट के साथ हल्की बूंदाबांदी का दौर शुरू हुआ जो धीरे.धीरे तेज बौछारों में बदल गया। इस बारिश ने नगर की सूखी और तपती सड़कों को पूरी तरह तरबतर कर दिया। इस प्री.मानसून बौछार ने पिछले कई दिनों से उमस भरी गर्मी झेल रहे वारासिवनी वासियों को भीषण तपन से बड़ी राहत दी है और मौसम में ठंडक घोल दी है। दिलचस्प बात यह रही कि बारिश थमने के तुरंत बाद आसमान साफ हो गया और पूरे वातावरण में एक बार फिर सुनहरी धूप खिल उठी जिसने प्रकृति के एक अनोखे और खूबसूरत दृश्य का अहसास कराया। फिलहाल नगरवासी जहां इस बदले मौसम से गर्मी से राहत महसूस कर रहे हैं वहीं प्रशासन और बिजली अमला आंधी से हुए नुकसान को ठीक करने में जुटा हुआ है।

खिलाड़ियों को जल्द मिलेगी खेल सेल्फी स्टैंड की सौगात

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला खेल अधिकारी राहुल बारेसा के मार्गदर्शन में जिलेभर में संचालित आरोह 2026 ग्रीष्मकालीन खेल शिविर के 29वें दिन खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने के लिए स्थानीय व्यवसायियों ने खेल गतिविधियों में सहयोग का हाथ बढ़ाया। इसी क्रम में शनिवार सुबह मुलना स्टेडियम स्थित कराटे प्रशिक्षण केंद्र में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राइस मिल व्यवसायी महेंद्र पारधी, बिल्डिंग व्यवसायी गणेश बिसेन, जिला एथलेटिक संघ अध्यक्ष

नरेश धुवारे तथा आहिल्या कन्हार फिजिकल क्लब के सचिव शैलेंद्र यादव उपस्थित रहे। अतिथियों ने कराटे शिविर में प्रशिक्षण ले रहे बालक-बालिकाओं से परिचय प्राप्त कर उनकी खेल संबंधी आवश्यकताओं की जानकारी ली। इस दौरान खिलाड़ियों त्विशा सोमनकर और अविका बघेल ने कराटे की कुमीते फाइट का प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। खिलाड़ियों के प्रदर्शन से प्रभावित होकर मुख्य अतिथि महेंद्र पारधी ने मुलना स्टेडियम में कराटे खिलाड़ियों, युवाओं और आमजन को खेलों के प्रति प्रेरित एवं जागरूक करने के उद्देश्य से 'खेल सेल्फी स्टैंड' का निर्माण कराने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह एक अभिनव पहल होगी, जिससे खेल गतिविधियों का प्रचार-प्रसार होगा और युवाओं में खेलों के प्रति रुचि बढ़ेगी।गौरतलब है कि खेल सेल्फी स्टैंड की मांग खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों द्वारा पूर्व में की गई थी, जिस पर महेंद्र पारधी ने सकारात्मक पहल करते हुए शीघ्र निर्माण का आश्वासन दिया है। कार्यक्रम का संचालन आकाशवाणी बालाघाट के अजय ठाकुर ने किया, जबकि अंत में जिला कराटे प्रशिक्षक सजिन्द्र कृष्णन ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और खेल प्रेमियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

सिंचाई विभाग की बेरुखी, महाराजपुर में जर्जर नहर से किसान परेशान

पानी बिना सूखी फसलें पर वसूली पूरी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। एक तरफ सरकार किसानों की आय दोगुनी करने और हर खेत तक पानी पहुंचाने के बड़े.बड़े दावे करती है। वहीं दूसरी ओर जमीनी हकीकत इसके बिल्कुल उलट नजर आ रही है। वारासिवनी जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत डोंगरगांव के ग्राम महाराजपुर में सिंचाई व्यवस्था पूरी तरह से वेंटिलेटर पर आ चुकी है। यहाँ से गुजरने वाली माइनर नहर इतनी जर्जर हो चुकी है कि किसानों को बूंद.बूंद पानी के लिए भारी मशक्कत करनी पड़ रही है। हर साल पानी की किल्लत झेल रहे किसानों में अब विभाग के खिलाफ भारी आक्रोश पनप रहा है।

हजारों एकड़ जमीन की प्यास बुझाने वाली नहर खुद प्यासी

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत मंगेझरी से गुजरने वाली मुख्य बड़ी नहर से एक माइनर नहर निकलकर महाराजपुर के लिए आती है। इसी माइनर नहर के भरोसे महाराजपुर की हजारों एकड़ कृषि भूमि सिंचित होती है। ग्रामीणों के लिए सिंचाई का यह एकमात्र मुख्य साधन है। परंतु पिछले कुछ वर्षों से इस नहर की सुध लेने वाला कोई नहीं है। रख रखाव और मरम्मत के अभाव में नहर जगह.जगह से टूट चुकी है और इसके अंदर बड़े.बड़े गड्ढे हो गए हैं। स्थिति इतनी बदतर हो चुकी है कि बड़ी नहर से जैसे.तैसे पानी गांव की सीमा तक तो पहुंचता है लेकिन महाराजपुर के खेतों तक नहीं आ पाता। रास्ते में नहर टूटी होने और गड्ढे होने के कारण सारा पानी व्यर्थ बह जाता है। हर साल किसान खुद एकजुट होकर चंदा कर या आपसी श्रमदान से मिट्टी.बोरी डालकर इन गड्ढों को भरते हैं और पानी को अपने खेतों तक लाने का प्रयास करते हैं। लेकिन यह देसी जुगाड़ दो से चार दिन में बह जाता है और समस्या जस की तस बनी रहती है। ग्रामीणों ने विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रशासन का रवैया बेहद असंवेदनशील है। क्षेत्र में कई ऐसे किसान हैं जिन्हें वर्षों से नहर का एक बूंद पानी भी नसीब नहीं हुआ है,लेकिन सिंचाई विभाग के अधिकारी किसानों के घर पानी का पैसा वसूलने समय पर पहुंच जाते हैं। अधिकारी पैसे लेने तो घर तक आ जाते हैं लेकिन जब हम अपनी समस्या सुनाते हैं तो ये आँखें मूंद लेते हैं। पानी नही मिलने के बावजूद हमसे जबरन वसूली की जा रही है जो किसानो के साथ सरासर अन्याय है।

किसानो ने हजारों बार की अमीन और अधिकारियों को शिकायत

कुछ महीने पहले जब विभाग के अमीन और अन्य राजस्व अधिकारी गांव में वसूली के लिए आए थे तब बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने उन्हें घेरकर नहर की दुर्दशा से अवगत कराया था। अधिकारियों ने हर बार की तरह जल्द सुधार कार्य कराने का आश्वासन तो दिया लेकिन वर्तमान तक विभागीय अमले ने इस दिशा में एक ईंट भी नहीं हिलाई है। फसल बुआई के समय विभाग केवल औपचारिकता खाना पूर्ति कर अपनी जिम्मेदारी से इतिश्री कर लेता है। वर्तमान में प्री.मानसून की गतिविधियां शुरू होने वाली हैं और जल्द ही मुख्य मानसून भी दस्तक देने वाला है। किसान इस सूखे समय में उम्मीद लगाए बैठे हैं कि यदि विभाग अभी तत्परता दिखाकर नहर की मरम्मत करवा दे तो आगामी खरीफ सीजन में उन्हें पानी के लिए दर.दर नहीं भटकना पड़ेगा। अगर इस समय लापरवाही बरती गई तो खरीफ की फसल पूरी तरह प्रभावित हो सकती है जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। महाराजपुर के आक्रोशित किसानों ने शासन प्रशासन और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि इस जर्जर नहर की सुध ली जाए। यदि मानसून से पहले माइनर नहर का कायाकल्प नहीं किया गया और खेतों तक पानी सुनिश्चित नहीं हुआ तो वे फिर परेशान होंगे।

सिचांई विभाग के अधिकारी की लापरवाही के कारण किसान परेशान है-रेखलाल पटले

ग्रामीण रेखलाल पटले ने बताया कि नहर की जर्जर स्थिति है पिछले वर्ष भी काम करवाया फिर भी पानी खेतों तक नहीं पहुंचा। ३ वर्ष हो गया है हमें सिंचाई का पानी नहीं मिल रहा है हमारे खेत तरफ दो व्यक्तियों ने स्वयं का साधन करें है उसी के सहारे हम भी है। समस्या हमें बहुत होती है पानी नहीं मिलने से समय पर हम खार और परहा नहीं लगा पाते हैं। देरी हो जाती है पानी नहर में आता नहीं है क्योंकि अनेकों स्थान से या टूट गई है। रास्ते में पानी बह जाता है गांव तक भी नहीं आता है। तीन.तीन एकड़ के दो खेत है दोनों नहर से लगे हुए हैं पर वहां पानी की समस्या है। अमीन को हमने समस्या बताए थे जब वह पैसे लेने आया था १६८ रुपए प्रति एकड़ एक फसल का देना होता है हम चाहते हैं की नहर में सुधार हो। गेहूं की फसल लगाने में हमें बहुत ज्यादा समस्या होती है क्योंकि पानी उस समय नहीं मिलता है।

नहर जर्जर और टूटी.फूटी है पानी नहीं मिलता है-समीर भोयर

ग्रामीण समीर भोयर ने बताया कि मंगेझरी की बड़ी नहर से एक छोटी नहर महाराजपुर के लिए आती है उसे आज तक किसानों को पर्याप्त पानी नहीं मिला है। प्रशासन को शिकायत करने पर वह कहते हैं कि हर साल हम ५ लाख रुपए का काम करवाते हैं परंतु अचंबा है कि आज भी समाधान पूरी तरह नहीं हो पाया है। आज भी नहर जर्जर और टूटी.फूटी है पानी नहीं मिलता है टेल का किसान खेती नहीं कर पाएगा यह स्थिति रहती है। मंगेझरी जहां से पानी आता है वहां पर जो एक मोंगा लगा हुआ है वह हर साल फूट जाता है बनाया आज तक नहीं गया है। मरम्मत की बात हर बार कही जाती है पर पानी की व्यवस्था सुचारू नहीं होती है। किसान को पानी मिले ना मिले पैसा बराबर देना होता है यह बहुत दिक्कत का विषय है।

राम ही मेरा धर्म है

राम सभी रिश्तों का सम्मान करते थे चाहें भाई का हो या सिता माँ या दोस्त सुग्रीव । उन्होंने अपने पिता के सम्मान की रक्षा के लिए स्वेच्छा से 14 वर्ष जंगल में बिताने का निर्णय लिया। इस समय उनके सौतेले भाई लक्ष्मण भी उनके साथ वनवासियों के पास गये। राजा दशरथ की तीन पत्नियाँ और चार पुत्र थे; वे सभी एक दूसरे से बहुत प्यार करते थे। उनका प्रेम इतना पवित्र था कि भले ही वे शारीरिक रूप से अलग थे, लेकिन उनके दिल एक थे। राम के एक अन्य भाई भरत को शक्तिशाली सिंहासन दिया गया था, लेकिन उन्होंने कभी भी स्वयं को राजा नहीं माना। इसके बजाय, उन्होंने राम के घर लौटने की प्रतीक्षा की और उन्हें राज्य लौटा दिया। हम सबके लिए यही सीख है कि हमें हमेशा एक परिवार के रूप में एकजुट रहना चाहिए। एकता के फल हमें सबसे बुरे तूफानों से पार पाने की शक्ति देंगे। हर रिश्ता हमारे लिए लालच, क्रोध और शक्ति से ऊपर उठने का एक अवसर है। यदि हम प्रेम को अन्य सभी चीजों से ऊपर मानेंगे तो जीवन के प्रति हमारा मूल्य और सम्मान स्वत: ही बढ़ जाएगा। इसके अलावा, यह हमारी आत्मा को शुद्ध करता है और हमें अच्छे कर्म के मार्ग पर अग्रसर करता है।

राम बहुत विनम्र और दयालु थे, इसलिए वह सभी के साथ समान व्यवहार करते थे। उन्होंने तुरन्त ही वे फल भी खा लिए जो बेचारी बूढ़ी शबरी ने खाए थे, जिसके पास देने के लिए शुद्ध प्रेम के अलावा कुछ भी नहीं था। इससे हमें यह सीख मिलती है कि हमें सभी से प्रेम करना चाहिए और उनका सम्मान करना चाहिए। जाति, धर्म, रंग या स्थिति के आधार पर किसी के साथ भेदभाव न करें। भगवान राम ने टीमवर्क पर जोर दिया। उनके समूह में बंदर, भालू और मनुष्य शामिल थे, जिससे वे अच्छे योद्धा बन गये। वह एक सुलभ टीम लीडर थे।वर्तमान परिदृश्य में, संस्कृति भ्रष्ट मानसिकता, दुख, असंतोष, तनाव, आंतरिक राजनीति, हितधारकों की ईर्ष्या और अनैतिक व्यवहार से ग्रस्त है। भगवान राम ने धर्म का परित्याग किए बिना किस प्रकार कठिन परिस्थितियों को संभाला,इसमें यह भी बताया गया है कि किस प्रकार उन्होंने एक अच्छे पुत्र, भाई, पति, मित्र, शत्रु और महान शासक के रूप में अपना चरित्र दर्शाया।भारत के लोग उन्हें राजा राम के रूप में पूजते हैं,अपने उत्कृष्ट गुणों के लिए जाने जाते हैं।राम ही मेरा धर्म है शरीर का नाश होना एक दिन तय है अत: मेरे लिए गुरु का त्याग व उनका आशीर्वाद ही मुझे एक अच्छा इंसान बना सकता है आज समाज में जो नैतिक मूल्यों का पतन हो रहा है वो कहीं ना कहीं धर्म को पूर्ण रूप से पालन नहीं करने के कारण हो रहा किसी को दूसरे की चिंता नहीं अपनी चिंता ज्यादा है जब सभी को मालूम है कि हमें किसी भी राजनीति पार्टी पर भरोसा नहीं करनी चाहिए थी वो पहले से ही आतंकवाद का ग? रहा है और अभी नई सरकार भी आई है आप को इसमें किसी की बात ना सुनकर पहले ऐ सोचना जरुरी था क्या वहाँ का माहौल सही में शांत हो गया है डेली न्यूज में तो दिखा रहा है कि रोज जवान मारे जा रहें हैं जम्मू काश्मीर भारत का अभिन्न अंग है ऐ होना ही है लेकिन सिर्फ बरसाती मेढकों की तरह भाषण देने से नहीं बल्कि हिम्मत और ताकत के बल पर ही होगा, जो भगवान राम ने बताया है कि रावण का अंत ताकत और जूनून से किया जो अन्याय के खिलाफ था और इन्ही सबो से प्रेरणा लेकर एक एक से महान गुरू ने संदेश भी दिया कि जीवन में मौत निश्चित है अत: भगवान राम का नाम लेकर मरते हो या कट्टरपंथी गुटों के द्वारा जो धर्म को बदनाम करते हैं।

तंबाकू, नशे का बदलता स्वरूप और आधुनिक दौर की चुनौती

वैश्विक स्तरपर हर वर्ष 31 मई को पूरी दुनियाँ में वर्ल्ड नों टोबैको अर्थात विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है। हर वर्ष इस अवसर पर भाषण होते हैं, शपथ ली जाती है, पोस्टर लगाए जाते हैं और तंबाकू के दुष्परिणामों पर चर्चा होती है।लेकिन एक कड़वा प्रश्न आज हमारे सामने खड़ा है,क्या केवल एक दिन का यह प्रतीकात्मक आयोजन उस भयावह महामारी को रोक सकता है जो प्रतिदिन लाखों लोगों के शरीर में कैंसर, हृदय रोग, स्ट्रोक और फेफड़ों की घातक बीमारियों का जहर घोल रही है? भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में नागरिकता कानून,आरक्षण,भ्रष्टाचार,किसानों की समस्याएं,भाषा विवाद, जल-जंगल-जमीन के प्रश्न, मंडल -कमंडल की राजनीति, जनलोकपाल आंदोलन, महिला सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण, महंगाई, बेरोजगारी और क्षेत्रीय अस्मिता जैसे मुद्दे बड़े जनांदोलनों का रूप ले चुके हैं।सड़कों पर लाखों लोग उतरते हैं,संसद और विधान सभाओं में बहस होती है, सरकारें झुकती हैं और नीतियां बदलती हैं।परंतु मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र इस आर्टिकल का माध्यम से शासन प्रशासन व समाज से पूछना चाहता हूं कि तंबाकू, जो हर वर्ष लाखों परिवारों को उजाड़ देता है, आज भी उतना बड़ा राजनीतिक और सामाजिक आंदोलन क्यों नहीं बन पाया? जब किसी परिवार का कमाने वाला सदस्य तंबाकूजनित कैंसर से मरता है, जब किसी बच्चे का पिता गुटखा या सिगरेट के कारण असमय दुनियाँ छोड़ देता है, जब किसी मां की आंखों के सामने उसका जवान बेटा निकोटीन की लत का शिकार होकर जीवन हार जाता है, तब यह केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं रह जाती,बल्कि यह राष्ट्रीय चिंता का विषय बन जाती है। मेरे अपने एक निकट संबंधी की मृत्यु भी तंबाकूजनित कैंसर के कारण हुई। ऐसे हजारों-लाखों परिवारों का दर्द यह संकेत देता है कि अब तंबाकू निषेध को केवल स्वास्थ्य अभियान नहीं बल्कि एक व्यापक सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक आंदोलन का रूप देने की आवश्यकता है।

साथियों बात अगर हम तंबाकू व नशीली चीजों के खिलाफ बहुत बड़े आंदोलन की करें तो तंबाकू निषेध आंदोलन को इस तरह के आंदोलन सम ?क्ष बनाने की जरूरत है जैसे भारतीय लोकतंत्र का इतिहास इस बात का साक्षी रहा है कि जब किसी मुद्दे को जनआंदोलन का रूप मिला, तब उसने सरकारों की नीतियों,कानूनों और सामाजिक व्यवहार को प्रभावित किया। वर्ष 1974 का जेपी आंदोलन (संपूर्ण क्रांति आंदोलन), वर्ष 1990 का मंडल आयोग आरक्षण आंदोलन 1980 और 1990 के दशक का राम जन्मभूमि आंदोलन,वर्ष 2011 का अन्ना हजारे के नेतृत्व वाला भ्रष्टाचार विरोधी जनलोकपाल आंदोलन, वर्ष 2019- 20 का नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) विरोधी आंदोलन, वर्ष 2020-21 का कृषि कानूनों के विरुद्ध किसान आंदोलन, वर्ष 2015 और उसके बाद विभिन्न राज्यों में हुए पटीदार आरक्षण आंदोलन,जाट आरक्षण आंदोलन, मराठा आरक्षण आंदोलन, गुर्जर आरक्षण आंदोलन तथा हाल के वर्षों में विभिन्न राज्यों में जातीय, सामाजिक और क्षेत्रीय पहचान से जुड़े आंदोलनों ने यह सिद्ध किया है कि संगठित जनदबाव लोकतांत्रिक व्यवस्था में परिवर्तन का महत्वपूर्ण माध्यम बन सकता है।इन आंदोलनों ने न केवल राजनीतिक विमर्श को प्रभावित किया बल्कि सरकारों को अपनी नीतियों पर पुनर्विचार करने के लिए भी बाध्य किया। आज 30 मई 2026 से महाराष्ट्र में शुरू हुआ मनोहर जरॉंगे का मराठा आरक्षण आंदोलन सहित देश के अनेक हिस्सों में सामाजिक, जातीय और आरक्षण से जुड़े आंदोलन लगातार सुर्खियों में हैं, जो यह दर्शाते हैं कि जनता जब किसी विषय को अपने अस्तित्व, अधिकार या भविष्य से जोड़ लेती है तो वह एक विशाल जनशक्ति का रूप धारण कर लेता है। तो फिर तंबाकू व नशीली चीजों के विरुद्ध ऐसा आंदोलन किसी राजनीतिक सामाजिक या व्यक्तिगत संगठन में क्यों नहीं उठाया है यह विचारणीय प्रश्न है?

साथियों, पिछले एक दशक में नशे का स्वरूप तेजी से बदला है। कभी बीड़ी, सिगरेट और तंबाकू की पुड़िया तक सीमित रहने वाला यह कारोबार अब अत्याधुनिक तकनीक के आवरण में युवाओं के सामने प्रस्तुत किया जा रहा है। ई- सिगरेट, वेप्स, निकोटीन पॉइस, फ्लेवर्ड हुक्के, निकोटीन पाउच और विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक धूम्रपान उपकरण आधुनिक जीवनशैली के प्रतीक के रूप में प्रचारित किए जा रहे हैं। तंबाकू उद्योग ने समझ लिया है कि यदि उसे नई पीढ़ी को अपने जाल में फंसाना है तो उत्पाद का स्वरूप बदलना होगा। इसलिए आज कई वेपिंग उपकरण पेन ड्राइव, स्मार्ट गैजेट, इलेक्ट्रॉनिक पेन या स्टाइलिश एक्सेसरी जैसे दिखाई देते हैं। किशोर और युवा इन्हें आधुनिकता, स्वतंत्रता और सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रतीक समझने लगते हैं। चॉकलेट, स्ट्रॉबेरी, ब्लूबेरी, वनीला, मिंट और अन्य आकर्षक फ्लेवर के माध्यम से निकोटीन को मीठे जहर के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है।यह रणनीति केवल व्यापारिकनहीं बल्कि मनोवैज्ञानिक भी है,क्योंकि स्वाद और आकर्षण के माध्यम से लत को आसान बनाया जाता है।

साथियों, सबसे चिंताजनक बात यह है कि इन आधुनिक उत्पादों को अक्सर पारंपरिक सिगरेट से कम हानिकारक बताने का भ्रम फैलाया जाता है।अनेक युवा यह मान लेते हैं कि वेपिंग सुरक्षित है,जबकि वैज्ञानिक अध्ययनों ने संकेत दिया है कि ई-सिगरेट से निकलने वाला एयरोसोल निकोटीन सहित अनेक हानिकारक रसायनों से भरा होता है। निकोटीन स्वयं अत्यधिक नशे की लत पैदा करने वाला पदार्थ है। इसके अतिरिक्त कई उपकरणों में प्रयुक्त धातुओं, रसायनों और अन्य तत्वों के दीर्घकालिक प्रभाव अभी भी शोध का विषय हैं। इसलिए यह कहना कि आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक धूम्रपान पूरी तरह सुरक्षित है, वैज्ञानिक दृष्टि से उचित नहीं होगा।वास्तव में यह नशे का नया मुखौटा है,जिसका उद्देश्य युवाओं को आकर्षित करना और बाजार का विस्तार करना है।तंबाकू और निकोटीन की इस महामारी का सबसे भयावह पक्ष यह है कि इसका शिकार केवल सेवन करने वाला व्यक्ति ही नहीं होता।पैसिव स्मोकिंग या अप्रत्यक्ष धूम्रपान उन लाखों निर्दोष लोगों की जान ले रहा है जिन्होंने कभी सिगरेट या तंबाकू को हाथ तक नहीं लगाया। घरों, कार्यालयों, रेस्तरां, सार्वजनिक स्थलों और वाहनों में छोड़ा गया धुआं आसपास मौजूद लोगों के शरीर में प्रवेश करता है।बच्चों, गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और कमजोर स्वास्थ्य वाले व्यक्तियों पर इसका प्रभाव और भी गंभीर होता है। जब कोई व्यक्ति सार्वजनिक स्थान पर धूम्रपान करता है तो वह केवल अपने स्वास्थ्य को नुकसान नहीं पहुंचाता, बल्कि दूसरों के स्वास्थ्य अधिकारों का भी उल्लंघन करता है। यही कारण है कि पैसिव स्मोकिंग को केवल व्यक्तिगत व्यवहार का प्रश्न नहीं बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और सामाजिक उत्तरदायित्व का विषय माना जाता है। साथियों, कई विशेषज्ञों का मानना है कि पैसिव स्मोकिंग के कारण होने वाली मौतों को केवल दुर्घटना याव्यक्तिगत दुर्भाग्य नहीं कहा जा सकता। यह ऐसी स्थिति है जिसमें निर्दोष लोग दूसरों की आदतों के कारण बीमारी औरमृत्यु का शिकार बनते हैं। धुएं में हजारों प्रकार के रसायन पाए जाते हैं, जिनमें अनेक कैंसरकारी तत्व भी शामिल हैं। यही कारण है कि विश्वभर में सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान प्रतिबंध संबंधी कानून बनाए गए हैं। लेकिन कानून तभी प्रभावी होते हैं जब उनका कठोर और ईमानदार क्रियान्वयन हो। भारत में भी कई स्थानों पर धूम्रपान निषेध के नियम हैं, परंतु उनका पालन अभी भी चुनौती बना हुआ है। साथियों, यह प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण है कि तंबाकू विरोधी संघर्ष आज तक एक बड़े जनांदोलन का रूप क्यों नहीं ले पाया। इसका पहला कारण यह है कि तंबाकू तत्काल मृत्यु नहीं देता। सड़क दुर्घटना,हिंसा या प्राकृतिक आपदा की तरह इसका प्रभाव अचानक दिखाई नहीं देता। यह धीरे-धीरे शरीर को भीतर से नष्ट करता है। कैंसर, हृदय रोग और फेफड़ों की बीमारियां वर्षों में विकसित होती हैं। इसलिए जनता का आक्रोश कभी एक साथ विस्फोटक रूप में सामने नहीं आता। दूसरा कारण तंबाकू उद्योग का विशाल आर्थिक ढांचा है। खेती, उत्पादन, वितरण और कर राजस्व से जुड़े अनेक हित इसमें शामिल रहते हैं। तीसरा कारण सामाजिक स्वीकृति है। कई लोग तंबाकू सेवन को व्यक्तिगत पसंद का विषय मानते हैं, जबकि इसका प्रभाव पूरे समाज पर पड़ता है। चौथा कारण जागरूकता और क्रियान्वयन के बीच की दूरी है। कानून मौजूद हैं, चेतावनियां मौजूद हैं, लेकिन व्यवहार परिवर्तन अपेक्षित स्तर पर नहीं हो पाया है। साथियों, भारत में तंबाकू और अन्य नशे के नियंत्रण की जिम्मेदारी केवल स्वास्थ्य विभाग की नहीं है।इसमेंपुलिस विभाग, राज्य आबकारी विभाग,स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग,शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, नारकोटिक्स नियंत्रण एजेंसियां, स्थानीय निकाय, जिला प्रशासन और विभिन्न नियामक संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। जिस प्रकार अवैध शराब से मौतों के मामलों में कई राज्यों में संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाती रही है, उसी प्रकार तंबाकू नियंत्रण कानूनों के प्रभावी पालन को लेकर भी जवाबदेही तय करने की आवश्यकता महसूस की जाती है। जब किसी क्षेत्र में खुलेआम प्रतिबंधित उत्पाद बिकते हैं,जब स्कूलों के आसपास तंबाकू की बिक्री होती है या जब सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान रोकने के नियम लागू नहीं होते, तब केवल कानून बना देना पर्याप्त नहीं माना जा सकता। प्रभावी निगरानी, नियमित निरीक्षण, जनभागीदारी और उत्तरदायित्व की स्पष्ट व्यवस्था आवश्यक है।

साथियों, आज की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि नई पीढ़ी नशे को आधुनिकता और स्टेटस सिंबल के रूप में देखने लगी है। सोशल मीडिया,फिल्मों, डिजिटल संस्कृति और समूह दबाव के कारण कई किशोर यह मान बैठते हैं कि वेपिंग या धूम्रपान उन्हें अधिक आकर्षक, परिपक्व या आधुनिक बनाता है।वास्तविकता इसके ठीक विपरीत है। चिकित्सा विज्ञान यह संकेत देता है कि निकोटीन की लत मस्तिष्क के विकास को प्रभावित कर सकती है, विशेषकर किशोरावस्था में। कुछ मामलों में ई-सिगरेट से जुड़ी गंभीर फेफड़ों की बीमारियों की भी रिपोर्ट सामने आई हैं, जिन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशेष चिकित्सीय श्रेणियों में अध्ययन किया गया है। यह स्पष्ट है कि आधुनिक नशे का आकर्षक आवरण उसके भीतर छिपे जोखिमों को समाप्त नहीं करता।इसलिए अब आवश्यकता केवल जागरूकता की नहीं बल्कि सामाजिक चेतना के व्यापक पुनर्जागरण की है। स्कूलों और कॉलेजों में नशा विरोधी शिक्षा को अधिक प्रभावी बनाया जाना चाहिए। अभिभावकों को अपने बच्चों के साथ खुलकर संवाद करना होगा।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

राशन व्यवस्था में तकनीकी क्रांति से बदलेगा देश का खाद्य सुरक्षा तंत्र

-कांतिलाल मांडोत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली को आधुनिक और प्रभावी बनाने के लिए लिया गया फैसला देश की खाद्य सुरक्षा व्यवस्था में एक बड़े बदलाव का संकेत है। केंद्र सरकार ने सार्थक पीडीएस योजना को मंजूरी देकर यह स्पष्ट कर दिया है कि आने वाले समय में राशन वितरण व्यवस्था केवल अनाज बांटने तक सीमित नहीं रहेगी बल्कि यह तकनीक पारदर्शिता और जवाबदेही से जुड़ा एक मजबूत डिजिटल नेटवर्क बनने जा रही है। इस योजना के माध्यम से देश के लगभग 80 करोड़ लोगों तक सीधा लाभ पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। सरकार इस योजना पर लगभग 25 हजार 530 करोड़ रुपए खर्च करने जा रही है जो यह दर्शाता है कि गरीब और जरूरतमंद वर्ग तक सही तरीके से राशन पहुंचाने को लेकर केंद्र सरकार कितनी गंभीर है।

भारत में सार्वजनिक वितरण प्रणाली लंबे समय से गरीबों के लिए जीवनरेखा मानी जाती रही है। करोड़ों परिवार हर महीने मिलने वाले राशन पर निर्भर रहते हैं। लेकिन वर्षों से इस व्यवस्था में कई प्रकार की समस्याएं सामने आती रही हैं जिनमें फर्जी राशन कार्ड बिचौलियों की भूमिका वितरण में गड़बड़ी और अनाज की चोरी जैसी शिकायतें प्रमुख रही हैं। कई राज्यों में यह भी देखा गया कि वास्तविक लाभार्थियों तक पूरा राशन नहीं पहुंच पा रहा था जबकि कई अपात्र लोग इसका फायदा उठा रहे थे। ऐसे में केंद्र सरकार ने इस पूरी व्यवस्था को आधुनिक तकनीक से जोड़कर अधिक मजबूत और भरोसेमंद बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। सार्थक पीडीएस योजना का सबसे महत्वपूर्ण पहलू इसका डिजिटल और एआई आधारित ढांचा है। सरकार अब लाभार्थियों के पंजीकरण और सत्यापन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और आधुनिक डिजिटल तकनीकों का उपयोग करेगी। इससे फर्जी राशन कार्डों की पहचान आसान होगी और वास्तविक लाभार्थियों तक राशन पहुंचाने में मदद मिलेगी। डिजिटल तकनीक के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि किसी भी व्यक्ति को दोहरा लाभ न मिले और हर पात्र परिवार को उसका अधिकार समय पर प्राप्त हो सके। यह व्यवस्था पारदर्शिता को बढ़ाने के साथ साथ भ्रष्टाचार और अनियमितताओं पर भी प्रभावी रोक लगाने में सहायक साबित होगी। आज के दौर में तकनीक केवल सुविधा का माध्यम नहीं रह गई है बल्कि प्रशासनिक सुधार का सबसे मजबूत आधार बन चुकी है। बैंकिंग स्वास्थ्य शिक्षा और परिवहन की तरह अब राशन व्यवस्था भी तकनीकी बदलाव के दौर से गुजर रही है। सरकार का प्रयास है कि पीडीएस प्रणाली को पूरी तरह डिजिटल बनाकर इसे अधिक सरल तेज और पारदर्शी बनाया जाए। इससे लाभार्थियों को राशन लेने में कम परेशानी होगी और अधिकारियों के लिए निगरानी करना आसान हो जाएगा। आने वाले समय में लाभार्थियों का पूरा डेटा डिजिटल रूप में सुरक्षित रहेगा जिससे योजनाओं के संचालन में तेजी आएगी। इस योजना का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू राज्यों को मिलने वाली आर्थिक सहायता है। अभी तक भारतीय खाद्य निगम के गोदामों से अनाज को जिलों और राशन दुकानों तक पहुंचाने में राज्य सरकारों को भारी खर्च उठाना पड़ता था। कई राज्यों ने इस संबंध में आर्थिक बोझ की समस्या भी उठाई थी। अब केंद्र सरकार ने इस परिवहन और वितरण व्यवस्था में राज्यों को वित्तीय सहायता देने का निर्णय लिया है। इससे राज्यों को राहत मिलेगी और राशन वितरण व्यवस्था को बेहतर तरीके से संचालित किया जा सकेगा। यह कदम इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि कई बार परिवहन व्यवस्था में देरी या संसाधनों की कमी के कारण राशन समय पर दुकानों तक नहीं पहुंच पाता था। नई व्यवस्था से वितरण प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित और सुचारु बनने की उम्मीद है। राशन डीलरों के कमीशन में बढ़ोतरी का फैसला भी इस योजना का अहम हिस्सा है। देशभर में लाखों राशन डीलर सार्वजनिक वितरण प्रणाली की रीढ़ माने जाते हैं। लंबे समय से वे अपने कमीशन में बढ़ोतरी की मांग कर रहे थे क्योंकि बढ़ती महंगाई और संचालन खर्च के बीच पुराने कमीशन में दुकानों का संचालन कठिन हो रहा था। सरकार ने उनकी मांग को स्वीकार करते हुए कमीशन बढ़ाने का निर्णय लिया है। इससे राशन डीलरों को आर्थिक राहत मिलेगी और वे अधिक जिम्मेदारी तथा ईमानदारी के साथ काम कर सकेंगे। जब किसी व्यवस्था से जुड़े कर्मचारियों और डीलरों को उचित आर्थिक सहयोग मिलता है तो व्यवस्था की गुणवत्ता भी बेहतर होती है। यह योजना केवल प्रशासनिक सुधार नहीं बल्कि सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में भी बड़ा कदम है। भारत जैसे विशाल देश में जहां बड़ी आबादी अभी भी आर्थिक रूप से कमजोर है वहां सस्ती दरों पर मिलने वाला राशन करोड़ों परिवारों के लिए जीवन का आधार है। कोविड महामारी के दौरान देश ने देखा कि मुफ्त राशन योजना ने गरीबों को संकट से बचाने में कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। ऐसे में राशन व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी तथा मजबूत बनाना समय की बड़ी जरूरत थी। सार्थक पीडीएस योजना इसी दिशा में एक व्यापक और दूरदर्शी पहल मानी जा रही है।

सरकार का मानना है कि डिजिटल व्यवस्था लागू होने से भ्रष्टाचार में कमी आएगी और खाद्यान्न की चोरी पर रोक लगेगी। कई बार शिकायतें आती थीं कि लाभार्थियों के नाम पर राशन उठाकर बाजार में बेच दिया जाता था। लेकिन जब पूरी व्यवस्था ऑनलाइन निगरानी से जुड़ जाएगी तब हर चरण की जानकारी रिकॉर्ड में रहेगी। इससे अनाज की आवाजाही से लेकर वितरण तक पूरी प्रक्रिया पर नजर रखी जा सकेगी। पारदर्शिता बढ़ने से जनता का भरोसा भी मजबूत होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार तकनीक आधारित प्रशासन पर जोर देते रहे हैं। डिजिटल इंडिया अभियान के माध्यम से सरकार पहले ही कई सेवाओं को ऑनलाइन कर चुकी है। अब राशन व्यवस्था को भी इसी दिशा में ले जाने का प्रयास हो रहा है। इससे गांवों और दूरदराज क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को भी बेहतर सुविधा मिल सकेगी। आने वाले वर्षों में यह योजना देश की सबसे आधुनिक और प्रभावी सार्वजनिक वितरण प्रणाली के रूप में विकसित हो सकती है।

कैबिनेट बैठक में देश में पड़ रही भीषण गर्मी और लू की स्थिति पर भी चर्चा की गई। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि प्रधानमंत्री ने सभी मंत्रालयों और विभागों को पूरी गंभीरता और राष्ट्रहित की भावना के साथ काम करने के निर्देश दिए हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि सरकार केवल योजनाएं बनाने तक सीमित नहीं रहना चाहती बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर भी विशेष ध्यान दे रही है।

सार्थक पीडीएस योजना का उद्देश्य केवल राशन बांटना नहीं बल्कि गरीबों को सम्मान और सुरक्षा प्रदान करना भी है। जब किसी जरूरतमंद परिवार को बिना परेशानी समय पर राशन मिलता है तो उसका भरोसा शासन व्यवस्था पर मजबूत होता है। तकनीक आधारित यह नई व्यवस्था आने वाले समय में गरीब कल्याण योजनाओं के लिए एक आदर्श मॉडल बन सकती है। सरकार का यह कदम देश के खाद्य सुरक्षा व्यवस्था को नई दिशा देने वाला माना जा रहा है जहां पारदर्शिता जवाबदेही और आधुनिक तकनीक मिलकर करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का काम करेंगी।

त्रिभाषा फार्मूला है भारत की शिक्षा का नया क्षितिज

भारत केवल एक राष्ट्र नहीं, बल्कि भाषाओं, बोलियों, संस्कृतियों और परंपराओं का विराट संगम है। यहां भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि पहचान, संस्कृति, संवेदना और सामाजिक चेतना का आधार भी है। ऐसे बहुभाषी देश में शिक्षा व्यवस्था को किस भाषा में संचालित किया जाए और बच्चों को कौन-कौन सी भाषाएं पढ़ाई जाएं, यह प्रश्न लंबे समय से बहस और राजनीति का विषय रहा है। इसी संदर्भ में 卐त्रिभाषा फार्मूला卐 भारतीय शिक्षा व्यवस्था की एक महत्वपूर्ण अवधारणा के रूप में सामने आया। आज नई शिक्षा नीति-2020 और सीबीएसई के ताजा निर्णय ने इसे नए स्वरूप में पुन: प्रासंगिक बना दिया है। नौवीं कक्षा में दो भारतीय भाषाओं को अनिवार्य करने का निर्णय केवल एक शैक्षिक सुधार नहीं, बल्कि भारत की भाषाई आत्मा को मजबूत करने का दूरदर्शी प्रयास है। त्रिभाषा फार्मूला मूलत: 1964-66 के कोठारी आयोग की देन है। इसका उद्देश्य था कि भारत के छात्र तीन भाषाएं सीखें- पहली मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा, दूसरी हिंदी या अन्य भारतीय भाषा तथा तीसरी अंग्रेजी। इस व्यवस्था के पीछे भावना यह थी कि देश के विभिन्न भाषाई समुदायों के बीच संवाद, समझ और राष्ट्रीय एकता को बढ़ाया जाए। त्रिभाषा फार्मूला का उद्देश्य ही था कि उत्तर भारत के बच्चे दक्षिण भारत की कोई भाषा सीखें और दक्षिण भारत के विद्यार्थी हिंदी से परिचित हों। किंतु दुर्भाग्य से यह नीति अपने मूल उद्देश्य के अनुरूप सफल नहीं हो सकी। इस असफलता के पीछे सबसे बड़ा कारण राजनीतिक विवाद और भाषाई असंतुलन रहा। विशेषकर दक्षिण भारत, खासकर तमिलनाडु में इसे 卐हिंदी थोपने卐 के प्रयास के रूप में देखा गया। वहां यह भावना बनी कि केंद्र सरकार हिंदी को राष्ट्रभाषा के नाम पर क्षेत्रीय भाषाओं पर वर्चस्व दिलाना चाहती है। दूसरी ओर उत्तर भारत ने भी त्रिभाषा फार्मूले की आत्मा को गंभीरता से नहीं अपनाया। यहां अधिकांश राज्यों ने तीसरी भाषा के रूप में किसी दक्षिण भारतीय भाषा को अपनाने के बजाय संस्कृत को शामिल कर औपचारिकता पूरी कर ली। परिणाम यह हुआ कि जिस पारस्परिक भाषाई संवाद एवं सौहार्द की कल्पना की गई थी, वह विकसित नहीं हो सका। आज भी स्थिति यह है कि उत्तर भारत के अधिकांश निजी विद्यालयों में बच्चों को अंग्रेजी के साथ फ्रेंच, जर्मन, स्पेनिश और जापानी जैसी विदेशी भाषाएं पढ़ाई जाती हैं, लेकिन भारतीय भाषाओं की उपेक्षा की जाती है। कई प्रतिष्ठित स्कूलों में हिंदी तक को गौण बना दिया गया है। यह विडंबना ही है कि विदेशी भाषाएं आधुनिकता और प्रतिष्ठा का प्रतीक मानी जाती हैं, जबकि अपनी मातृभाषा या भारतीय भाषाएं अतिरिक्त बोझ बताई जाती हैं। यह मानसिकता भारतीय भाषाओं के प्रति हीनभावना को दर्शाती है। आश्चर्य है कि दो-तीन विदेशी भाषाएं पढ़ना अभिभावकों को अपने बच्चों पर अतिरिक्त बोझ नहीं लगता, लेकिन अपनी मातृभाषा और भारतीय भाषाएं सीखने के नाम पर वे सड़कों पर उतरने के लिए तैयार हैं। यह अनुचित है। सरकार को किसी भी हालत में झुकना नहीं चाहिए। त्रिभाषा फार्मूला भारतीय भाषाओं विशेषत: हिंदी को प्रोत्साहन देने की दृष्टि से अत्यंत उपयोगी और प्रासंगिक है। यह केवल भाषा सीखने की नीति नहीं, बल्कि भारत की भाषाई एकता और सांस्कृतिक सौहार्द को मजबूत करने का माध्यम है। इस व्यवस्था से उत्तर भारत के विद्यार्थी दक्षिण भारतीय भाषाओं से परिचित होंगे और दक्षिण भारत के विद्यार्थी हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं को समझ सकेंगे, जिससे भाषाई दूरी और क्षेत्रीय संकीर्णता कम होगी। साथ ही मातृभाषा आधारित शिक्षा बच्चों की समझ, संवेदनशीलता और अभिव्यक्ति क्षमता को भी विकसित करती है। आज वैश्वीकरण के दौर में विदेशी भाषाओं का ज्ञान उपयोगी अवश्य है, लेकिन अपनी भाषाओं की उपेक्षा किसी भी राष्ट्र के सांस्कृतिक आत्मविश्वास को कमजोर करती है। इसलिए त्रिभाषा फार्मूला भारतीय भाषाओं को सम्मान देने, हिंदी को संपर्क भाषा के रूप में मजबूत बनाने तथा भारत की बहुभाषी सांस्कृतिक चेतना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक दूरदर्शी और आवश्यक पहल है। सीबीएसई और केंद्र सरकार का ताजा निर्णय इसी मानसिकता को बदलने का प्रयास है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत यह स्पष्ट किया गया है कि बच्चों द्वारा चुनी गई तीन भाषाओं में कम-से-कम दो भारतीय भाषाएं होंगी। यह व्यवस्था किसी भाषा को थोपने की नहीं, बल्कि भारतीय भाषाओं को सम्मान और अवसर देने की नीति है। नई शिक्षा नीति का सबसे सकारात्मक पक्ष इसका लचीलापन है। इसमें किसी राज्य या विद्यार्थी पर कोई विशेष भाषा अनिवार्य नहीं की गई। छात्र अपनी रुचि और क्षेत्रीय आवश्यकता के अनुसार भाषा चुन सकते हैं। यह दृष्टिकोण पहले की तुलना में अधिक व्यावहारिक और लोकतांत्रिक है। त्रिभाषा फार्मूले की सबसे बड़ी उपयोगिता राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक समन्वय में दिखाई देती है। भाषा मनुष्य को केवल शब्द नहीं देती, बल्कि सोचने का तरीका, संस्कृति का बोध और समाज की संवेदनाएं भी प्रदान करती है। जब उत्तर भारत का छात्र तमिल, तेलुगु, मलयालम या कन्नड़ सीखेगा और दक्षिण भारत का छात्र हिंदी या अन्य उत्तर भारतीय भाषाओं को समझेगा, तब दोनों के बीच मानसिक दूरी स्वत: कम होगी। इससे भाषाई वैमनस्य और क्षेत्रीय संकीर्णता कमजोर होगी। भारत की विविधता को समझने और स्वीकारने की दृष्टि विकसित होगी। इसके अतिरिक्त बहुभाषी शिक्षा बच्चों के बौद्धिक विकास के लिए भी लाभकारी मानी गई है।

यूनेस्को सहित अनेक अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की रिपोर्टें बताती हैं कि बहुभाषी बच्चे अधिक रचनात्मक, विश्लेषणात्मक और संवेदनशील होते हैं। मातृभाषा में प्रारंभिक शिक्षा मिलने से बच्चों की अवधारणात्मक समझ मजबूत होती है और उनका आत्मविश्वास बढ़ता है। यही कारण है कि विकसित देशों जैसे- जापान, चीन, फ्रांस, जर्मनी और रूस ने अपनी शिक्षा और प्रशासन को अपनी भाषाओं में संचालित किया और विज्ञान-तकनीक में अभूतपूर्व प्रगति की। भारत में भी यदि भारतीय भाषाओं को शिक्षा और ज्ञान-विज्ञान का माध्यम बनाया जाए तो शिक्षा अधिक व्यापक और समावेशी बन सकती है। हालांकि त्रिभाषा फार्मूले को लागू करने में कुछ व्यावहारिक चुनौतियां भी हैं। सबसे बड़ी समस्या प्रशिक्षित शिक्षकों की कमी है। यदि उत्तर भारत के स्कूलों में तमिल या तेलुगु पढ़ाई जानी है तो उसके लिए योग्य शिक्षकों और पाठ्य सामग्री की आवश्यकता होगी। इसी प्रकार दक्षिण भारत में हिंदी शिक्षण के लिए पर्याप्त संसाधन चाहिए। दूसरी चुनौती विद्यार्थियों पर अतिरिक्त शैक्षणिक दबाव की है। कई अभिभावकों को आशंका है कि तीन भाषाएं सीखने से बच्चों पर बोझ ब?गा और उनके परीक्षा परिणाम प्रभावित होंगे। लेकिन यह चिंता तब कम हो जाती है जब सरकार स्पष्ट करती है कि तीसरी भाषा का पाठ्यक्रम हल्का होगा, बोर्ड परीक्षा में उसे शामिल नहीं किया जाएगा और उसका मूल्यांकन आंतरिक होगा। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने त्रिभाषा फार्मूले को अधिक लचीले और व्यावहारिक स्वरूप में लागू करने पर बल दिया, ताकि भारत की भाषाई विविधता को सम्मान मिले और विद्यार्थियों में बहुभाषी क्षमता विकसित हो।' भारत में करोड़ों लोग रोजगार, व्यवसाय और सामाजिक संपर्क के कारण स्वाभाविक रूप से अनेक भाषाएं सीख लेते हैं। इसलिए भारतीय भाषाओं को बोझ बताना उचित नहीं कहा जा सकता।

नई शिक्षा नीति का यह प्रयास इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह भारतीय भाषाओं को पुन: सम्मान देने की दिशा में कदम है। लंबे समय तक अंग्रेजी को आधुनिकता और सफलता का पर्याय मान लिया गया। परिणामस्वरूप भारतीय भाषाओं में ज्ञान-सृजन और उच्च शिक्षा का विकास बाधित हुआ। यह भी आवश्यक है कि त्रिभाषा फार्मूले को राजनीतिक विवाद का विषय न बनाया जाए। भाषा किसी पर थोपने की वस्तु नहीं, बल्कि जोड़ने का माध्यम होनी चाहिए। यह नीति तभी सफल होगी जब इसमें पारस्परिकता, संवेदनशीलता और संतुलन रहेगा। अंतत: कहा जा सकता है कि त्रिभाषा फार्मूला केवल भाषा शिक्षण की नीति नहीं, बल्कि भारतीय बहुलता को एकसूत्र में पिरोने का राष्ट्रीय अभियान है। नई शिक्षा नीति-2020 ने इसे अधिक लचीला, व्यावहारिक और समावेशी बनाकर नई आशा जगाई है। यदि इसे ईमानदारी, दूरदृष्टि और संतुलन के साथ लागू किया जाए तो यह भारत को भाषाई संघर्षों से निकालकर सांस्कृतिक समन्वय, राष्ट्रीय एकता और ज्ञान-समृद्धि की नई दिशा दे सकता है। भारतीय भाषाओं को सम्मान देना दरअसल भारत की आत्मा को सम्मान देना है।

- ललित गर्ग

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। पड़तल ऊँची जाने से किराना जिंसों में शक्कर बाजार जोरदार तेजी पर रहे। खोपरा गोला मजबूती पर देखा गया। खाद्य तेलों में व्यापार की मात्रा कम ही रही। तिलहनों में सोयाबीन मजबूत रहा। दलहनों में टिकाव रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार शक्कर में पड़तल ऊँची जाने से भावों में तेजी रही। खोपरा गोला व नारियल में बाजार मजबूत रहे। खाद्य तेलों में व्यापार सामान्य ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन मजबूती पर रहा। दलहनों में टिकाव बना रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4240-4320, खोपरा गोला 370-415, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-745, मीनी मटरदाना 770-785, मटरदाना 800-815, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1150-1350, दालचीनी 245-260, जायफल 815-880, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाड़ा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 525-550, काजू (240) 880-925, काजू (320) 950-1000, काजू डब्ल्यू (300) 790-810, काजू जे.एच. 820-840, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 760-800, अमेरिकन 825-950, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडि?यम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2200-2250, (160) 2500-2550, (200) 2300-2350, (250) 2600-2650

तेल- सींगदाना 1630-1650, मुम्बई 1650, राजकोट तेलिया 2550, सोया साल्वेंट 1420-1425, सोया रिफाइंड 1480-1490, कपास्या 1500-1510, धूलिया 1520, कड़ी 1520,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1575, मुम्बई पाम 1490, मुम्बई सोया 1520,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2525, देवास-उज्जैन 2525, खंडवा-बुरहानपुर 2500, अकोला 3900 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8000-8300, रायडा 6800-7200, सोयाबीन 7200, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6200-6250, एवरेज 6000-6050, विशाल 6100-6200, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7600-8700, काबूली चना रशियन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6100-6200, एवरेज 5900-6000, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7300-7350, मूंग पुराना बोल्ड 7800-8000, मीडियम 7600-7800, एवरेज 7000-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7700-7800, एवरेज 7200-7300, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7500-7600, उड़द बेस्ट 8600-8700, एवरेज 7000-8000, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2450-2475, लोकवन एवरेज 2600-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2450-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 2050-2100, बेस्ट 1850-1900,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोंहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 280 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। शनिवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार सुस्ती के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 253000, चाँदी (99) 252800, टंच 252100, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 151000,

आरबीआई की विदेशी मुद्रा आय में रिकॉर्ड उछाल, पहुंचा 1.69 लाख करोड़

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने वित्त वर्ष 2025-26 में विदेशी मुद्रा लेनदेन से अपनी आय में जबरदस्त वृद्धि दर्ज की है, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में करीब 52 प्रतिशत बढ़कर 1.69 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई। यह केंद्रीय बैंक के वित्तीय स्वास्थ्य में उल्लेखनीय सुधार का संकेत है। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में विदेशी मुद्रा लेनदेन से आरबीआई की आय 1.11 लाख करोड़ रुपये थी, जिसमें वित्त वर्ष 2025-26 में बड़ा उछाल देखा गया। इस अवधि में, आरबीआई का कुल बहीखाता आकार भी 15.72 लाख करोड़ रुपये बढ़कर रिकॉर्ड 91.97 लाख करोड़ रुपये हो गया। संपत्ति पक्ष पर यह वृद्धि मुख्य रूप से घरेलू निवेश (44.9त्न), स्वर्ण भंडार (63.8 फीसदी) और विदेशी निवेश (7.9 फीसदी) में हुई बढ़ोतरी के कारण दर्ज की गई।

शेयर बाजार ने रिकॉर्ड उछाल से जोरदार गिरावट तक का तय किया सफर

मुंबई। एजेंसी। बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों को एक अप्रत्याशित यात्रा का अनुभव हुआ, जो एक मजबूत शुरुआत के साथ शुरू होकर भारी गिरावट के साथ समाप्त हुई। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को वैश्विक बाजारों से मिले मजबूत संकेतों, अमेरिका-ईरान वार्ता की उम्मीदों और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के चलते शानदार तेजी के साथ हुई थी। हालांकि, यह उत्साह अल्पकालिक साबित हुआ, क्योंकि भू-राजनीतिक तनावों ने बाजार का रुख पूरी तरह बदल दिया। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार ने रिकॉर्ड तोड़ मजबूती दर्ज की। सेंसेक्स 1,073.61 अंक उछलकर 76,488.96 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 312.40 अंक बढ़कर 24,031.70 पर पहुंच गया। बैंकिंग और ऑटो जैसे प्रमुख क्षेत्रों में खरीदारी ने इस तेजी को बल दिया, वहीं रुपये ने भी डॉलर के मुकाबले 35 पैसे की मजबूती दर्ज की। वैश्विक स्तर पर अमेरिका-ईरान वार्ता की उम्मीदें और कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट इसका मुख्य कारण बनीं। हालांकि, यह सकारात्मक माहौल मंगलवार से बिगड़ना शुरू हो गया। वैश्विक भू-राजनीतिक तनावों और विशेष रूप से ईरान पर अमेरिकी हमलों के प्रभावों की आशंकाओं ने निवेशकों को सतर्क कर दिया। मंगलवार को सेंसेक्स 479.26 अंक और निफ्टी 118.00 अंक की गिरावट के साथ बंद हुए। बुधवार को भी बाजार उतार-चढ़ाव भरा रहा और मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ, सेंसेक्स 141.90 अंक और निफ्टी 6.55 अंक नीचे आए। गुरुवार को ईद के त्योहार के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहा। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार की सुबह बाजार में थोड़ी हरियाली दिखी, लेकिन यह ज्यादा देर टिक नहीं पाई। दिन भर हुई भारी बिकवाली के चलते बाजार में तेज गिरावट दर्ज की गई। बीएसई सेंसेक्स 1,092.06 अंक टूटकर 74,775.74 पर बंद हुआ, जबकि एनएसई निफ्टी 359.41 अंक गिरकर 23,547.75 के स्तर पर आ गया। इस गिरावट के साथ निफ्टी ने 23,600 और 23,550 जैसे महत्वपूर्ण स्तरों को भी तोड़ दिया, जिससे निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ा।

सरकारी तेल कंपनियों को 30 दिन का एलपीजी बैकअप रखने का आदेश

नई दिल्ली। एजेंसी। पश्चिम एशिया में गहराते तनाव के मद्देनजर भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने में जुट गया है। केंद्र सरकार ने सरकारी तेल कंपनियों को आपात स्थिति से निपटने के लिए कम से कम 30 दिनों का एलपीजी रिजर्व स्टॉक तैयार रखने का आदेश दिया है। इसके साथ ही कच्चे तेल का अतिरिक्त भंडार बनाने पर भी काम जारी है, ताकि किसी भी संकटकाल में देश में गैस या ईंधन की किल्लत न हो। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा जारी इस निर्देश का उद्देश्य देश की ऊर्जा आत्मनिर्भरता को बढ़ाना है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं; फरवरी के 69.01 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर मई में यह 106.83 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई हैं। इस भारी उछाल से भारतीय तेल कंपनियों को प्रतिदिन लगभग 550 करोड़ रुपए का नुकसान हो रहा है, जिसका सीधा परिणाम पिछले 10 दिनों में पेट्रोल और डीजल में करीब 7.5 रुपए प्रति लीटर की वृद्धि के रूप में सामने आया है। वर्तमान में भारत की दैनिक एलपीजी मांग लगभग 72,000 मीट्रिक टन है, जबकि घरेलू रिफाइनरियां प्रतिदिन 52,000 मीट्रिक टन का उत्पादन कर रही हैं। शेष आवश्यकता को पूरा करने के लिए रिफाइनरियों की उत्पादन क्षमता बढ़ाने के प्रयास जारी हैं। उधर, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में बढ़ते तनाव ने भी चिंता बढ़ा दी है, जहाँ भारत के 13 जहाज, जिनमें 1 एलपीजी कैरियर और 5 कच्चे तेल के जहाज शामिल हैं, फंसे हुए हैं। पोत परिवहन मंत्रालय इन जहाजों की सुरक्षित वापसी पर लगातार नजर बनाए हुए है।

आरबीआई की बहीखाते में रिकॉर्ड वृद्धि, डिजिटल रुपये को मिलेगा विस्तार

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने वित्त वर्ष 2025-26 में अपने बहीखाते और विदेशी मुद्रा लेनदेन से होने वाली आय में रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की है। इस शानदार प्रदर्शन के कारण केंद्रीय बैंक ने सरकार को अब तक का सर्वाधिक लाभांश देने की घोषणा की है। साथ ही, आरबीआई देश में केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) के उपयोग को व्यापक बनाने और सीमा पार लेनदेन में इसकी संभावनाओं को तलाशने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। आरबीआई की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में विदेशी मुद्रा लेनदेन से आरबीआई की आय लगभग 52 फीसदी बढ़कर 1.69 लाख करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वर्ष 1.11 लाख करोड़ रुपये थी। इस दौरान आरबीआई का कुल बहीखाता 15.72 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि के साथ 91.97 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। बैंक का सरप्लस भी 6.7त्न बढ़कर 2,86,588.46 करोड़ रुपये रहा। संपत्तियों में यह वृद्धि मुख्य रूप से घरेलू निवेश (44.9 फीसदी), स्वर्ण भंडार (63.8 फीसदी) और विदेशी निवेश (7.9 फीसदी) में बढ़ोतरी के कारण हुई है। आरबीआई इस वित्त वर्ष में डिजिटल रुपये को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) योजनाओं और घरेलू खुदरा क्षेत्र में लागू करने की तैयारी में है। केंद्रीय बैंक सीमा पार लेनदेन में भी सीबीडीसी के उपयोग की संभावनाओं को तलाश रहा है, जिसके लिए सिंगापुर और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों के केंद्रीय बैंकों के साथ बातचीत जारी है। आरबीआई बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स की बहुपक्षीय पहलों का भी हिस्सा है, जिसका उद्देश्य सीबीडीसी के माध्यम से सीमा पार भुगतान को अधिक प्रभावी बनाना है।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन थोड़ा भागदौड़ और जिम्मेदारियों से भरा रह सकता है। काम का दबाव आपको बेचैन कर सकता है, लेकिन अगर धैर्य और समझदारी से आगे बढ़ेंगे तो हर मुश्किल आसान लगने लगेगी। ऑफिस में बॉस की बातों को हल्के में लेना ठीक नहीं रहेगा। बिजनेस में आप कोई बड़ा बदलाव करने का मन बना सकते हैं, जो भविष्य में आपके लिए फायदे का सौदा साबित होगा। जीवनसाथी को नई नौकरी या बेहतर अवसर मिलने से घर में खुशियों का माहौल बनेगा और आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी।

वृषभ- आज का दिन तेजी और व्यस्तता से भरा रहेगा। पुराने अधूरे कामों को पूरा करने में आपका अधिक समय निकल सकता है। संतान से जुड़ी कोई अच्छी खबर, खासकर परीक्षा परिणाम, आपका मन खुश कर सकती है। उनकी पढ़ाई और भविष्य को लेकर आप काफी गंभीर रहेंगे। नौकरी के सिलसिले में अचानक यात्रा करनी पड़ सकती है। पारिवारिक बिजनेस में कुछ रुकावटें आ सकती हैं, इसलिए घर के बड़े और अनुभवी लोगों की सलाह आपके लिए बहुत काम आएगी।

मिथुन- आज आपका दिन संतुलित और सुकून भरा रहेगा। आपकी समझदारी और सही फैसले कई कामों को आसान बना देंगे। समाज या कार्यक्षेत्र में आपको सम्मान मिल सकता है, जिससे आत्मविश्वास बढ़ेगा। स्वादिष्ट भोजन और घर के लिए नई चीजें खरीदने का आनंद भी आज मिलेगा। जीवनसाथी के साथ चल रही दूरी बातचीत से खत्म हो सकती है।

कर्क- आज का दिन आपके लिए कई मायनों में खास साबित हो सकता है। यात्रा या घूमने-फिरने के दौरान कोई ऐसी जानकारी मिल सकती है, जो भविष्य में आपके लिए फायदेमंद साबित होगी। हालांकि अतीत की कोई पुरानी गलती अचानक सामने आ सकती है, इसलिए सतर्क रहें। बिजनेस में उतार-चढ़ाव के बावजूद अंत में अच्छा लाभ मिलने के संकेत हैं। घर के बड़े सदस्यों की सलाह आज आपके लिए सफलता की चाबी बन सकती है।

सिंह- आज सेहत को लेकर थोड़ी सावधानी बरतने की जरूरत है। छोटी परेशानी को नजरअंदाज करना बाद में भारी पड़ सकता है। परिवार का कोई सदस्य नौकरी या करियर के कारण घर से दूर जा सकता है, जिससे भावुकता बढ़ेगी। सरकारी काम जो लंबे समय से अटका हुआ था, उसमें अब गति आने के संकेत हैं। अनुभवी लोगों से मुलाकात आपके लिए मददगार साबित होगी।

कन्या- आज का दिन खुशियों और हल्की-फुल्की मस्ती से भरा रहेगा। पुरानी गलतियों से मिली सीख आपको आज सही दिशा दिखाएगी। यदि कोई कर्ज बाकी है, तो उसे चुकाने की कोशिश तेज होगी। मुश्किल हालात में भी आपका धैर्य ही आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेगा। वाहन से जुड़ी अचानक कोई समस्या खर्च बढ़ा सकती है। जीवनसाथी की ओर से मिला कोई प्यारा सरप्राइज आपका दिन खास बना देगा।

तुला- आज परिवार के साथ आपका तालमेल बेहद शानदार रहेगा। घर में प्रेम, सहयोग और अपनापन महसूस होगा। रोजगार की तलाश कर रहे लोगों को खुशखबरी मिलने के संकेत हैं। आसपास के लोगों से किसी बहस में पड़ने से बचें, क्योंकि छोटी बात बड़ा विवाद बन सकती है। निवेश से जुड़ा कोई नया प्लान सामने आ सकता है, लेकिन जल्दबाजी में पैसा लगाने से बचें।

वृश्चिक- आज खर्चों पर नियंत्रण रखना बेहद जरूरी होगा, क्योंकि फिजूलखर्ची जेब पर भारी पड़ सकती है। जीवनसाथी की भावनाओं को समझना और उनका सम्मान करना रिश्तों को और मजबूत बनाएगा। किसी भी बड़े फैसले को जल्दबाजी में लेने से बचें, वरना बाद में पछताना पड़ सकता है।

धनु- आज घर-परिवार में खुशियों की हलचल बनी रहेगी। किसी मेहमान के आगमन से घर में रौनक बढ़ेगी। परिवार में विवाह या रिश्ते को लेकर बातचीत आगे बढ़ सकती है। घर के बड़े सदस्य हर कदम पर आपका साथ देंगे। यात्रा का प्लान भी बन सकता है, जो आपके लिए ताजगी लेकर आएगा। आप अपनी जिम्मेदारियों को पूरी ईमानदारी से निभाएंगे। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को जल्दबाजी में फैसला लेने से बचना होगा।

मकर- आज आर्थिक मामलों में दिन आपके पक्ष में रहेगा। बिजनेस में फंसा हुआ पैसा वापस मिलने से राहत और खुशी मिलेगी। हालांकि परिवार के किसी सदस्य की बिगड़ती सेहत आपको चिंतित कर सकती है। यदि आपने किसी को उधार दिया है, तो उसके वापस आने में थोड़ा समय लग सकता है।

कुंभ- आज का दिन अच्छा रहेगा, लेकिन सफलता के लिए आपको खुद की मेहनत पर भरोसा रखना होगा। कामों को टालने की आदत बाद में मुश्किलें खड़ी कर सकती है, इसलिए समय रहते उन्हें पूरा करें। किसी से मांगकर वाहन चलाने से बचें। जीवनसाथी की कोई खास इच्छा पूरी करने का मौका मिलेगा, जिससे रिश्तों में मिठास बढ़ेगी। रुका हुआ पैसा वापस मिल सकता है।

मीन- आज लंबे समय से रुके हुए काम आखिरकार पूरे होने की दिशा में बढ़ेंगे। परिवार में किसी नए सदस्य के आने की खुशखबरी माहौल को आनंदमय बना सकती है। अविवाहित लोगों के जीवन में नए रिश्ते की दस्तक हो सकती है। हालांकि परिवार का कोई व्यक्ति आपके खिलाफ गलतफहमी या साजिश पैदा करने की कोशिश कर सकता है, इसलिए सतर्क रहें।

शब्दजाल - 8275

स	म	र	यु	दा	प	र	तू	ग	झ	दो
ज	अ	ल	प	मु	रिं	शो	ना	दि	शा	आं
अं	इ	नु	म	ल	दा	ल	ध	र	ला	खें
ती	कु	दा	रा	धा	ब	क	प	रि	श	बा
स	ति	श	न	धा	क	ब	ठी	ग	वी	र
ठी	रं	ल	प	व	लि	र्त	ऐ	ती	प	ह
क	गा	ल	श	गा	प	म	र्क्रा	की	या	हा
स	बा	अ	र्जा	त	क	छ	प्प	ग	श	थ
म	स	मि	तें	व	न	ज	मृ	शा	जू	द
द	र	ल	श	ह	र	औ	र	स	प	ना
थो	ड़	सा	रु	बा	घ	ब	हा	दु	र	क

शब्द जाल में नेशनल अवार्ड विजेता 10 हिंदी फिल्मों के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

मिर्ज़ा ग़ालिब, दो आंखें बारह हाथ, अनुराधा, शहर और सपना, तीसरी कसम, मृगया, शोध, दामुल, बाघ बहादुर, समर.

शब्दजाल - 8274 का हल

दैनिक पंचांग

31 मई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	06.18 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	कर्क	08.32 बजे से
मंगल	मेष में	सिंह	10.48 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	13.00 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	15.10 बजे से
शुक्र	मिथुन में	वृश्चिक	17.25 ब.से
शनि	मीन में	धनु	19.41 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	21.46 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	23.33 बजे से
		मीन	01.05 बजे से
		मेष	02.36 बजे से
		वृष	04.16 बजे से

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

रविवार 2026 वर्ष का 151 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम ऋतु ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948
मास ज्येष्ठ पक्ष शुक्ल
तिथि पूर्णिमा 14.15 बजे को समाप्त।
नक्षत्र अनुराधा 16.12 बजे को समाप्त।
योग शिव 05.25 बजे प्रातः को समाप्त।
करण बव 14.15 बजे तदनन्तर बालव 03.26 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 14.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 21° 53'
सूर्य उत्तरायण
कलि अहर्गण 1872726
जूलियन दिन 2461191.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्हेज तारीख 14
विशेष अधिक पूर्णिमा, विश्व तम्बाकू निषेध दिवस।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक
चर	07.23 से 08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक	चर	08.41 से 10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक	रोग	10.14 से 11.46 बजे तक
काल	11.46 से 01.14 बजे तक	काल	11.46 से 01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7219

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब ना माना दिल' गीत वाली फिल्म-३
२. कुलभूषण, जावेद, शबाना, नंदिता दास की एक फिल्म-३
३. 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा, रीना राय की फिल्म-४
५. अमिताभ, वहीदा, जीनत की एक फिल्म-३
६. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-३
९. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'उड़ उड़ उड़ उड़ जाये' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'ये कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका पाल की फिल्म-२
११. 'छुपाना भी नहीं आता' गीत वाली फिल्म-४
१२. अजय देवगन, करिश्मा कपूर की फिल्म-४
१३. जीतेंद्र, कमल सदाना, आयशा, दिव्या की 'तेरी मुहब्बत ने दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१६. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
१९. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की फिल्म-३
२०. राजकपूर मीनाकुमारी की 'ऐ चांद जहां वो जाये' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'जैक एण्ड जिल' गीत वाली अजय, उर्मिला की फिल्म-३
२२. 'मैंने प्यार किया' में नायक कौन था-४
२३. 'आँखों में नींदें ना दिल में' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा की फिल्म-३
२७. फिल्म 'नीलकमल' के संगीतकार कौन थे-२
२८. 'दिलवालों के दिल का करार लूटने' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना, शमिता की फिल्म-३
४. 'भंवरे ने खिलाया फूल' गीत वाली ऋषिकपूर, पद्मिनी की फिल्म-४
७. फिरोजखान, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
८. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षय, अमृता राव की फिल्म-३
१०. राजेंद्रकुमार, साधना की 'तुम मेरी हो मेरे सिवा किसी' गीत वाली फिल्म-२,२
१२. 'ऐ सनम इतना बता' गीत वाली जैकी, मिथुन, जूही, दिव्या की फिल्म-४
१५. नाना, शाहरुख, संजय कपूर, करिश्मा की 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१६. 'एहसान तेरा होगा मुझ पर' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा बानो की फिल्म-३
१७. 'बागबान' में अमिताभ की पत्नी ?-२
१८. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देव आनंद, माला सिन्हा की फिल्म-२
१९. ऋषिकपूर, कमल हासन, डिम्पल की 'मरिया ओ मरिया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'आते जाते हुए' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूर, राखी, परवीन की फिल्म-२
२१. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की 'तोरा मन दर्पण' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज हमने दिल' गीत वाली नसीर, अतुलअग्निहोत्री, पूजाभट्ट की फिल्म-२
२४. राहुलराय, पूजा भट्ट की 'जो प्यार कर गये' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'साल के बारह महीने' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
२६. संजीवकुमार, शर्मिला की १९७४ की कृष्णन पंजु निर्देशित एक फिल्म-४
२९. 'पति पत्नी और वो' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
३०. 'क्या चीज है मुहब्बत' गीत वाली सुनील शेट्टी, दिव्या की फिल्म-४

फिल्म वर्ग पहेली- 7218

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः जीवन का रहस्य

राजा सुषेण के मन में कुछ प्रश्न थे, जिनके उत्तर की तलाश में वह एक महात्मा के पास पहुंचे। महात्मा ने कहा, 'अभी मेरे पास समय नहीं है। मुझे अपनी वाटिका बनानी है।' राजा भी उनकी मदद करने में जुट गए। इतने में एक घायल आदमी भागता-भागता आया और गिरकर बेहोश हो गया। महात्मा जी ने उसके घाव पर औषधि लगाई। राजा भी उसकी सेवा में लग गए। जब वह आदमी होश में आया तो राजा को देखकर चौंक उठा। वह राजा से क्षमा मांगने लगा। जब राजा ने इसका कारण पूछा तो उसने बताया कि वह राजा को मारने के इरादे से निकला था, लेकिन सैनिकों ने उसके मंसूबों को भांप लिया और उस पर हमला कर दिया। वह किसी तरह जान बचाकर भागता हुआ इधर पहुंचा है। महात्मा जी के कहने पर राजा ने उसे क्षमा कर दिया। लेकिन तब राजा ने महात्मा से प्रश्न किया, 'मेरे तीन प्रश्न हैं। सबसे उत्तम समय कौन-सा है, सबसे बढ़िया काम कौन सा है और सबसे अच्छा व्यक्ति कौन है।' महात्मा बोले, 'हे राजन, इन तीनों प्रश्नों का उत्तर तो तुमने पा लिया है। फिर भी सुनो। सबसे उत्तम समय है वर्तमान। आज तुमने वर्तमान समय का सदुपयोग करते हुए मेरे काम में हाथ बंटाया और वापस जाने को टाला, जिससे तुम बच गए। अन्यथा वह व्यक्ति बाहर तुम्हारी जान ले सकता था। और जो सामने आ जाए, वही सबसे बढ़िया काम है। आज तुम्हारे सामने बगीचे का कार्य आया और तुम उसमें लग गए। वर्तमान को संवार कर उसका सदुपयोग किया। इसी कर्म ने तुम्हें दुर्घटना से बचाया। और बढ़िया व्यक्ति वह है, जो प्रत्यक्ष हो। उस आदमी के लिए अपने दिल में सद्भाव लाकर तुमने उसकी सेवा की, इससे उसका हृदय परिवर्तित हो गया और तुम्हारे प्रति उसका वैर भाव धुल गया। इस प्रकार तुम्हारे सामने आया व्यक्ति, शास्त्रानुकूल कार्य व वर्तमान समय उत्तम हैं।' जीवन के इस रहस्य को जान कर राजा महात्मा के सामने नतमस्तक हो गए।

सूडोकु नवताल- 7528

★☆☆☆☆ सरल

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7527 का हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

शब्द पहेली - 8743

बाएँ से दाएँ

1. आदत, स्वभाव-4
4. सुरक्षित-4
7. जरुरतमंद-5
9. भीगा हुआ-2
11. मक्का-मदीना की यात्रा-2
12. सोना, धतुरा-3
14. धक्का देना-4
15. खानाबदोश, बंजारा-4
16. अंधेरा, अंधकार-3
18. खामी, बुरी आदत-2
19. ईसाई साध्वी-2
21. नायक का विलोम-5
25. करिश्मा, करामात-4
26. महीन व मंहगे कपड़े का एक प्रकार -4

ऊपर से नीचे

1. अंग्रेज, विदेशी-3
2. लीन, मगन-2
3. पैंदा, तला-2
4. रिश्तेदार-2
5. थूक, लेस-2
6. तहजीब, सलीका-3
8. देह, काया-3
10. टोने-टोटकों वाली किताब-5
11. स्वदेशवासी -5
12. कपड़े की दीवार-3
13. अनुमान, आकलन-3
17. राजी करना-3
18. चश्मा-3
20. अनुकृति-3
21. पत्र, चिट्ठी-2
22. होठ, अधर-2
23. मृत्यु देवता, यमराज-2
24. बीता हुआ दिन-2

शब्द पहेली -8742 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

टेमनी में 357 ट्राली अवैध रेत भंडारण जप्त

सरपंच के घर पैरा के नीचे छुपा कर रखी गई थी 30 ट्राली रेत

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी क्षेत्र में लगातार खबरे प्रकाशित की जा रही थी कि क्षेत्र के अनेको रेत घाटों मे जमकर अवैध रूप से रेत का कारोबार फल फुल रहा है। कुछ ही दिनों पूर्व ग्राम टेमनी में बडे पैमाने पर रेत का कारोबार किये जाने की जानकारी भी प्रकाशित की गई थी जहां 40 से 50 ट्रैक्टर रोजाना रेत का कारोबार कर रहे है। यह जानकारी सामने आ रही थी इन खबरो पर अब मुहर लग चुकी है जहां प्रशासन, पुलिस विभाग एवं खनिज विभाग ने संयुक्त कार्यवाही लांजी जनपद क्षेत्र के ग्राम टेमनी संयुक्त रूप से दबिश देकर लगभग 357 ट्रॉली जप्त कर प्रेस विज्ञप्ति भी जारी की गई है। लांजी क्षेत्र के ग्राम टेमनी में प्रशासन, खनिज विभाग और पुलिस की संयुक्त छापामार कार्रवाई के दौरान अवैध रेत भंडारण का बड़ा मामला सामने आया है। कार्रवाई के दौरान सबसे चौंकाने वाला खुलासा तब हुआ, जब ग्राम टेमनी के सरपंच के घर में धान के पैरा (पुआल) के नीचे छिपाकर रखी गई 30 ट्रॉली रेत बरामद की गई। प्रशासन ने इसे अवैध भंडारण मानते हुए तत्काल जब्त कर लिया। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व लांजी कमलचंद सिंहसार के नेतृत्व में, तहसीलदार लांजी, जिला खनिज अमला, थाना प्रभारी लांजी एवं पुलिस लाइन बालाघाट के बल द्वारा संयुक्त रूप से खनिज रेत के अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध छापामार कार्रवाई की गई। जांच के दौरान ग्राम टेमनी में शासकीय एवं निजी भूमि पर कुल 357 ट्रॉली रेत का अवैध भंडारण पाया गया। कार्रवाई के दौरान ग्राम पंचायत टेमनी के सरपंच के घर में धान के पैरा के नीचे रेत छिपाकर रखी गई थी। मौके पर रेत भंडारण संबंधी कोई वैध अनुमति अथवा रॉयल्टी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर 30 ट्रॉली रेत जब्त कर ग्राम पंचायत टेमनी के ग्राम कोटवार की सुपुर्दगी में सौंप दी गई।

इन घरों से भी की गई रेत जप्त, हुई जप्ती की कार्यवाही

उप संचालक खनिज सुश्री फरहत जहां ने बताया कि ग्राम टेमनी में विभिन्न स्थानों से अवैध रूप से भंडारित रेत जब्त की गई, जिनमें जितेंद्र पिता ज्ञानी सिंह के घर से 7 ट्रॉली, लक्ष्मण पिता टिकनसिंह के घर से 55 ट्रॉली, शैलेन्द्र पिता राधेश्याम के घर से 77 ट्रॉली, अशोक पिता भिवराम के घर से 50 ट्रॉली, रुद्धन पिता सुंदरलाल के घर से 10 ट्रॉली, लक्ष्मण पिता तानूसिंह के घर से 30 ट्रॉली, दौलतराम पिता धानूलाल के घर से 30 ट्रॉली, समीर पिता पुरुषोत्तम के घर से 18 ट्रॉली, महेश पिता लेखराम के घर से 30 ट्रॉली, शैलेन्द्र प्रताप सिंह के घर से 40 ट्रॉली तथा कल्याण पिता केशवराव के घर से 10 ट्रॉली रेत शामिल है। खनिज विभाग के अनुसार जब्त की गई समस्त रेत पर मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण का निवारण) नियम, 2022 के तहत वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। प्रशासनिक अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनन एवं रेत के अवैध भंडारण के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अब देखना होगा महाराष्ट्र से आ रही रेत के डंपर पर कब होती है कार्यवाही

लांजी क्षेत्र में जहां रेत घाटों से अवैध रेत का कारोबार फल फुल रहा है वहीं लांजी क्षेत्र के महाराष्ट्र से लगे हुये ग्रामो में डंपरो के माध्यम से बडे पैमाने पर रेत का अवैध कारोबार फल फुल रहा है। सर्वाधिक कारोबार बहेला थाना क्षेत्र में देखने को मिल रहा है जहां आमगांव क्षेत्र सहित महाराष्ट्र के गल्लाटोला से रोजाना अंधियाटोला होते हुये डंपर आते है। बहेला क्षेत्र के रिसेवाड़ा सहित अनेको ग्रामो में भी रेत डंप करके रखा जाकर अधिक दामों मे बेचा रहा है। इन अवैध रूप से संचालित डंपरो पर भी कार्यवाही की मांग तेज हो रही है।

क्षेत्र के ग्रामों में हुआ नि:शुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। सेवा कार्यो मे हमेशा अग्रणी रहने वाली संस्था महावीर इंटरनेशलन के द्वारा लांजी क्षेत्र के अनेको ग्रामों में 26 मई से लेकर 30 मई तक ग्रामीण जनों की सुविधाओं को देखते हुये नेत्र एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जाकर सैकड़ो लोगो का उपचार करवाया गया। सेवा, प्रेम और शांति का संदेश फैलाना, सबकी सेवा, सबको प्यार' यही महावीर इंटरनेशनल का मूल मंत्र है। महावीर इंटरनेशनल लांजी द्वारा निश्शुल्क नेत्र,स्वास्थ जांच शिविर का आयोजन लांजी, भानेगांव, कुम्हारिकला, बोलेगांव, घोटी, बहेला , साडरा कान्द्रिकला, रिसेवाडा, कारंजा, सभी ग्रामों के मुख्य केन्द्रीत स्थानों पर आयोजित किया गया, साथ ही सेवा कार्य में प्रशिक्षित डॉक्टर कर्मवीर सिंह और सहयोगी अरशद खान, इंद्रकुमार राजा भुते के द्वारा शिविर सम्पन्न किया गया, इस अवसर पर चयनित हुए लोगों

को स्वास्थ मार्गदर्शन लाभ के लिए सम्पूर्ण सहयोग प्रदान किया जाएगा। ,महावीर इंटरनेशनल के जोन चेयरमेन महाकौशल चेयरमैन लांजी केंद्र विशाल राउत खोंगल ने कहा प्राणी मात्र सेवा के लिए समर्पित संस्था, द्वारा महावीर स्वास्थ सेवा केंद्रों के माध्यम उक्त स्वास्थ्य सुविधा स्थानीय लोगों को प्रदान की जा रही है। अब नागरिकों को दूर दूर तक सफर करने की जरूरत नहीं अपने निकटतम सेवा केंद्र में पहुंचकर जांच परामर्श मार्गदर्शन प्राप्त कर सेवा का लाभ ले । मरीजों की सारी सुविधा केंद्र से ही प्रदान की जावेगी।

बहेला - पंचमटोला सीसी सड़क निर्माण की गुणवत्ता को लेकर हो रहा विडियो वायरल

लोक निर्माण विभाग बेखबर

पद्मेश न्यूज। लांजी। मुख्यमंत्री विशिष्ट निधि से स्वीकृत 1 करोड़ 32 लाख 66 हजार रुपये की लागत वाली बहेला से पंचमटोला सीसी सड़क का निर्माण

कार्य शुरू तो विकास की उम्मीदों के साथ हुआ था, लेकिन अब यह सड़क निर्माण अपनी गुणवत्ता से ज्यादा कथित गड़बड़ियों और सवालों को लेकर चर्चा में है। निर्माण स्थल पर पहुंच रहे ग्रामीण खुलकर सड़क की गुणवत्ता पर सवाल उठा रहे हैं। कई ग्रामीणों ने निर्माण कार्य के वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर भी वायरल किए हैं, जिनमें बेस निर्माण को लेकर गंभीर आपत्तियां दर्ज की जा रही हैं। हैरत की बात यह है कि पूरे मामले पर लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) अब तक बेखबर या यूं कहें कि अंजान बना बैठा दिखाई दे रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि एक किलोमीटर लंबी सड़क के लिए करोड़ों रुपये स्वीकृत होने के बावजूद बेस निर्माण में ही जमकर मनमानी की जा रही है। मौके पर डाली जा रही बेस की परत बेहद पतली बताई जा रही है, जबकि बीच-बीच में ईंटों के टुकड़े डालकर निर्माण को मजबूत दिखाने की कोशिश की जा रही है। लोगों का कहना है कि सड़क की बुनियाद ही कमजोर रखी जाएगी तो आने वाले समय में सड़क की हालत क्या होगी, इसका अंदाजा अभी से लगाया जा सकता है। फि लहाल बहेला-पंचमटोला सड़क निर्माण को लेकर गांव में माहौल गर्म है। ग्रामीणों के बीच इस बात को लेकर खासा गुस्सा और बेचैनी है कि जिस सड़क से वर्षों पुरानी आवागमन की परेशानी दूर होने की उम्मीद थी, उसी सड़क के निर्माण में शुरूआती दौर से ही कथित भ्रष्टाचार की गंध आने लगी है। गांव के लोगों का कहना है कि करोड़ों रुपये की परियोजना में यदि बेस निर्माण ही सवालों के घेरे में है तो आगे बनने वाली सीसी सड़क की गुणवत्ता पर भरोसा करना मुश्किल है। ग्रामीणों के अनुसार इस सड़क निर्माण कार्य में पहले ही दो ठेकेदार बदले जा चुके हैं और वर्तमान में तीसरे ठेकेदार द्वारा कार्य कराया जा रहा है। इसके बावजूद निर्माण कार्य को लेकर शिकायतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। ग्रामीणों का कहना है कि ठेकेदार बदलने से यदि गुणवत्ता में सुधार नहीं आता तो फिर बदलाव का उद्देश्य ही क्या रह जाता है। ग्रामीणो ने जहां विभाग को इस मार्ग को लेकर आड़े हाथों लिया है वहीं क्षेत्रीय विधायक से भी निर्माण कार्य को लेकर शिकायतें की गई है। कहा गया है कि आपके द्वारा करोड़ो रूपये इस मार्ग के लिये स्वीकृत किये गये है जिससे निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ है। लेकिन ठेकेदार घटिया निर्माण कार्य कर कार्य पर पलीता लगाने में तुला हुआ है। आप इस निर्माण कार्य को संज्ञान में लेवे तथा अधिकारियो को भी निर्देश जारी करें की समय समय पर निर्माण कार्य का निरीक्षण किया जाये ताकि बहेला पंचमटोला मार्ग का गुणवत्ता पूर्वक निर्माण कार्य हो सके। ग्रामीणों का कहना है कि जब सोशल मीडिया तक निर्माण कार्य के वीडियो पहुंच चुके हैं और गांव में खुलेआम गुणवत्ता को लेकर चर्चा हो रही है तब भी विभागीय अमला मौके पर सक्रिय नजर नहीं आ रहा। इससे विभाग की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े होने लगे हैं। ग्रामीणों ने मांग की है कि वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचकर निर्माण सामग्री और कार्य की तकनीकी जांच कराएं। ग्रामीणों का कहना है की विभाग के अधिकारी सिर्फ शासकीय वाहनों में अपने घर से दफ्तर और दफ्तर से घर के अलावा कहीं नहीं जाते जिसके कारण ठेकेदार और उसके कर्मचारी इस तरह के भ्रष्टाचार को आसानी से अंजाम दे जाते हैं। ग्राम पंचायत बहेला की सरपंच श्रीमती सुनीता अशोक चौरागड़े ने कहा कि सड़क निर्माण की गुणवत्ता को लेकर ग्रामीणों से शिकायतें प्राप्त हुई हैं। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए ठेकेदार को मौके पर बुलाया गया है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि गुणवत्ताहीन निर्माण किसी भी रूप में स्वीकार नहीं किया जाएगा। सड़क निर्माण शासन की महत्वपूर्ण योजना है और इसमें निर्धारित मापदंडों का पालन अनिवार्य है। ठेकेदार को मौके पर बुलाकर आवश्यक हिदायत दी जाएगी तथा कार्य गुणवत्तापूर्ण तरीके से कराने के निर्देश दिए जाएंगे। यदि निर्माण में किसी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता पाई जाती है तो संबंधित विभाग सहित कलेक्टर बालाघाट को शिकायतें की जावेगी।

लाखों का राजस्व प्रदान करने वाले साप्ताहिक बाजार का हाल-बेहाल

बाजार में पानी निकासी को लेकर नगर परिषद बेखबर

पद्मेश न्यूज। लांजी। हर हफ्ते लाखों रुपये राजस्व प्रदान करने वाला साप्ताहिक बाजार लांजी नगर परिषद की लापरवाही का जीता-जागता मिसाल बना है। दावों और फाईलों में विकास की गंगा बहाने वाले अधिकारियों की आंखों पर इस कदर लापरवाह होने का चश्मा चढ़ा है कि उन्हें बाजार परिसर में पसरी बदइंतजामी और गंदगी का यह मंजर दिखाई ही नहीं देता। हालात इस कदर बदतर हो चुके हैं कि जो चबूतरे कभी व्यापारियों और सब्जी विक्रेताओं को सहूलियत देने के लिए बनाए गए थे, वे आज खुद अपनी बदहाली का ढिंढोरा पीट रहे हैं। नगर के सबसे बड़े व्यापारिक केंद्रों में शामिल इस बाजार की हालत देखकर सहज ही सवाल उठता है कि आखिर जनता से वसूले जा रहे शुल्क और कर की रकम खर्च कहां हो रही है? तस्वीरों में साफ दिखाई दे रहा है कि सब्जी विक्रेताओं, ग्रामीण व्यापारियों और अन्य दुकानदारों के लिए बनाए गए पक्के चबूतरे जगह-जगह से जर्जर हो चुके हैं। कई स्थानों पर दरारें उभर आई हैं। बाजार परिसर में अव्यवस्था इस कदर पसरी हुई है कि यह किसी व्यवस्थित व्यापारिक केंद्र की बजाय उपेक्षा के शिकार किसी लावारिसपन का मंजर पेश करता है। सबसे हैरत की बात यह है कि मानसून की दस्तक में अब दो सप्ताह से भी कम समय शेष है, लेकिन बाजार परिसर में जल निकासी की कोई ठोस व्यवस्था नजर नहीं आती। चबूतरों के आसपास की स्थिति देखकर साफ अंदेशा है कि बारिश शुरू होते ही यहां पानी भराव और कीचड़ की गंभीर समस्या खड़ी हो जाएगी। हजारों लोगों की आवाजाही वाले इस परिसर में यदि समय रहते सुधार नहीं किया गया तो व्यापारियों और ग्राहकों दोनों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

हर हफ्ते 10 हजार से ज्यादा

लोगों की आवाजाही

साप्ताहिक बाजार के दिन यहां आसपास के दर्जनों गांवों से किसान, व्यापारी और खरीदार पहुंचते हैं। अनुमानित तौर पर 10 हजार से अधिक लोगों का आना-जाना होता है, लेकिन सुविधाओं के नाम पर स्थिति बेहद निराशाजनक है। पेयजल के लिए मौजूद एकमात्र हैंडपंप भी गंदगी के साये में घिरा हुआ है। उसके आसपास फैली गंदगी और दुर्गंध लोगों को पानी लेने से पहले कई बार सोचने पर मजबूर कर देती है। विडंबना यह भी है कि इसी हैंडपंप के समीप मछली और मटन मार्केट संचालित होता है। ऐसे में स्वच्छता और स्वास्थ्य संबंधी गंभीर प्रश्न खड़े हो रहे हैं। बाजार आने वाले कई लोग इस क्षेत्र में जाने से भी कतराते हैं।

मछली वाहनों का गंदा पानी भी परिसर में.

स्थानीय लोगों के अनुसार मछली कारोबार से जुड़े वाहन बाजार परिसर में ही गंदा और दुर्गंधयुक्त पानी उड़ेल देते हैं। इससे परिसर की स्थिति और अधिक खराब हो जाती है। गर्मी के दिनों में यह बदबू लोगों के लिए अतिरिक्त परेशानी का सबब बनती है। बाजार समाप्त होने के बाद भी हालात नहीं सुधरते। आरोप है कि अगले दिन से लेकर शनिवार तक नगर परिषद के कर्मचारी परिसर की ओर झांकना तक जरूरी नहीं समझते। नतीजा यह है कि चारों तरफ कचरा, गंदगी और अव्यवस्था का आलम बना रहता है। जगह-जगह फैला कूड़ा नगर परिषद की सफाई व्यवस्था पर बड़ा सवालिया निशान खड़ा करता है।

कमाई में दिलचस्पी, सुविधाओं से बेरुखी

जनता के बीच अब यह चर्चा आम हो चली है कि नगर परिषद की दिलचस्पी बाजार से राजस्व वसूली तक सीमित होकर रह गई है। व्यापारियों से शुल्क लिया जाता है, लेकिन बदले में मूलभूत सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं कराई जा रहीं। सड़क, सफाई, जल निकासी, पेयजल और स्वच्छ वातावरण जैसी बुनियादी जरूरतें भी यहां नदारद दिखाई देती हैं। बाजार परिसर की मौजूदा हालत को देखते हुए आवश्यक है कि नगर परिषद मानसून पूर्व विशेष सफाई अभियान चलाए, जल निकासी की समुचित व्यवस्था करे, जर्जर चबूतरों की मरम्मत कराए, मछली-मटन क्षेत्र को व्यवस्थित करे तथा पेयजल और स्वच्छता संबंधी सुविधाओं में तत्काल सुधार लाए। अन्यथा बारिश के दिनों में यह बाजार व्यापार का केंद्र कम और परेशानियों का अड्डा अधिक बन जाएगा।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

राज्यसभा जाने के लिए भाजपा नेताओं में होड़

आधा दर्जन भाजपा नेताओं ने तेज की दिल्ली दौड़, संगठन साधने में जुटे दावेदार

भोपाल। राज्यसभा की 26 सीटों के लिए 18 जून को मतदान होगा। इसी दिन रिजल्ट आने की भी संभावना है। इनमें मप्र की तीन सीटें भी शामिल हैं। भाजपा के कब्जे वाली दो सीटों पर अभी केंद्रीय राज्यमंत्री जॉर्ज कुरियन और डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी सांसद हैं। वहीं, कांग्रेस की एक सीट पर दिग्विजय सिंह दूसरी बार के सांसद हैं। भाजपा की तरफ से उम्मीदवारों के नाम का ऐलान अगले 3-4 दिन में होने की पूरी संभावना है। पार्टी के कई वरिष्ठ नेता दिल्ली में सक्रिय होकर संगठन और केंद्रीय नेतृत्व के सामने अपनी दावेदारी मजबूत करने में जुट गए हैं। पिछले चार दिनों के भीतर आधा दर्जन से अधिक नेताओं ने दिल्ली पहुंचकर वरिष्ठ नेताओं, केंद्रीय मंत्रियों और संघ पदाधिकारियों से मुलाकात की है। इनमें पूर्व मंत्री रामपाल सिंह, अरविंद भदौरिया, लाल सिंह आर्य, डॉ. नरोत्तम मिश्रा और कैलाश विजयवर्गीय जैसे बड़े नाम शामिल हैं।

दावेदार नेताओं का तर्क है कि उन्हें राज्यसभा भेजे जाने से भाजपा को आगामी नगरीय निकाय, त्रिस्तरीय पंचायत और विधानसभा चुनावों में राजनीतिक लाभ मिलेगा। यही कारण है कि जातीय, क्षेत्रीय और संगठनात्मक समीकरणों को आधार बनाकर सभी नेता अपनी-अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं।

रामपाल सिंह ने रखा जनाधार का तर्क

पूर्व मंत्री रामपाल सिंह ने हाल ही में दिल्ली पहुंचकर पार्टी संगठन से जुड़े वरिष्ठ नेताओं और मप्र से आने वाले केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात की। सूत्रों के अनुसार, कुछ केंद्रीय मंत्रियों ने भी उनके नाम की सिफारिश पार्टी हाईकमान से की है। रामपाल सिंह को गैर-विवादित और मजबूत जनाधार वाला नेता बताया जा रहा है। समर्थकों का दावा है कि उनकी पकड़ प्रदेश के कई क्षेत्रों में है और वे संगठन तथा सरकार दोनों में लंबे समय तक सक्रिय भूमिका निभा चुके हैं।

लाल सिंह आर्य के जरिए दलित समीकरण साधने की तैयारी

अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य का नाम भी प्रमुख दावेदारों में शामिल है। बताया जा रहा है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में उनका कार्यकाल पूरा होने की स्थिति में संगठन उन्हें नई जिम्मेदारी दे सकता है। भाजपा दलित वर्ग में अपनी पकड़ और मजबूत करने के लिए उन्हें राज्यसभा भेजने पर विचार कर सकती है। आर्य ने भी दिल्ली में वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात कर अपनी संभावनाओं को लेकर चर्चा की है।

अरविंद भदौरिया के पक्ष में संघ लॉबी सक्रिय

पूर्व सहकारिता मंत्री अरविंद भदौरिया भी लगातार दिल्ली में सक्रिय हैं। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की पृष्ठभूमि से आने वाले भदौरिया को संघ के करीबी नेताओं का समर्थन मिलने की चर्चा है। सूत्रों के मुताबिक, भाजपा की नई राष्ट्रीय टीम में भी उन्हें स्थान मिल सकता है। इसके अलावा पार्टी उन्हें राज्यसभा भेजकर संगठन में बड़ी जिम्मेदारी देने पर भी विचार कर सकती है। दिल्ली में वरिष्ठ नेताओं का एक समूह उनके पक्ष में पैरवी कर रहा है।

डॉ. नरोतम मिश्रा का नाम अब भी मजबूत

कुछ महीने पहले तक पूर्व गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा का नाम राज्यसभा उम्मीदवारों की सूची में सबसे आगे माना जा रहा था। हालांकि दतिया उपचुनाव की संभावनाओं के चलते स्थिति कुछ बदली हुई नजर आ रही है। इसके बावजूद मिश्रा ने पिछले सप्ताह दिल्ली पहुंचकर केंद्रीय मंत्रियों, पार्टी के निर्णयकर्ताओं और संघ से जुड़े नेताओं से मुलाकात की है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यदि मिश्रा स्वयं राज्यसभा जाने की इच्छा जताते हैं तो पार्टी उनके पक्ष में फैसला कर सकती है। हालांकि तब दतिया सीट पर संभावित उपचुनाव को लेकर भाजपा को अलग रणनीति बनानी पड़ेगी।

कैलाश विजयवर्गीय का नाम भी चर्चा में

प्रदेश सरकार के वरिष्ठ मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का नाम भी राज्यसभा की दौड़ में शामिल बताया जा रहा है। हाल ही में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ के बस्तर प्रवास के दौरान विजयवर्गीय से अलग से मुलाकात की थी। उस बैठक के बाद से उनके राज्यसभा जाने की चर्चाएं तेज हो गई हैं। विजयवर्गीय ने भी दिल्ली में पार्टी नेतृत्व से चर्चा की है। माना जा रहा है कि उन्हें भाजपा की नई राष्ट्रीय टीम में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है।

आदिवासी वर्ग से इन नेताओं के नाम

डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी भाजपा का बड़ा आदिवासी चेहरा है। बड़वानी जिले के रहने वाले सोलंकी आदिवासी क्षेत्रों में लंबे समय से संघ का काम करते आ रहे हैं। जीएस डामोर कांग्रेस के दिग्गज नेता कांतिलाल भूरिया के बेटे डॉ. विक्रांत भूरिया को हराकर 2018 में झाबुआ से विधायक बने थे। 2019 में लोकसभा चुनाव लड़े और सांसद चुने गए। राजनीति में आने से पहले जल संसाधन विभाग में चीफ इंजीनियर थे। 2024 के चुनाव में जीएस डामोर का टिकट कट गया था। रंजना बघेल धार जिले के मनावर से 3 बार विधायक रही हैं। वे शिवराज सरकार में महिला बाल विकास विभाग की मंत्री थीं।

तीसरा कैंडिडेट उतारने के मूड में नहीं भाजपा

मप्र कोटे की तीसरी राज्यसभा सीट पर कांग्रेस का कब्जा है। भाजपा फिलहाल इस सीट पर कैंडिडेट उतारने के मूड में नहीं हैं। केंद्रीय नेतृत्व ने भी इस सीट पर उम्मीदवार उतारने को लेकर कोई भी बयानबाजी करने से बचने की सलाह दी है। इधर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने गत दिवस दिल्ली में वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात कर राज्यसभा चुनाव की रणनीति पर चर्चा की। बैठक में इस बात पर विचार-विमर्श हुआ कि भाजपा तीसरी सीट पर अपना उम्मीदवार उतारे या नहीं। प्रदेशाध्यक्ष खंडेलवाल ने राष्ट्रीय नेतृत्व से भी इसी विषय पर विस्तार से चर्चा की है। पार्टी फिलहाल सभी राजनीतिक समीकरणों का आकलन कर अंतिम निर्णय की तैयारी में जुटी हुई है।

भीषण गर्मी ने बदला 5वीं और 8वीं की परीक्षाओं का शेड्यूल

- अब 16 जून से शुरू होगी परीक्षा, नया टाइम-टेबल जारी

भोपाल । प्रदेश में पड़ रही भीषण गर्मी को देखते हुए राज्य शिक्षा केंद्र ने पांचवीं और आठवीं कक्षा की पुन: परीक्षा की तारीखों में बदलाव किया है। अब यह परीक्षाएं 16 जून से 23 जून के बीच आयोजित की जाएंगी। इससे पहले पुन: परीक्षा एक जून से शुरू होने वाली थी, लेकिन लगातार बढ़ते तापमान को देखते हुए परीक्षा कार्यक्रम आगे बढ़ा दिया गया।

वहीं पुन: परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन 24 से 28 जून तक पूरा कराया जाएगा। प्रदेशभर में करीब 1.29 लाख विद्यार्थी पांचवीं और आठवीं की वार्षिक परीक्षा में अनुत्तीर्ण हुए हैं। इसके अलावा वे विद्यार्थी भी इस परीक्षा में शामिल हो सकेंगे, जो किसी कारणवश मुख्य परीक्षा में अनुपस्थित रहे थे। राज्य शिक्षा केंद्र ने नई विस्तृत समय-सारिणी और दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं।

इन शिक्षण संस्थानों में आयोजित होगी परीक्षा

यह पुन: परीक्षा प्रदेश के सभी शासकीय, मान्यता प्राप्त अशासकीय, अनुदान प्राप्त स्कूलों और पंजीकृत मदरसों में आयोजित की जाएगी। शिक्षा विभाग का उद्देश्य विद्यार्थियों को पास होने का एक और अवसर उपलब्ध कराना है, ताकि वे अपनी पढ़ाई जारी रख सकें।

कमजोर छात्रों के लिए विशेष कक्षाओं के निर्देश

राज्य शिक्षा केंद्र ने स्कूलों को निर्देश दिए हैं कि परीक्षा से पहले विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त शिक्षण और विशेष कक्षाओं की व्यवस्था की जाए। कमजोर विद्यार्थियों पर विशेष ध्यान देने और उनकी शंकाओं का समाधान करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

प्रवेश पत्र पोर्टल से होंगे डाउनलोड

पुन: परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थी अपने प्रवेश पत्र राज्य शिक्षा केंद्र के परीक्षा पोर्टल से डाउनलोड कर सकेंगे। शाला प्रमुख, जनशिक्षा केंद्र प्रभारी, बीआरसीसी और डीपीसी के लागिन के माध्यम से प्रवेश पत्र उपलब्ध कराए जाएंगे।

फेल होने पर नहीं मिलेगी प्रोन्नति

राज्य शिक्षा केंद्र ने स्पष्ट किया है कि पुन: परीक्षा में भी यदि विद्यार्थी न्यूनतम 33 प्रतिशत अंक प्राप्त नहीं कर पाए, तो उन्हें अगली कक्षा में प्रवेश नहीं मिलेगा। ऐसे विद्यार्थियों को उसी कक्षा में दोबारा अध्ययन करना होगा।

मप्र के 50 हजार शिक्षकों का फरवरी 2027 तक नहीं होगा ट्रांसफर

- जनगणना ड्यूटी बनी वजह, आदेश जारी

भोपाल। प्रदेश में स्कूल शिक्षा विभाग की स्थानांतरण प्रक्रिया जल्द शुरू होने जा रही है। इसी बीच लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआइ) ने महत्वपूर्ण आदेश जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि जनगणना कार्य में लगे सरकारी स्कूलों के शिक्षकों और कर्मचारियों का स्थानांतरण फरवरी 2027 तक नहीं किया जाएगा। इस संबंध में सभी जिलों के कलेक्टरों और शिक्षा अधिकारियों को निर्देश भेज दिए गए हैं। प्रदेशभर में करीब 50 हजार सरकारी शिक्षक जनगणना कार्य में लगाए गए हैं। भोपाल जिले में लगभग 400 शिक्षक इस कार्य में संलग्न हैं। डीपीआई ने निर्देश दिए हैं कि जिन शिक्षकों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी जनगणना में लगी है, उनकी जानकारी स्कूल शिक्षा विभाग के शिक्षा पोर्टल 3.0 पर अपडेट की जाए। सभी जिलों को एक जून तक जनगणना में लगे कर्मचारियों की सूची पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए गए हैं।

शिक्षक संगठनों ने जताया विरोध

डीपीआई के इस आदेश का शिक्षक संगठनों ने विरोध शुरू कर दिया है। मप्र शासकीय शिक्षक संगठन ने सरकार और स्कूल शिक्षा विभाग से मांग की है कि जनगणना कार्य में लगे शिक्षकों को स्वैच्छिक स्थानांतरण प्रक्रिया से पूरी तरह वंचित न किया जाए। संगठन का कहना है कि कई शिक्षक लंबे समय से पारिवारिक, स्वास्थ्य और प्रशासनिक कारणों से स्थानांतरण की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

पूर्ण रोक लगाना उचित नहीं

संगठन के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष उपेन्द्र कौशल ने कहा कि जनगणना ड्यूटी के आधार पर स्वैच्छिक स्थानांतरण पर पूर्ण रोक लगाना उचित नहीं है। संगठन ने मांग की है कि पात्र शिक्षकों को विशेष अनुमति देकर स्थानांतरण प्रक्रिया में शामिल किया जाए, ताकि जनगणना कार्य और शैक्षणिक व्यवस्था दोनों प्रभावित न हों।

आईएएस-आईएफएस में बढ़ा टकराव

भोपाल। मप्र वन विभाग में पहली बार किसी अधिकारी की वार्षिक गोपनीय चरित्रावली (एसीआर) का विवाद केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (कैट) पहुंच गया है। भारतीय वन सेवा (आईएफएस) के अधिकारी मोहन मीना ने अपनी एसीआर में की गई प्रतिकूल टिप्पणियों को चुनौती देते हुए कैट जबलपुर में याचिका दायर की है। याचिका में अपर मुख्य सचिव वन अशोक वर्णवाल, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक असीम श्रीवास्तव समेत एसीआर लिखने वाले सभी वरिष्ठ अधिकारियों को पक्षकार बनाया गया है। मोहन मीना का आरोप है कि बिना उनका पक्ष सुने और बिना उन्हें सूचित किए उनकी एसीआर में नकारात्मक प्रविष्टि कर दी गई, जो नियमों के खिलाफ है।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट 22 सितंबर 2000 को ही स्पष्ट कर चुका है कि अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक (एडिशनल पीसीसीएफ) स्तर तक के आईएफएस अधिकारियों की एसीआर केवल वन विभाग के वरिष्ठ आईएफएस अधिकारी ही लिखेंगे। आईएएस अधिकारी उनकी एसीआर नहीं लिख सकते। इसके बावजूद राज्य सरकार ने जून 2024 में आदेश जारी कर कलेक्टरों को डीएफओ स्तर के वन अधिकारियों की एसीआर लिखने का अधिकार दे दिया था। इसे सुप्रीम कोर्ट ने अवमाननापूर्ण मानते हुए रद्द कर दिया था। मोहन मीना ने इसी आधार पर कैट में चुनौती दी है।

क्यों अहम है यह मामला?

मप्र हाईकोर्ट पहले ही व्यवस्था दे चुका है कि बिना अधिकारी को बताए एसीआर में की गई प्रतिकूल प्रविष्टि को पदोन्नति के लिए विचार नहीं किया जा सकता। अब कैट में मामला जाने से वन विभाग की पूरी एसीआर प्रक्रिया सवालों के घेरे में आ गई है। यदि कैट मोहन मीना के पक्ष में फैसला देता है तो प्रदेश के सैकड़ों आईएफएस अधिकारियों की एसीआर दोबारा लिखनी पड़ सकती है। इससे आईएएस और आईएफएस के बीच रिपोर्टिंग अथॉरिटी को लेकर चल रहा टकराव और बढ़ने की आशंका है। उल्लेखनीय है कि एसीएस वन अशोक वर्णवाल ने 2025 की अचल संपत्ति रिपोर्ट में लगभग 6.5 करोड़ रुपये की संपत्ति घोषित की है। फिलहाल कैट में मामले की सुनवाई जारी है।

विभाग में बड़ा फेरबदल भी

इस विवाद के बीच वन विभाग में बड़े प्रशासनिक बदलाव भी हुए हैं। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) सुबहरंजन धीमान के 31 अगस्त को सेवानिवृत्त होने के बाद एल। कृष्णमूर्ति अन्नागिरी को पीसीसीएफ विकास का प्रभार दिया गया है। वहीं अजय यादव को बांस मिशन का प्रबंध संचालक और अमित दुबे को ग्रीन इंडिया मिशन का सीईओ बनाया गया है।

नीट पेपर लीक के विरोध में एनएसयूआई का उग्र

भोपाल। नीट परीक्षा में धांधली और पेपर लीक मामले को लेकर भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) ने शुक्रवार को राजधानी भोपाल में प्रदेश कांग्रेस कार्यालय के सामने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। एनएसयूआई के इस प्रदर्शन में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह भी शामिल हुए। इस दौरान पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

दरअसल, नीट पेपर लीक के विरुद्ध प्रदर्शन करते हुए एनएसयूआई और कांग्रेस कार्यकर्ता सीएम हाउस घेराव के लिए निकले थे। पुलिस ने उन्हें रेडक्रॉस चौराहे पर बैरिकेडिंग कर रोक लिया। इस दौरान एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़, प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार समेत कुछ कार्यकर्ता बैरिकेडिंग पर चढ़ गए। स्थिति बिगड़ती देख पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए पांच बार वॉटर कैनन चलाए, इसके बावजूद कार्यकर्ता पीछे हटने को तैयार नहीं हुए।

इसके बाद पुलिस ने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह समेत कांग्रेस पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस उन्हें बस में बिठाकर रातीबड़ थाने ले गई है। इधर, दिग्विजय सिंह की गिरफ्तारी की खबर फैलते ही हस्तु और कांग्रेस कार्यकर्ता आक्रोशित हो गए। उन्होंने प्रदर्शन तेज कर दिया। इस दौरान पुलिस की लाठीचार्ज में प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार समेत कई अन्य घायल हो गए। घायलों को सिद्धांता अस्पताल ले जाया गया है।

पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह के साथ पूर्व मंत्री पीसी शर्मा, पूर्व मंत्री राजकुमार पटेल, सिलवानी विधायक एवं रायसेन जिला अध्यक्ष देवेंद्र पटेल, पूर्व विधायक शैलेंद्र पटेल, विदिशा जिला अध्यक्ष मोहित रघुवंशी सहित बड़ी संख्या में हस्तु एवं कांग्रेस नेताओं की गिरफ्तारी हुई है।

स्कैन करते ही मिलेगी जिलेवार भूजल की स्थिति

भोपाल। केंद्रीय भूजल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) उत्तर मध्य क्षेत्र (एनसीआर) भोपाल द्वारा सात दिवसीय भूजल एक्सपो लगाया गया है। 27 मई से शुरू यह एक्सपो दो जून तक चलेगा। भारत भवन भोपाल में एमपीसीएसटी द्वारा आयोजित सदानीरा- जल, संस्कृति और चेतना का उत्सव कार्यक्रम के तहत अदृश्य खजाना - नीला सोना शीर्षक से भूजल एक्सपो का आयोजन किया जा रहा है।

इसमें भूजल की स्थिति देखने के लिए स्कैनर लगाया गया है। इसे स्कैन करने पर जिलेवार भूजल की स्थिति देखी जा सकती है, ऐसा ही स्कैनर तहसीलवार भी है। बोर्ड के मप्र के क्षेत्रीय निदेशक एके बिस्वाल ने बताया कि यह स्कैनर काफी उपयोगी है। इससे आमजन अपने शहर का भूजल स्तर देख सकेंगे।

वहीं उन्होंने कहा कि इस एक्सपो का उद्देश्य आमजन को पानी के प्रति जागरूक करना है कि हमारे जीवन में पानी का क्या महत्व है। भूजल स्तर गिरने से भविष्य में इसके क्या दुष्परिणाम होंगे, इसे अभी विचार कर भविष्य के लिए हमें तैयार रहना होगा।

दिग्गजों को अल्टीमेटम- एक भी विधायक नहीं बिकना चाहिए'

राज्यसभा चुनाव- क्रॉस वोटिंग के डर से कांग्रेस हाई अलर्ट पर

भोपाल । मध्यप्रदेश में आगामी राज्यसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस आलाकमान इस बार किसी भी तरह का जोखिम लेने के मूड में नहीं है। अन्य राज्यों में क्रॉस वोटिंग और विधायकों की टूट-फूट से मिले झटकों के बाद पार्टी नेतृत्व ने मध्यप्रदेश इकाई पर विशेष नजर रखनी शुरू कर दी है। राज्यसभा की तीसरी सीट को लेकर संभावित राजनीतिक समीकरणों और क्रॉस वोटिंग की आशंकाओं के बीच दिल्ली में लगातार रणनीतिक बैठकों का दौर जारी है। सूत्रों के अनुसार कांग्रेस नेतृत्व ने प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं को स्पष्ट संदेश दिया है कि राज्यसभा चुनाव में पार्टी की सीट हर हाल में सुरक्षित रहनी चाहिए। इसी रणनीति के तहत प्रदेश कांग्रेस के कई प्रमुख नेताओं को दिल्ली तलब किया गया है, जहां उनसे संगठन की स्थिति, विधायकों की एकजुटता और चुनावी तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की जा रही है।

पार्टी सूत्रों के मुताबिक पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अरूण यादव को अचानक दिल्ली बुलाया गया है। वहां उनकी शीर्ष नेतृत्व के साथ महत्वपूर्ण बैठक प्रस्तावित है। इससे पहले पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार भी दिल्ली में पार्टी नेतृत्व से मुलाकात कर चुके हैं। बताया जाता है कि नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार को दो बार दिल्ली बुलाकर विधायकों की स्थिति, संगठनात्मक एकजुटता और संभावित राजनीतिक चुनौतियों पर विस्तृत फीडबैक लिया गया। इससे स्पष्ट है कि कांग्रेस नेतृत्व इस चुनाव को लेकर बेहद गंभीर और सतर्क है। विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार कांग्रेस हाईकमान ने प्रदेश के नेताओं को दोटूक शब्दों में निर्देश दिया है कि चुनाव के दौरान किसी भी विधायक के पाला बदलने या क्रॉस वोटिंग की स्थिति नहीं बननी चाहिए। पार्टी नेतृत्व ने साफ कहा है कि राज्यसभा सीट बचाना सभी नेताओं की सामूहिक जिम्मेदारी है और किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कांग्रेस नेतृत्व को आशंका है कि चुनाव के दौरान विपक्षी दल राजनीतिक प्रबंधन के जरिए समीकरण बदलने का प्रयास कर सकते हैं। इसी कारण विधायकों के साथ लगातार संपर्क बनाए रखने और उनकी गतिविधियों पर नजर रखने की रणनीति अपनाई जा रही है।

दूसरे राज्यों के अनुभव बने चिंता का कारण

कांग्रेस की इस सक्रियता के पीछे हाल के वर्षों में कई राज्यों में हुए राज्यसभा चुनावों के अनुभव भी हैं। पार्टी को बिहार, हरियाणा और ओडिशा जैसे राज्यों में क्रॉस वोटिंग के कारण अपेक्षित परिणाम नहीं मिले थे। कई मामलों में पार्टी उम्मीदवारों को हार का सामना करना पड़ा था, जिससे संगठन की रणनीति और विधायकों की निष्ठा पर सवाल खड़े हुए थे। इन्हीं घटनाओं को ध्यान में रखते हुए मध्यप्रदेश में कांग्रेस कोई जोखिम नहीं लेना चाहती। पार्टी नेतृत्व ने प्रदेश संगठन को हाई अलर्ट पर रखा है और विधायकों से लगातार संवाद बनाए रखने के निर्देश दिए हैं।

भाजपा-कांग्रेस के बीच बढ़ेगी राजनीतिक सक्रियता

राज्यसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आएंगे, प्रदेश की राजनीति में गतिविधियां और तेज होने की संभावना है। दोनों प्रमुख दल अपने-अपने विधायकों को एकजुट रखने और चुनावी गणित साधने में जुटेंगे। कांग्रेस के लिए सबसे बड़ी चुनौती अपने विधायकों को पूरी तरह एकजुट बनाए रखना होगी, जबकि भाजपा भी अपने राजनीतिक समीकरण मजबूत करने की कोशिश करेगी। अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि कांग्रेस आलाकमान की सख्त निगरानी, दिल्ली में चल रही बैठकों और नेताओं की सक्रियता का कितना असर पड़ता है। राज्यसभा चुनाव के नतीजे न केवल राजनीतिक दलों की रणनीति की परीक्षा होंगे, बल्कि प्रदेश कांग्रेस की संगठनात्मक एकजुटता का भी महत्वपूर्ण परीक्षण साबित होंगे।

उज्जैन के आस-पास गांवों में बनेंगे होम स्टे

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार को उज्जैन से रवाना होने से पूर्व अधिकारियों को एक महत्वपूर्ण आदेश दे गए। आदेश ये कि सिंहस्थ से पहले शहर के आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर होम स्टे विकसित किए जाएं। ये होम स्टे, शहर की मुख्य सडक से सटे 30 किलोमीटर परिधि के गांवों में पर्यटन विभाग के सहयोग से तैयार किए जाएं। इसके लिए ग्रामीणों के घरों और उनके खेतों का रचनात्मक उपयोग किया जाए। जिन ग्रामीणों के पास बड़े और खुले घर हैं, उन्हें होम स्टे योजना से जुड़ने के लिए प्रेरित करें। पर्यटन विभाग के माध्यम से इन ग्रामीणों को हर संभव शासकीय व तकनीकी मदद मुहैया कराई जाए।

सिंहस्थ महापर्व के दौरान देश-विदेश से आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं को ठहरने में कोई दिक्कत न हो और उन्हें ग्रामीण परिवेश में बेहद किफायती दरों पर स्वच्छ आवास मिल सके। इसका सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि महापर्व के दौरान आने वाले श्रद्धालु आधुनिक होटलों की भीड़भाड़ से दूर, मालवा के गांवों के स्वच्छ, शांत और पावन वातावरण का आनंद ले सकेंगे। इससे न केवल श्रद्धालुओं को सस्ता और अच्छा ठिकाना मिलेगा, बल्कि स्थानीय ग्रामीणों के लिए स्वरोजगार और आर्थिक उन्नति के नए रास्ते भी खुलेंगे।

इस महत्वाकांक्षी योजना को जमीन पर उतारने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद हो गया है। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देशों का पालन करते हुए जमीनी स्तर पर काम शुरू कर दिया गया है। योजना के पहले चरण में उज्जैन से सटे इंदौर रोड पर स्थित डेंडिया-मेंडिया गांव में 30 होम स्टे यूनिट बनाने की तैयारी की जा रही है। जिन-जिन गांवों से ग्रामीणों के आवेदन प्राप्त होंगे, उन सभी गांवों में होम स्टे तैयार करवाए जाएंगे। सभी होम स्टे की एक विस्तृत सूची तैयार की जाएगी।

2023 में शुरू हुई योजना

उज्जैन शहर में होम स्टे योजना वर्ष 2023 में शुरू हुई थी। योजना अनुसार मप्र पर्यटन बोर्ड उज्जैनवासियों को उनके घर में उपलब्ध अतिरिक्त कमरे किराये पर देकर आय कमाने का सुनहरा अवसर देता है। इसके लिए भवन मालिक को सिर्फ पर्यटन बोर्ड की होम स्टे योजना में पंजीयन कराना होता है। पर्यटन विभाग द्वारा पंजीकृत इकाईयों का प्रचार-प्रसार किया जाता है।

मप्र में बनेगा अनोखा एरियल डिस्टेंस एक्सप्रेस-वे

भोपाल। राजधानी भोपाल से मंदसौर को जोड़ने के लिए एक्सेस कंट्रोल्ड एक्सप्रेस-वे बनाया जाएगा। यह एरियल डिस्टेंस मार्ग होगा, यानी एक रेखा में सीधा व बिना किसी घुमाव, ट्रैफिक या भौगोलिक रुकावट के होगा। नया फोरलेन भोपाल से सीहोर, शाजापुर, आगर, रतलाम जिले से होकर मंदसौर से लगे ग्राम नयाखेड़ा पहुंचेगा। वर्तमान में मंदसौर से भोपाल के लिए उपलब्ध मार्ग 350 किमी तक लंबे हैं, जबकि नया मार्ग 250 किमी का होगा। यानी इन दो शहरों के बीच की यात्रा सीधे 100 किलोमीटर तक कम हो जाएगी। यह नया हाई-स्पीड मार्ग जमीन से आठ से 10 फीट ऊंचाई पर बनाया जाएगा, इसमें बहुत कम मोड़ होंगे और यह पूरी तरह एक्सेस कंट्रोल्ड होगा, यानी इसमें कहीं भी कट नहीं होगा। कहीं से कोई वाहन बीच रास्ते में प्रवेश नहीं कर पाएगा। जहां गांव आएंगे सड़क पार करने के लिए अंडरपास बनाए जाएंगे। जिससे यात्रा का समय काफी कम हो जाएगा तथा पश्चिमी मप्र को राजधानी से सीधी एवं तेज कनेक्टिविटी मिलेगी। भोपाल से मंदसौर के बीच शाजापुर और आगर जैसे शहर पड़ेंगे। इस मार्ग के दोनों ओर औद्योगिक कॉरिडोर भी विकसित किया जाएगा। मप्र सड़क विकास निगम ने निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस मार्ग से यात्रा समय और ईंधन की बचत होने के साथ उद्योग, व्यापार और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। इस फोरलेन का लाभ मप्र के भोपाल से लगे जिलों व मंदसौर-नीमच के साथ राजस्थान के प्रतापगढ़, चित्तौडगढ़, बांसवाड़ा और उदयपुर के यात्रियों को भी मिलेगा। सड़क विकास निगम इस परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) बना रहा है। हाल ही में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के समक्ष इस परियोजना का प्रस्तुतीकरण दिया गया है।

आरसीबी और टाइटंस के बीच आज होगा खिताबी मुकाबला

अहमदाबाद । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गत विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और गुजरात टाइटंस (जीटी) के बीच खिताबी मुकाबला खेला जाएगा। दोनों टीमों ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई है, जिसके चलते करोड़ों क्रिकेट प्रेमियों की निगाहें इस महामुकाबले पर टिकी हुई हैं। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार का फाइनल हाल के वर्षों के सबसे रोमांचक मुकाबलों में से एक साबित हो सकता है।

आरसीबी लगातार दूसरे वर्ष फाइनल में पहुंची है और उसके पास लगातार दूसरी बार चैंपियन बनने का अच्छा अवसर है। कप्तान रजत पाटीदार के नेतृत्व में टीम ने पूरे सत्र में शानदार प्रदर्शन किया है। आरसीबी ने पहले क्वालिफायर में गुजरात टाइटंस को 92 रन के बड़े अंतर से हराकर सीधे फाइनल का टिकट हासिल किया था। उस मुकाबले में रजत पाटीदार की आक्रामक बल्लेबाजी और गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से टीम का मनोबल काफी बढ़ा है। आरसीबी के पास विराट कोहली, फिल सॉल्ट, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा और टिम डेविड जैसे बल्लेबाज हैं किसी भी गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त करने की क्षमता रखते हैं। वहीं ऑलराउंडर क्रुणाल पंड्या और रोमारियो शेफर्ड टीम को संतुलन प्रदान करते हैं। गेंदबाजी में भुवनेश्वर कुमार और जोश हेजलवुड का अनुभव आरसीबी की सबसे बड़ी ताकत माना जा रहा है, जबकि युवा स्पिनर सुयश शर्मा मध्य ओवरों में विकेट निकालने की क्षमता रखते हैं। जिससे टीम खिताब जीतने की प्रबल दावेदार मानी जा रही है।

वहीं दूसरी ओर गुजरात टाइटंस भी किसी मायने में कम नहीं है। कप्तान शुभमन गिल शानदार फॉर्म में हैं और दूसरे क्वालिफायर में उनके शतक ने टीम आसानी से फाइनल में पहुंच गीय। उनके साथ साई सुदर्शन ने भी बेहतरीन बल्लेबा की है। उसे पास जोस बटलर, ग्लेन फिलिप्स जैसे बल्लेबाज मध्यक्रम को मजबूती देते हैं, जबकि राहुल तेवतिया मैच फिनिशर के तौर पर सफल रहे हैं। स्पिन ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर और राशिद खान टीम को अतिरिक्त मजबूती प्रदान करते हैं।

गुजरात की सबसे बड़ी ताकत उसकी गेंदबाजी मानी जा रही है। मोहम्मद सिराज, कगिसो रबाडा और प्रसिद्ध कृष्णा की तेज गेंदबाजी तिकड़ी किसी भी बल्लेबाजी क्रम के लिए परेशान खड़ी कर सकती है। वहीं राशिद खान अपनी फिरकी से मैच का रुख पलटने में सक्षम हैं। अहमदाबाद का मैदान गुजरात का घरेलू मैदान है और यहां टीम का रिकॉर्ड भी शानदार रहा है, जिससे भी उसे हालातों का लाभ मिलेगा।

हालांकि आरसीबी की बल्लेबाजी अधिक अनुभवी और आक्रामक नजर आती है। विराट कोहली का अनुभव, फिल सॉल्ट की तेज शुरुआत और रजत पाटीदार की शानदार फॉर्म टीम के लिए निर्णायक साबित हो सकती है। दूसरी ओर गुजरात की उम्मीदें शुभमन गिल, जोस बटलर, राशिद खान और मोहम्मद सिराज पर टिकी होंगी।

विशेषज्ञों के अनुसार मुकाबले का परिणाम पावरप्ले और डेथ ओवरों के प्रदर्शन पर काफी हद तक निर्भर करेगा। यदि आरसीबी के शीर्ष क्रम ने मजबूत शुरुआत दी तो टीम बड़ा स्कोर खड़ा कर सकती है, जबकि गुजरात के गेंदबाज शुरुआती झटके देकर मैच पर पकड़ बनाने की कोशिश करेंगे। वहीं अगर शुभमन गिल और साई सुदर्शन की जोड़ी लंबी साझेदारी करने में सफल रही तो गुजरात टाइटंस का पलड़ा भारी हो सकता है। कुल मिलाकर दोनों ही टीमें काफी संतुलित दिखाई दे रहा है ऐसे में प्रशंसकों को एक यादगार फाइनल देखने को मिलेगा । आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो ही टीमों के बची 8 मुकाबले हुए हैं। जिसमें दोनो ने ही 4-4 मेच खेले हैं।

दोनो ही टीमों की संभावित अंतिम ग्यारह इस प्रकार हैं।

आरसीबी

रजत पाटीदार (कप्तान), फिल सॉल्ट (विकेटकीपर), विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा, टिम डेविड, क्रुणाल पंड्या, रोमारियो शेफर्ड, भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड, सुयश शर्मा

इम्पैक्ट प्लेयर विकल्प - स्वप्निल सिंह, वेंकटेश अय्यर, रसिख सलाम डार, रिचर्ड ग्लीसन

गुजरात टाइटंस

शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), ग्लेन फिलिप्स, शाहरुख खान, राहुल तेवतिया, वाशिंगटन सुंदर, राशिद खान, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा

इम्पैक्ट प्लेयर विकल्प - साई किशोर, जेसन होल्डर, निशांत सिंधु, अरशद खान।

फ्रेंच ओपन 2026 : 19 साल के फोंसेका ने जोकोविच हो हराकर किया सबसे बड़ा उलटफेर

पेरिस । यहां रोला गैरा में खेले जा रहे फ्रैंच ओपन टेनिस में सबसे बड़ा उलटफेर हुआ है। सर्बिया के टेनिस स्टार और विश्वकप के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को ब्राजील के 19 साल के फोंसेका ने हराकर सनसनी फैला दी। तीन बार के विजेता और रिकॉर्ड 24 ग्रैंड स्लैम विजेता जोकोविच को रोमांचक मुकाबले में फोंसेका ने दो सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 4-6, 4-6, 6-3, 7-5, 7-5 से हराया। इस मैच की शुरुआत में जोकोविच हावी रहे। उन्होंने पहले दो सेट में अपना दबदबा बनाए रखा और फोंसेका को कोई अवसर नहीं दिया। पर इस युवा खिलाड़ी ने तीसरे सेट से मुकाबले का रुख पलट दिया। उन्होंने अपनी रणनीति बदली, आक्रामक खेल दिखाया और अगले तीनों सेट जीतकर सभी को हैरान कर दिया। यह क्ले कोर्ट पर खेले जा रहे टूर्नामेंट में दूसरा सबसे बड़ा उलटफेर है,

जोकोविच से पहले इटली के जैनिक सिनर भी टूर्नामेंट से बाहर हो गये थे।

चौथे सेट में फोंसेका हार से सिर्फ पांच पॉइंट दूर थे। जोकोविच 3-4 पर सर्व करते हुए 15/40 की बढ़त पर थे पर फोंसेका ने उन दो ब्रेक अंक बचाकर वापसी करते हुए सेट जीत लिया और मैच को निर्णायक पांचवें सेट तक खींच ले गए। इसके बाद जोकोविच थके हुए दिखे। निर्णायक सेट में भी उन्होंने 3-1 की शुरुआती बढ़त बना ली पर ब्राजीली खिलाड़ी ने फिर से अपनी वापसी की आदत को जारी रखा और आखिरी आठ में से छह गेम अपने नाम करते हुए एक यादगार जीत दर्ज की।

शुभमन आईपीएल प्लेऑफ में सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बने

मोहाली। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ दूसरे क्वालिफायर मुकाबले में शतकीय पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिलाने के दौरान एक अहम रिकार्ड भी अपने नाम किया है। शुभमन ने अपनी पारी में 47 गेंदों पर ही 100 रन बना दिये। इससे वह आईपीएल प्लेऑफ में सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। इस मैच में 215 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए गिल ने यह मैच विजेता पारी खेली, जिसने गुजरात फाइनल में पहुंची। इस मुकाबले में शुभमन ने 53 गेंदों में 104 रन बनाये। इसमें 15 शानदार चौके और तीन छक्के शामिल थे। यह आईपीएल में शुभमन का कुल पांचवां शतक है, जबकि कप्तान के तौर पर इस लीग में यह उनका दूसरा शतक है। इस दौरान उनकी और साई सुदर्शन के बीच हुई पहले विकेट के लिए 160 रन की साझेदारी हुई। इस शतक के साथ ही शुभमन आईपीएल प्लेऑफ के इतिहास में सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गये। इस प्राकर उन्होंने अपना ही पिछला रिकॉर्ड तोड़ा, जो उन्होंने 2023 सीजन में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 129 रन की पारी के दौरान 49 गेंदों में बनाया था। शुभमन से पहले, रिद्धिमान साहा ने साल 2014 और रजत पाटीदार ने साल 2022 में प्लेऑफ में 49 गेंदों में शतक लगाये थे पर शुभमन ने इस शतक से सबको पीछे छोड़ दिया। शुभमन अब प्लेऑफ मुकाबलों में दो शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी भी बन गए हैं। उनका पहला प्लेऑफ शतक भी 2023 के दूसरे क्वालिफायर में ही आया था। यह गुजरात टाइटंस के लिए भी सबसे तेज आईपीएल शतक है, जिसमें उन्होंने अपने ही 2023 के रिकॉर्ड (49 गेंदों में शतक) को बेहतर किया। एक कप्तान के तौर पर आईपीएल प्लेऑफ में शतक लगाने वाले शुभमन गिल पहले खिलाड़ी हैं। उनकी और साई सुदर्शन की पहले विकेट के लिए 160 रन की रिकॉर्ड-तोड़ साझेदारी ने गुजरात की जीत की राह बनी। इस जोड़ी ने 2011 के फाइनल में माइकल हसी और मुरली विजय द्वारा बनाए गए 159 रन की साझेदारी के रिकॉर्ड को ध्वस्त किया। इसके अलावा, यह टी20 क्रिकेट में दोनों के बीच 11वीं शतकीय साझेदारी थी, जो क्रिस गेल और विराट कोहली के 10 शतकीय साझेदारियों के रिकॉर्ड से आगे निकल गई।

वैभव ऑरेंज कैप, रबाडा पर्पल कैप की दौड़ में सबसे आगे

मोहाली । आईपीएल के 19 वें सत्र का खिताबी मुकाबला रविवार को होने वाला है। इसमें गत विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मुकाबला गुजरात टाइटंस (जीटी) से होगा। अब तक इस सत्र में सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की रेस में राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी सबसे आगे हैं।

वैभव की टीम रॉयल्स भले ही टर्नामेंट से बाहर हो गयी है पर दूसरे क्वालीफार में बनाये 96 रनों के साथ ही उनक अब तक इस सत्र में सबसे अधिक 776 रन हो गये हैं। वैभव के पीछे ऑरेंज कैप की दौड़ में गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने भी कोई कसर नहीं छोड़ी। आरआर के खिलाफ 53 गेंदों में 104 रनों की लाजवाब शतकीय पारी खेलकर उन्होंने अपनी टीम को जीत दिलाई और अब 15 मुकाबलों में 722 रनों के साथ दूसरे पायदान पर हैं। गिल के सलामी जोड़ीदार साई सुदर्शन भी कम नहीं रहे, जिन्होंने 16 मुकाबलों में 710 रन बनाकर तीसरे स्थान पर अपना कब्जा जमाया है। सनराइजर्स हैदराबाद के विस्फोटक विकेटकीपर-बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन 15 मुकाबलों में 624 रनों के साथ चौथे और मुंबई इंडियंस के ईशान किशन 602 रनों के साथ पांचवें नंबर पर मौजूद हैं, जो इस सीजन की बल्लेबाजी की गहराई को दर्शाता है।

दूसरी ओर सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप की दौड़ में गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा नंबर एक पर पहुंच गये हैं।

रबाडा ने दूसरे क्वालीफायर मुकाबले में दो महत्वपूर्ण विकेट लेकर आरसीबी के भुवनेश्वर कुमार को दूसरे नंबर पर धकेल दिया। रबाडा अब कुल 28 विकेटों के साथ शीर्ष पर काबिज हैं। भुवनेश्वर कुमार 15 मुकाबलों में 26 विकेट के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं, जबकि राजस्थान रॉयल्स के घातक तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर 25 विकेट लेकर तीसरे नंबर पर हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के अंशुल कंबोज 14 मुकाबलों में 21 विकेट के साथ चौथे और सनराइजर्स हैदराबाद के युवा गेंदबाज ईशान मलिंगा 20 विकेट लेकर पांचवें पायदान पर हैं।

विनेश फोगाट का एशियन गेम्स 2026 में खेलने का सपना टूटा

नई दिल्ली। भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट का एशियाई खेल 2026 में जगह बनाने का सपना चयन ट्रायल्स के सेमीफाइनल में टूट गया। शनिवार को आयोजित ट्रायल्स में 53 किलोग्राम भार वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले में उन्हें युवा पहलवान मीनाक्षी गोयत ने 6-4 से हराकर बाहर का रास्ता दिखा दिया। इस हार के साथ 31 वर्षीय विनेश एशियाई खेलों की भारतीय टीम में जगह बनाने से चूक गईं। हालांकि, मुकाबले के बाद उन्होंने हार मानने से इनकार करते हुए वापसी का संकल्प जताया।

ट्रायल्स के दौरान विनेश ने शुरुआती मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने पहले ज्योति को 7-1 से हराया। इसके बाद क्वार्टरफाइनल में निशु के खिलाफ मुकाबला काफी रोमांचक और विवादों से भरा रहा।

आईपीएल फाइनल के कारण हवाई किराए आसमान पर, होटलों में बंपर बुकिंग

अहमदाबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र का खिताबी मुकाबला रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मुकाबले में गत विजेता विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) गुजरात टाइटंस के खिलाफ अपना खिताब बरकरार रखने उतरेगी। ऐसे में मुकाबले को लेकर क्रिकेट प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साहत है। प्रशंसकों के उत्साहत के कारण ही यहां की उड़ानों के साथ ही होटलों का किराया भी कई गुना बढ़ गया है। प्रशंसक ऑनलाइन ट्रैवल प्लेटफॉर्म्स पर पुछताछ कर रहे हैं। जहां आयोजन स्थल के आसपास के होटलों और उड़ानों की बुकिंग में रिकॉर्ड उछाल आया है। स्तरां भी इस उत्साह को भुनाने के लिए विभिन्न डील्स, डिस्काउंट्स और लाइव स्क्रीनिंग के जरिये लोगों को लुभा रहे हैं। ऑनलाइन ट्रिप ट्रैवल प्लेटफॉर्म पर उड़ान खोज और अंतिम समय की होटल बुकिंग में नियमित सप्ताहांत यात्रा चक्र की तुलना में दो अंकों की वृद्धि देखी गई है।

ऑनलाइन ट्रैवल प्लेटफॉर्म पर लोग अहमदाबाद से लेकर दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, बेंगलूरु, चेन्नई, हैदराबाद, पुणे और कोलकाता जैसे प्रमुख शहरों से जानकारी मांग रहे हैं। इसी कारण होटल बुकिंग में तेज इजाफा हुआ है और कुल बुकिंग मूल्य में भी शानदार बढ़ोतरी हुई है। यह यात्रियों की मजबूत मांग का संकेत है, क्योंकि लोग उच्च मूल्य वाली श्रेणी और प्रीमियम जगहों का चुनाव कर रहे हैं। फेडरेशन ऑफ एसोसिएशन्स इन इंडियन टूरिज्म ऐंड हॉस्पिटैलिटी (फेथ) के अनुसार, मुंबई-अहमदाबाद हवाई किराये अपने सामान्य स्तर 3,000-5,000 रुपये से बढ़कर करीब 13,000 से 15,000 रुपये तक पहुंच गए हैं। वहीं दिल्ली-अहमदाबाद का किराया भी 4,000-5,000 रुपये से बढ़कर 14,000 रुपये तक जा पहुंचा है। सितारा श्रेणी के होटलों के किराये में 30 से 40 फीसदी की वृद्धि हुई है।

सैम कारण मामले पर बोले संगकारा बीसीसीसी अपने अनुबंध नियमों को कड़ा करे

मुल्लांपुर। राजस्थान रॉयल्स क्रिकेट के टीम के मुख्य कोच कुमार संगकारा ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को अपने अनुबंध नियमों को कड़ा करना चाहिये जिससे कि खिलाड़ी चोटिल होने का बहाना बनाकर लीग न छोड़ें। संगकारा के अनुसार इंग्लैंड के ऑराउंडर सैम करन ने चोट का हलावा देते हुए अंतिम समय में टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया था पर इसके बाद उन्हें काउंटी मैचों में खेलते हुए देखा गया है। ये एक प्रकार से आईपीएल टीम से धोखा है।

संगकारा के अनुसार करन ने जांच में चोट (ग्रोइन इंजरी) का कारण बताकर आईपीएल से नाम वापस ले लिया था। हालांकि, इंग्लैंड लौटने के बाद उन्हें अपनी काउंटी टीम सरे के लिए टी20 ब्लास्ट में तीन मैच खेलते हुए देखा गया, जिससे उनके आईपीएल से हटने के पीछे के कारणों पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। संगकारा ने गुजरात टाइटंस से एलिमिनेटर मुकाबले में हारने के बाद करन के मामले पर निराशा व्यक्त करते हुए कहा, हमें बताया गया था कि करन को एक ऐसी चोट लगी है जिसके कारण वह पूरे सत्र से बाहर हो गए हैं, लेकिन मैंने उन्हें सरे के लिए दो-तीन मैच खेलते हुए देखा है। यह निश्चित रूप से निराशाजनक है। उन्होंने यह भी जोड़ा, हम चाहते थे कि वह हमारे लिए खेलते, लेकिन हमें पहले ही स्थिति की जानकारी दे दी गई थी और हमने उनके स्थान पर दासुन शनाका को शामिल किया।

आईपीएल में विदेशी खिलाड़ियों की उपलब्धता लंबे समय से एक विवादास्पद मुद्दा रही है। इस सत्र में भी, ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख खिलाड़ी मिचेल स्टार्क और पैट कमिंस मामूली फिटनेस समस्याओं का हवाला देते हुए प्रतियोगिता के दूसरे चरण में अपनी-अपनी टीमों से जुड़े थे। पंजाब किंग्स के सह-मालिक मोहित बर्मन ने भी इस मुद्दे पर चिंता व्यक्त करते हुए बीसीसीआई और विदेशी क्रिकेट बोर्डों के बीच बेहतर तालमेल की आवश्यकता पर बल दिया है जिससे खिलाड़ियों की अनुपलब्धता से टीमों के संतुलन पर विपरीत प्रभाव न पड़े। बीसीसीआई पहले ही एक कड़ा नियम लागू कर चुका है, जिसके तहत नीलामी में खरीदे जाने के बाद बिना उचित कारण के आईपीएल से हटने वाले विदेशी खिलाड़ी पर दो वर्ष की पाबंदी लगायी जाएगी।

विदेशी खिलाड़ियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए और कड़े कदम उठाने की जरूरत पर संगकारा ने स्पष्ट किया कि एक स्पष्ट और सख्त नीति हमेशा आवश्यक होती है। हालांकि, उन्होंने गंभीर चोटों के वास्तविक मामलों में खिलाड़ियों की स्थिति को समझने की बात भी मानी। उन्होंने कहा, इस संबंध में सख्त नीति हमेशा आवश्यक होती है।

वैभव के प्रशंसक हुए ललित मोदी, पढ़ाई के लिए स्कोलरशिप देने तैयार

लंदन । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पूर्व अध्यक्ष ललित मोदी 15 साल के वैभव सुर्यवंशी की आक्रामक बल्लेबाजी देखकर हैरान हैं। इसी कारण ललित मोदी ने वैभव को आईपीएल इतिहास का सबसे बेहतरीन खिलाड़ी बताया है। साथ ी कहा कि वैभव की पढ़ाई का पूरा खर्चा उठाने को वह तैयार हैं।

वैभव ने जिस क्रकार एलीमिनेटर और क्वालिफायर 2 में बल्लेबाजी की उससे उनकी क्षमता साबित हुई है। वैभव ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ केवल 47 गेंदों में ही 96 रनों की आक्रामक पारी खेलकर सभी का दिल जीत लिया। इस पारी को देखने के बाद बाद ललित ने सोशल मीडिया पर पोस्ट जारी कर वैभव की जमकर प्रशंसा की है। इसके साथ ही कहा कि वैभव दुनिया भर में जहां भी चाहे पढ़ने जा सकते हैं। उनकी पढ़ाई का खर्चा मैं उठाउंगा। ललित मोदी ने लिखा, आज वैभव सूर्यवंशी भले ही शतक से चार रन दूर रह गए हों, लेकिन मेरी नजर में उन्होंने इससे कहीं बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने पूरे देश को दिखा दिया कि निडर युवा प्रतिभा कैसी होती है। उन्होंने आगे कहा, मैं हमेशा मानता हूं कि खेल सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि अवसर भी पैदा करना चाहिए। इसी सोच के साथ मैं वैभव को पूरी तरह से शैक्षिक स्कॉलरशिप देना चाहता हूं, दुनिया के किसी भी विश्वविद्यालय या कॉलेज में पढ़ने के लिए अगर वह कभी इसे हासिल करना चाहें। मोदी ने स्पष्ट किया कि यह स्कॉलरशिप उनके बनाए गए रनों के लिए नहीं है, बल्कि उनके साहस, विश्वास और उस प्रेरणा के लिए है जो उन्होंने करोड़ों भारतीय युवाओं को दी है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रतिभा को कभी शिक्षा और महानता के बीच चुनाव नहीं करना चाहिए। ललित मोदी ने यह भी बताया कि यह ऑफर हमेशा खुला रहेगा और वैभव अपने जीवन में कभी भी इसे स्वीकार कर सकते हैं।

शुभमन के शतक ने वैभव की मेहनत पर पानी फेरा

मोहाली । आईपीएल के दूसरे क्वालीफायर में गुजरात टाइटंस ने राजस्थान रॉयल्स को सात विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। अब उसका मुकाबला रविवार को फाइनल में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु से होगा। इस मैच में शुभमन गिल का शतक वैभव सूर्यवंशी की 96 रनों की आक्रामक पारी पर भारी पड़ा। गुजरात ने शुभमन की 104 रनों की पारी से 18.4 ओवर में ही जीत के लिए जरुरी रन बना लिए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात टाइटंस को कप्तान शुभमन और सुदर्शन ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए रिकॉर्ड तोड़ 167 बनाये। जिसने राजस्थान के गेंदबाजों पर दबाव बना दिया। शुभमन ने 53 गेंदों पर 104 रनों की पारी खेली। यह कप्तान के तौर पर दूसरा आईपीएल शतक था और वह प्लेऑफ में शतक जड़ने वाले पहले कप्तान भी बन गए। इस पारी के साथ ही वह लीग में सबसे अधिक रनों के मामले में संजू सैमसन के साथ संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर आ गए हैं। वहीं सुदर्शन ने भी 32 गेंदों पर 58 रन बनाये। इसमें 7 चौके और 3 छक्के शामिल थे। इसके बाद वॉशिंगटन सुंदर 16 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। राहुल तेवतिया ने 9 गेंदों पर नाबाद 17 रन बनाकर गुजरात को जीत दिला दी। इसी के साथ ही गुजरात लगातार तीसरी बार फाइनल में पहुंची। राजस्थान की ओर से नंद्रे बर्गर और जोफ्रा आर्चर ने एक-एक विकेट लिए।

वहीं इससे पहले, टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी राजस्थान रॉयल्स ने 20 ओवरों में 6 विकेट के नुकसान पर 214 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के शुरुआत में ही आउट होने के बाद वैभव ने अकेले ही 47 गेंदों पर 8 चौकों और 7 छक्कों की सहायता से 96 रन बनाए, हालांकि वह शतक से चूक गए और कागिसो रबाडा का शिकार बने। मध्यक्रम में ध्रुव जुरेल ने 7 रन और कप्तान रियान पराग ने 11 रन बनाए, जो कुछ खास नहीं कर सके। पारी के अंतिम ओवरों में अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने 35 गेंदों पर नाबाद 45 रनों , वहीं डोनोवन फरेरा ने सिर्फ 11 गेंदों पर 2 चौकों और 4 छक्कों की मदद से नाबाद 38 रन बनाकर टीम को एक अच्छे स्कोर तक पहुंचाया।

सुदर्शन लगातार दूसरी बार हिट विकेट हुए

न्यू चंडीगढ़ । आईपीएल के 19 वें सत्र में गुजरात टाइटंस के बल्लेबाज साई सुदर्शन लगातार दूसर बार हिट विकेट हुए जो एक अनोखा संयोग है। ये पहली बार है जब कोई क्रिकेटर इस प्रकार हिट विकेट हुआ है। सुदर्शन दोनो ही क्वालीफायर में हिट विकेट हुए। क्वालीफायर 2 में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ सुदर्शन से अर्धशतक लगाया पर हिट-विकेट होने के कारण वह आउट हुए। इससे पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ खेले गए क्वालीफायर 1 में भी सुदर्शन हिट विकेट हुए थे।

शुक्रवार को पीसीए स्टेडियम में हुए क्वालीफायर 2 का मुकाबला बेहद रोमांचक रहा, जहाँ गुजरात टाइटंस का सामना राजस्थान रॉयल्स से हुआ। पहले बल्लेबाजी करते हुए, राजस्थान रॉयल्स ने तय समय 20 ओवरों में 6 विकेट के नुकसान पर 214 रन बनाये। इसके बाद 215 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात टाइटंस को कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले ओवर से ही राजस्थान के गेंदबाजों पर दबाव बनाना शुरू कर दिया, मैदान के हर कोने में बाउंड्री बटोरे और रन गति को 10 के पार बनाए रखा। गुजरात ने पावरप्ले का पूरा फायदा उठाया और दसवें ओवर से पहले ही 100 रनों का आंकड़ा पार कर लिया। दोनों बल्लेबाजों ने तेजी से अपने अर्धशतक भी पूरे कर लिए। गिल और सुदर्शन के बीच पहले विकेट के लिए 167 रनों की रिकॉर्डतोड़ साझेदारी हो चुकी थी और गुजरात जीत की तरफ मजबूती से बढ़ रहा था। तभी सुदर्शन एक बार फिर हिट-विकेट हो गए। सुदर्शन के 58 रन पर आउट होने के बाद भी कप्तान शुभमन गिल ने अपना आक्रामक रुख जारी रखा। गिल ने कप्तानी पारी खेलते हुए मात्र 53 गेंदों पर 104 रनों की शतकीय पारी खेली। शुभमन के शानदार शतक की बदौलत गुजरात टाइटंस ने राजस्थान रॉयल्स को सात विकेट से हराकर तीसरी बार फाइनल में जगह बना ली।

जंग की मार, बजट लाचार... ईरान युद्ध से लगातार बढ़ रही महंगाई

महंगाई की मार...रसोई से बाजार तक हाहाकार!

दो महीने में रोजमर्रा के सामान की कीमतों में 3 से 7 फीसदी से ज्यादा का इजाफा, आम लोगों के सामने रोजी-रोटी की समस्या हुई खड़ी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी ईरान युद्ध का असर अब भारत के आम नागरिकों की रसोई और जेब तक पहुंच चुका है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, गैस आपूर्ति पर दबाव और कच्चे माल की लागत में उछाल ने महंगाई को नई रफ्तार दे दी है। नतीजतन पेट्रोल-डीजल, दूध, सीएनजी, बिजली और दैनिक उपयोग की वस्तुओं के दाम लगातार बढ़ रहे हैं, जिससे आम परिवारों का मासिक बजट पूरी तरह से गड़बड़ा गया है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि पश्चिम एशिया में तनाव जल्द समाप्त नहीं हुआ तो आने वाले महीनों में महंगाई का दबाव और बढ़ सकता है। इसका सीधा असर मध्यम वर्ग और निम्न आय वर्ग पर पड़ेगा, जिनकी आय स्थिर है लेकिन खर्च लगातार बढ़ रहे हैं। ईरान युद्ध भले ही हजारों किलोमीटर दूर लड़ा जा रहा हो, लेकिन उसकी आर्थिक आंच भारत के आम परिवारों तक पहुंच चुकी है। बढ़ती महंगाई ने रसोई से लेकर यात्रा और बिजली तक हर खर्च को प्रभावित किया है। यदि वैश्विक हालात जल्द नहीं सुधरे, तो आने वाले महीनों में महंगाई का यह बोझ और भारी पड़ सकता है।

ईंधन महंगा, हर चीज महंगी

महंगाई की सबसे बड़ी वजह ईंधन कीमतों में आई तेजी है। पिछले कुछ सप्ताहों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगभग 8 प्रतिशत तक वृद्धि दर्ज की गई है। तेल कंपनियों द्वारा कई चरणों में की गई बढ़ोतरी के बाद पेट्रोल और डीजल दोनों के दाम 7 रुपये प्रति लीटर से अधिक बढ़ चुके हैं। पेट्रोलियम उत्पादों की कीमत बढ़ने का असर केवल वाहनों तक सीमित नहीं रहता। परिवहन लागत बढ़ने से सब्जियों, अनाज, दूध और अन्य उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतों पर भी दबाव बढ़ जाता है। यही कारण है कि बाजार में अधिकांश वस्तुएं महंगी होती जा रही हैं।

दूध ने भी बढ़ाया घरेलू बजट का बोझ

घरेलू खर्चों में सबसे महत्वपूर्ण स्थान रखने वाले दूध की कीमतों में भी बढ़ोतरी हुई है। देश की प्रमुख डेयरी कंपनियों अमूल और मदर डेयरी ने दूध के दाम बढ़ाए, जिसके बाद कई क्षेत्रीय डेयरियों ने भी अपने उत्पाद महंगे कर दिए। दूध के दाम बढ़ने का असर सीधे तौर पर चाय, कॉफी, दही, पनीर और अन्य डेयरी उत्पादों पर पड़ता है। बच्चों वाले परिवारों के लिए यह अतिरिक्त खर्च और अधिक चुनौतीपूर्ण बन गया है।

सीएनजी और पीएनजी ने बढ़ाई चिंता

पेट्रोल और डीजल के साथ-साथ सीएनजी की कीमतों में भी लगातार वृद्धि दर्ज की गई है। कई शहरों में सीएनजी के दाम रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए हैं। सार्वजनिक परिवहन और टैक्सी सेवाओं पर इसका सीधा प्रभाव पड़ रहा है। हालांकि घरेलू पीएनजी और एलपीजी में अभी अपेक्षाकृत सीमित बढ़ोतरी हुई है, लेकिन विशेषज्ञ संकेत दे रहे हैं कि आने वाले समय में इनकी कीमतों पर भी दबाव बढ़ सकता है। मुंबई में पीएनजी दरों में हालिया बढ़ोतरी को इसी दिशा में संकेत माना जा रहा है।

बिजली बिल ने बढ़ाई मुश्किल

महंगाई का एक और बड़ा झटका बिजली उपभोक्ताओं को लग रहा है। कई राज्यों में फ्यूल सरचार्ज और बिजली खरीद लागत के नाम पर अतिरिक्त शुल्क वसूला जा रहा है। इससे बिजली बिलों में 10 प्रतिशत तक अतिरिक्त बोझ देखने को मिल रहा है। ऊर्जा क्षेत्र के जानकारों का कहना है कि बिजली उत्पादन और ईंधन लागत बढ़ने से वितरण कंपनियों पर दबाव है, जिसका भार अंततः उपभोक्ताओं पर डाला जा रहा है।

एफएमसीजी कंपनियों ने बढ़ाए दाम

रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाले साबुन, तेल, डिटर्जेंट, शैम्पू, पैकेज्ड फूड और अन्य उपभोक्ता उत्पादों की कीमतों में भी बढ़ोतरी शुरू हो गई है। कई कंपनियों ने सीधे दाम बढ़ाने के बजाय पैकेट का वजन कम कर दिया है, जिसे बाजार की भाषा में श्रिंकफ्लेशन कहा जाता है। उद्योग रिपोर्टों के अनुसार पिछले दो महीनों में कई उत्पाद श्रेणियों में 3 से 7 प्रतिशत तक मूल्य वृद्धि देखी गई है। खाद्य तेल, पैकेजिंग सामग्री और पेट्रोलियम आधारित कच्चे माल की कीमतों में बढ़ोतरी इसका प्रमुख कारण है।

कच्चे माल की बढ़ी लागत

विश्लेषकों के मुताबिक पश्चिम एशिया में तनाव के कारण वैश्विक बाजार में कच्चे तेल, पाम ऑयल और पेट्रोकेमिकल उत्पादों की कीमतें बढ़ी हैं। पैकेजिंग उद्योग में इस्तेमाल होने वाली हाई-डेंसिटी पॉलीइथाइलीन (एचडीपीई) जैसी सामग्री की लागत में भी भारी उछाल आया है। इन सामग्रियों का उपयोग खाद्य पदार्थों, पेय पदार्थों, शैम्पू, डिटर्जेंट और घरेलू उत्पादों की पैकेजिंग में किया जाता है। लागत बढ़ने पर कंपनियां इसका भार उपभोक्ताओं पर डाल रही हैं।

आगे और बढ़ सकती है महंगाई

अर्थशास्त्रियों का मानना है कि यदि ईरान युद्ध लंबा खिंचता है तो कच्चे तेल और गैस की वैश्विक आपूर्ति पर दबाव और बढ़ सकता है। इससे परिवहन, बिजली उत्पादन और विनिर्माण क्षेत्र की लागत बढ़ेगी, जिसका असर आम उपभोक्ताओं तक पहुंचेगा। विशेषज्ञों के अनुसार अगले कुछ महीनों में खाद्य पदार्थों, ऊर्जा और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की कीमतों में और वृद्धि देखने को मिल सकती है। ऐसे में सरकार के सामने महंगाई नियंत्रित रखने और आम लोगों को राहत देने की चुनौती पहले से अधिक बड़ी हो गई है।

-महंगाई की मार एक नजर में

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 8 प्रतिशत तक वृद्धि

सीएनजी के दाम कई शहरों में रिकॉर्ड स्तर पर

दूध की कीमतों में बढ़ोतरी

बिजली बिल पर अतिरिक्त फ्यूल सरचार्ज

एफएमसीजी उत्पाद 3-7 प्रतिशत तक महंगे

खाद्य तेल और पैकेजिंग लागत में तेज उछाल

घरेलू बजट पर लगातार बढ़ता दबाव

मुंबई में बड़ा समुद्री हादसा टला : डूबती टगबोट से सीआईएसएफ जवानों ने 9 लोगों को मौत के मुंह से निकाला

मुंबई। मुंबई के समुद्री तट पर गुरुवार दोपहर दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। कुलाबा स्थित ऐतिहासिक लाइटहाउस के पास नौ कर्मचारियों को लेकर जा रही एक व्यावसायिक टगबोट अचानक समुद्र में डूबने लगी। बोट में तेजी से पानी भरने के कारण उसमें सवार सभी लोगों की जान पर खतरा मंडराने लगा। हालांकि, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवानों की त्वरित कार्रवाई और बहादुरी के चलते बड़ा हादसा टल गया और सभी नौ क्रू सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया गया।

सीआईएसएफ ने इस सफल बचाव अभियान की जानकारी अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर साझा की। जानकारी के अनुसार, गुरुवार दोपहर जहाजों की गतिविधियों पर नजर रखने वाली अत्याधुनिक वेसल ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (वीटीएमएस) को एक आपातकालीन संकेत मिला। इस अलर्ट में बताया गया कि कुलाबा लाइटहाउस के पास एक टगबोट समुद्र में डूब रही है। अलर्ट मिलते ही मुंबई पोर्ट अथॉरिटी (एमपीए) यूनिट में तैनात सीआईएसएफ का समुद्री गश्ती दल तुरंत सक्रिय हो गया। उस समय पेट्रोलिंग टीम पहले से ही समुद्र में मौजूद थी। जवानों ने बिना समय गंवाए अपनी स्पीड बोट को दुर्घटनास्थल की ओर मोड़ दिया और कुछ ही मिनटों में मौके पर पहुंच गए। घटनास्थल पर पहुंचने पर जवानों ने देखा कि टगबोट में तेजी से पानी भर रहा था और वह किसी भी समय पूरी तरह समुद्र में समा सकती थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सीआईएसएफ टीम ने तत्काल बचाव अभियान शुरू किया। जवानों ने अपनी जान की परवाह किए बिना डूबती हुई बोट के करीब पहुंचकर उसमें फंसे सभी नौ कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि सीआईएसएफ के जवान बेहद कुशलता और साहस के साथ अपनी स्पीड बोट को डूबती टगबोट के पास ले जाते हैं। लाइफ जैकेट पहने कर्मचारियों को एक-एक कर सुरक्षित अपनी बोट में चढ़ाया जाता है। इस दौरान समुद्र की परिस्थितियां भी चुनौतीपूर्ण थीं, लेकिन जवानों ने पूरी सतर्कता और पेशेवर दक्षता का परिचय दिया। शनिवार को मिली जानकारी के अनुसार, बचाए गए सभी नौ कर्मचारी पूरी तरह सुरक्षित हैं और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। इस सफल अभियान पर सीआईएसएफ ने कहा, देश की समुद्री अवसंरचना की सुरक्षा करना और किसी भी आपदा की स्थिति में मानव जीवन को सर्वोच्च प्राथमिकता देना हमारी जिम्मेदारी है। हमारा बल हर चुनौतीपूर्ण परिस्थिति से निपटने के लिए सदैव तैयार रहता है। बहरहाल इस साहसिक रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद सोशल मीडिया पर सीआईएसएफ जवानों की जमकर सराहना हो रही है। लोग उन्हें 'समुद्र के असली हीरो' और 'देवदूत' बताकर उनके साहस, तत्परता और कर्तव्यनिष्ठा को सलाम कर रहे हैं।

सरकार की इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ाने के बाद देश में सोने की मांग में आई गिरावट

नई दिल्ली। केंद्र सरकार द्वारा सोने पर इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ाने के फैसले के बाद देश में सोने की डिमांड में बड़ी गिरावट आई है। बता दें अमेरिका और ईरान के बीच जंग की वजह से बिगड़े हालात के बीच पीएम मोदी ने आम जनता से सोने की खरीदारी को एक साल तक टालने की अपील की थी। इसके बाद से ही सरकार ने इंपोर्ट ड्यूटी को बढ़ाने का फैसला लिया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आंकड़े बता रहे हैं कि 13 मई के बाद भारत में सोने की मांग में करीब 70फीसदी की गिरावट आई है। इंडस्ट्री के अनुमानों के मुताबिक 27 मई को खत्म हुए पखवाड़े में सोने की मांग गिरकर करीब 7.5 टन रह गई जबकि एक साल पहले यह करीब 25 टन थी। दरअसल, सरकार ने 13 मई से सोने पर आयात शुल्क को 6फीसदी से बढ़ाकर 15फीसदी कर दिया था।

इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के राष्ट्रीय सचिव ने कहा कि पूरे भारत के जौहरियों से मिल रही रिपोर्टों से पता चलता है कि आयात शुल्क बढ़ाए जाने के बाद सोने की मांग में 70फीसदी की गिरावट आई है। उन्होंने आगे कहा कि असंगठित व्यापार इस शुल्क बढ़ोतरी से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। बता दें इसका सोने के कुल व्यापार में 65फीसदी हिस्सा है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल और डीजल की ज्यादा कीमतें और खाने-पीने की चीजों के महंगे होने का भी ग्राहकों के मूड पर असर पड़ रहा है क्योंकि वे अभी सोने पर खर्च करने को तैयार नहीं हैं।

सोने के गहनों की रिटेल चेन जॉयअलुक्कास के चेयरमैन ने मांग में आई इस कमी की वजह कई कारणों को बताया। उन्होंने पीएम मोदी की अपील को भी इसका एक कारण बताया। उनके मुताबिक पीएम मोदी की एक साल तक सोने से दूर रहने की अपील का भी ग्राहकों के मूड पर काफी असर पड़ा है। मांग 35फीसदी से भी ज्यादा गिर गई है। हमें पक्का नहीं पता कि यह और भी कम होगी या नहीं। जानकारों के मुताबिक अधिक मास के चलते भी कई लोग सोना खरीदने से बच रहे हैं। बता दें ड्यूटी बढ़ने के बाद सोने पर लगने वाला प्रभावी टैक्स का बोझ 9.18फीसदी से बढ़कर 18.45फीसदी हो गया है। सरकार ने कमजोर रुपए, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और भू-राजनीतिक तनाव के चलते ड्यूटी बढ़ाई है।

सीयूईटी-यूजी परीक्षा में तकनीकी गड़बड़ी, प्रभावित छात्रों को मिलेगा दोबारा मौका

नई दिल्ली । राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी-यूजी) 2026 के दौरान तकनीकी गड़बड़ी से प्रभावित छात्रों को बड़ी राहत दी है। एजेंसी ने स्पष्ट किया है कि जिन अभ्यर्थियों की परीक्षा तकनीकी कारणों से नहीं हो सकी, उन्हें दोबारा परीक्षा देने का अवसर प्रदान किया जाएगा। शनिवार को देश के कई परीक्षा केंद्रों पर तकनीकी समस्याओं के कारण सीयूईटी-यूजी परीक्षा प्रभावित हुई। रिपोर्टों के अनुसार, परीक्षा शुरू होने में देरी हुई, कुछ केंद्रों पर कंप्यूटर और सर्वर संबंधी दिक्कतें सामने आईं, जिसके चलते कई छात्रों को घंटों इंतजार करना पड़ा। कुछ अभ्यर्थी परीक्षा शुरू होने से पहले ही केंद्रों से वापस लौट गए। एनटीए ने एक आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि तकनीकी खामी के कारण छात्रों और अभिभावकों को हुई असुविधा पर उसे खेद है। एजेंसी ने आश्वासन दिया कि प्रभावित छात्रों के साथ कोई अन्याय नहीं होगा और उन्हें पुनः परीक्षा में शामिल होने का अवसर दिया जाएगा।

भारत ऑपरेशन सिंदूर 2.0 के लिए कर रहा पूरी तरह तैयारी

मुंबई,। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर फिर बयान दिया है। दुश्मन देशों को कड़ा संदेश देते हुए उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान की हरकतों के जवाब में भारत ने जो आक्रामक सैन्य रुख अपनाया था, वह आज भी जारी है। उन्होंने कहा कि भारत ऑपरेशन सिंदूर 2.0 के लिए पूरी तरह तैयारी कर रहा है। मीडिया से बातचीत करते हुए जनरल द्विवेदी ने जोर कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है और वर्तमान स्थिति को केवल अस्थायी रूप से युद्ध पर विराम समझा जाना चाहिए। उन्होंने पाकिस्तान का नाम लिए बिना कहा कि यदि जरूरत पड़ी तो सिर्फ थल सेना ही नहीं, बल्कि भारतीय वायुसेना और नौसेना भी एक नए सैन्य अभियान के लिए चौबीसों घंटे मुस्तैद हैं। सेना प्रमुख ने आधुनिक युद्ध के बदलते स्वरूप और सेनाओं की तैयारियों का जिक्र करते हुए कहा कि भारतीय सेना और तीनों सेवाएं ऑपरेशन सिंदूर 2.0 के लिए बेहतरीन तैयारी कर रही हैं। वर्तमान में हमारा ध्यान तीनों सेनाओं के बीच आपसी तालमेल को बढ़ाने और अगले दौर के युद्ध के लिए खुद को चौबीसों घंटे लैस करने पर है। उन्होंने कहा कि आज युद्धक्षेत्र इतना पारदर्शी हो चुका है कि हर हलचल की खबर दूसरी तरफ को होती है। इसलिए हमें अपनी तैनाती, रणनीतिक उपयोग और सीमावर्ती इलाकों में अपने सैनिकों के साथ-साथ नागरिकों की सुरक्षा को लेकर बेहद सतर्क रहना होगा। जनरल द्विवेदी ने इन्फॉर्मेशन वॉरफेयर पर भी अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि यह युद्ध तभी सफल होता है जब पूरा देश एक साझा नैरेटिव के पीछे एकजुट होता है।

एक भी परीक्षा ईमानदारी से नहीं करा सके और दावे विश्वगुरु के

-नीट मामले को लेकर राहुल गांधी ने केंद्र पर किया हमला

-भाजपा ने बयान का किया सख्त विरोध

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने नीट पेपर लीक और परीक्षा रद्द मामले को लेकर केंद्र सरकार तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, कि नीट, सीबीएसई, एसएससी और सीयूईटी जैसी प्रमुख परीक्षाओं में लगातार सामने आ रही समस्याएं देश की शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। उन्होंने कहा कि एक भी परीक्षा ईमानदारी से नहीं करा सके हैं और दावे विश्वगुरु के किए जा रहे हैं।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा कि नीट, सीबीएसई, एसएससी और आज सीयूईटी, चार परीक्षाएं और एक करोड़ बच्चे। एक भी ईमानदारी से नहीं हो पाई। दावे विश्वगुरु के, लेकिन देश में एक परीक्षा भी नहीं करवा सकते- मोदी जी ने पूरी शिक्षा व्यवस्था तबाह कर दी है। राहुल गांधी ने आगे कहा, जिस पीढ़ी का भविष्य आप बर्बाद कर रहे हैं- वही पीढ़ी आपका हिसाब करेगी।

इस प्रकार राहुल गांधी ने अपने बयान में कहा कि करोड़ों विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़े परीक्षा तंत्र में पारदर्शिता और विश्वसनीयता सुनिश्चित नहीं की जा सकी है। उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि शिक्षा व्यवस्था को कमजोर किया गया है और इसका खामियाजा देश के युवाओं को भुगतना पड़ रहा है, वही भविष्य में जवाब भी देगी।

कांग्रेस नेता की यह प्रतिक्रिया उस समय आई है जब नीट परीक्षा से जुड़े मामलों और पुनर्परीक्षा की निष्पक्षता को लेकर बहस जारी है। राहुल गांधी ने यह भी दावा किया कि सरकार की ओर से परीक्षा प्रक्रिया की उच्चस्तरीय निगरानी के बावजूद विवाद सामने आए हैं।

उधर, भाजपा ने राहुल गांधी के आरोपों का कड़ा विरोध किया है। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि विपक्ष के नेता को गंभीर मुद्दों पर तथ्य आधारित चर्चा करनी चाहिए, न कि राजनीतिक लाभ के लिए सनसनीखेज आरोप लगाने चाहिए। उन्होंने राहुल गांधी के बयान को गैर-जिम्मेदाराना बताते हुए कहा कि ऐसे वक्तव्यों से छात्रों और अभिभावकों की चिंताएं कम होने के बजाय और बढ़ सकती हैं। शेखावत ने कहा कि देश के युवाओं का भरोसा संस्थाओं और सुधार प्रक्रियाओं पर है तथा सरकार परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी और विश्वसनीय बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी हर मुद्दे पर राजनीतिक बयानबाजी को प्राथमिकता देते हैं।

आरोप-प्रत्यारोप का दौर चला

नीट परीक्षा और अन्य भर्ती एवं प्रवेश परीक्षाओं को लेकर जारी विवाद के बीच कांग्रेस और भाजपा के बीच राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं। आने वाले दिनों में यह मुद्दा संसद और राजनीतिक मंचों पर भी चर्चा का विषय बना रह सकता है।

उत्तरकाशी में खाई में गिरी कार, 2 की मौत, 3 गंभीर घायल अस्पताल में भर्ती

देहरादून। उत्तराखंड में जनपद उत्तरकाशी के गंगनानी क्षेत्र में गुरुवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि 3 गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद एसडीआरएफ ने अंधेरे और विषम परिस्थितियों के बीच बचाव अभियान चलाकर सभी घायलों को सुरक्षित बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक गंगनानी-भटवाड़ी मार्ग पर स्विफ्ट कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। दुर्घटना की सूचना मिलते ही एसडीआरएफ पोस्ट भटवाड़ी की टीम उपनिरीक्षक गब्बर सिंह और पोस्ट उजेली की टीम आरक्षी शक्ति सिंह के नेतृत्व में आवश्यक रेस्क्यू उपकरणों के साथ मौके पर पहुंची। मौके पर पहुंचने पर टीम ने पाया कि वाहन गहरी खाई में दुर्घटनाग्रस्त पड़ा है। कार में कुल पांच लोग सवार थे, जिनमें से 2 लोगों की मौके पर ही मौत हो चुकी थी, जबकि 3 गंभीर रूप से घायल थे।

एसडीआरएफ जवानों ने रात के अंधेरे में रेस्क्यू अभियान चलाकर घायलों को खाई से बाहर निकाला। प्राथमिक उपचार देने के बाद उन्हें अस्पताल भिजवाया गया। वहीं, मृतकों के शवों को भी खाई से बाहर निकालकर पुलिस के हवाले कर दिया। हादसे में घायल होने वालों में विमल कुमार प्रधान (61), उपासना प्रधान (54) निवासी भुवनेश्वर और यशवीर (35) निवासी पंजाब शामिल हैं। दुर्घटना में दामोदर हरीराम रामटेककर (77) एवं लक्ष्मी दामोदर रामटेककर (67) निवासी नागपुर, महाराष्ट्र की मृत्यु हो गई। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है।

सीबीएसई पुनर्मूल्यांकन पोर्टल के पेमेंट सिस्टम में अनधिकृत घुसपैठ

फीस में 1 रुपए से लेकर 68,000 रुपए तक का अंतर, जांच शुरु

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के परीक्षा परिणामों के बाद पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन करने वाले छात्रों के बीच उस समय हड़कंप मच गया, जब बोर्ड के ऑनलाइन पोर्टल पर साइबर हमला हुआ। सरकारी सूत्रों ने पुष्टि की कि सीबीएसई रीवैल्यूएशन पोर्टल के पेमेंट सिस्टम में अनधिकृत घुसपैठ हुई है, जिसका फायदा उठाकर करीब 50 छात्रों ने पोर्टल के सिस्टम के साथ छेड़छाड़ की। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक वरिष्ठ सरकारी सूत्र ने बताया कि पोर्टल पर कुछ बिना इजाजत के हमले हुए थे। इसका पेमेंट गेटवे एचडीएफसी बैंक से जुड़ा हुआ था। इस दौरान करीब 50 से कुछ ज्यादा बच्चे सिस्टम के अंदर घुसने में कामयाब हो गए।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक इस समस्या के कारण पोर्टल पर फीस गलत दिखाई देने लगी, जहां कुछ मामलों में चुकाई जाने वाली रकम 1 रुपए से लेकर करीब 67,000-68,000 रुपए तक बदलती रही। सूत्र ने कहा कि मुझे लगता है कि मजाक में या किसी गलत इरादे से एक रुपया दिखाया गया और फिर 67-68,000 रुपए। तो करीब 50 बच्चे ऐसे थे जिनके मामलों में रकम बदल गई थी।

यह गड़बड़ी सिस्टम के साथ जुड़े एचडीएफसी पेमेंट गेटवे से जुड़ी थी और तब हुई जब पोर्टल लाइव हुआ। सूत्र ने कहा कि पोर्टल काफी समय से काम नहीं कर रहा था। रकम को लेकर कुछ दिक्कतें थीं, जहां 50 बच्चे जो अंदर आए, उन्होंने सिस्टम के साथ छेड़छाड़ की। चार पीएसयू बैंक- भारतीय स्टेट बैंक, केनरा बैंक, इंडियन बैंक और बैंक ऑफ महाराष्ट्र को भी अतिरिक्त पेमेंट गेटवे के तौर पर जोड़ा गया है। सूत्र ने बताया कि आईआईटी मद्रास और आईआईटी कानपुर के विशेषज्ञ, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के साथ मिलकर, सिस्टम की जांच कर रहे हैं और पोर्टल तथा पेमेंट गेटवे के इंटीग्रेशन को मजबूत बना रहे हैं। व्यक्ति ने आगे कहा कि टीमें कोड और सिस्टम की जांच कर रही हैं ताकि इसे बिना किसी रुकावट और गड़बड़ी के चलाया जा सके।

राष्ट्रपति ट्रम्प की बेटी टिफनी ने मोहब्बत की निशानी ताजमहल का किया दीदार

आगरा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की बेटी टिफनी ट्रम्प ने शनिवार को मुगल बादशाह के बनवाए मोहब्बत की निशानी ताजमहल का दीदार किया। होटल अमर विलास पहुंचते ही, उन्होंने पहले ताजमहल देखने की इच्छा जताई। सुरक्षा एजेंसियों ने इस पर तत्काल उनकी विजिट की व्यवस्था की। टिफनी ने ताजमहल को अद्भुत और अनोखा बताया और कहा कि दुनिया में इसकी कोई मिसाल नहीं।

बता दें निजी यात्रा पर आई टिफनी के साथ उनके पति माइकल बाउलस भी आए हैं। दोनों ने सेंट्रल टैंक पर बेंच पर बैठकर हाथों में हाथ डालकर फोटो शूट कराया। टिफनी चार्टर्ड प्लेन से शनिवार सुबह दिल्ली से खेरिया एयरपोर्ट पर उतरीं। यहां से वह ताजमहल के पूर्वी गेट स्थित होटल अमर विलास पहुंचीं। उनका लंच के बाद शाम पांच बजे ताजमहल देखने का कार्यक्रम था। होटल पहुंचने के बाद गायक व मॉडल टिफनी ने लंच से पहले ताजमहल देखने की इच्छा जता दी। इस पर तुरंत ताजमहल जाने की व्यवस्था की गई।

रिपोर्ट के मुताबिक टिफनी सुबह 11:50 पर ताजमहल पहुंचीं। फोरकोर्ट से ताजमहल नजर आते ही वह उसकी खूबसूरती देखकर बहुत खुश नजर आईं। गाइड ने उन्हें शाहजहां द्वारा मुमताज की याद में ताजमहल बनवाने, ताजमहल का निर्माण 22 सालों में 20 हजार मजदूरों द्वारा करने, औरंगजेब द्वारा शाहजहां को आगरा किला में बंदी बनाने और वहीं उसकी मौत होने की जानकारी दी।

टेंडर घोटाले में आईएएस योगेश और अभिलाषा सस्पेंड

पटना। टेंडर घोटाला मामले में बिहार सरकार ने बड़ा एक्शन लिया है। आईएएस योगेश कुमार सागर और आईएएस अभिलाषा कुमारी शर्मा को सस्पेंड कर दिया गया है। इससे ठेकेदार रिशु श्री के यहां रेड के बाद उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। टेंडर मैनेज करने के लिए रिशु श्री अलग-अलग विभागों में सचिव से लेकर नगर आयुक्त तक की पोस्टिंग मैनेज कराता था।

ईडी जांच की रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। रिशु श्री राज्य के आईएएस अधिकारियों को अपनी उंगलियों पर नचाता था। जांच में सामने आया है कि रिशु श्री ने योगेश कुमार सागर और उनके 8 रिश्तेदारों को यूरोप की यात्रा कराई। 22 जून 2024 से 30 जून 2024 तक हुई इस यात्रा में योगेश और उनके परिवार के 8 लोग ऑस्ट्रिया के वियाना, साल्जबर्ग और वॉल्फगैंग शहर घूमे। आलीशान होटलों में ठहरे।

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव
बालाघाट एक्सप्रेस
/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in
E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

नगर में तेज आंधी-तूफान का कहर

टिन शेड गिरने से वृद्ध की मौत- बिजली व्यवस्था ध्वस्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर में शनिवार दोपहर बाद आए तेज आंधी-तूफान ने नगर में भारी तबाही मचाई। तेज हवाओं के कारण कई स्थानों पर पेड़ और उनकी शाखाएं गिर गई।जिससे विद्युत व्यवस्था प्रभावित हुई और यातायात भी बाधित रहा। इस प्राकृतिक आपदा में एक वृद्ध की दर्दनाक मौत हो गई। जबकि कई लोग बाल-बाल बच गए।

विद्युत पेड़ के ऊपर गिरा पेड़- विद्युत आपूर्ति ठप

जनपद पंचायत बालाघाट कार्यालय के ठीक सामने एक पेड़ विद्युत पोल पर गिर गया। पेड़ के भार से

पोल झुक गया और बिजली के तार नीचे लटक गए।जिससे पूरे क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति ठप हो गई। घटना के कारण आवागमन भी काफी समय तक प्रभावित रहा।तेज हवाओं के चलते नगर के कई मकानों के टिन शेड और छप्पर उड़ गए। दुर्गावती चौक से सिविल लाइन चौक के बीच कई पेड़ों की शाखाएं सड़क पर गिरने से मार्ग अवरुद्ध हो गया, जिससे लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा।

टिन शेड गिरने से सेवानिवृत्त वाहन चालक की मौत

आंधी-तूफान के दौरान सबसे दुखद घटना भटेरा चौकी क्षेत्र के गोविंद पैलेस रोड में हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार शाम करीब 5ः15 बजे भटेरा चौकी निवासी हेमसिंह राजपूत 69 वर्ष अपने मकान की छत पर पहुंचे थे। इसी दौरान तेज हवाओं के कारण टिन शेड उखड़कर उनके सिर पर गिर गया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गए।परिजनों द्वारा उन्हें तत्काल जिला अस्पताल लाये लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बताया गया कि अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में उनकी मौत हो चुकी थी। हेमसिंह राजपूत कृषि विभाग में वाहन चालक के पद से सेवानिवृत्त थे और अपने परिवार के साथ निवास कर रहे थे। अचानक आए इस प्राकृतिक हादसे ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया।

फुटकर व्यापारियों को भारी नुकसान

आंधी-तूफान का असर छोटे फुटकर व्यापारियों पर भी पड़ा। नगर के विश्राम गृह के पास एक पेड़ की बड़ी शाखा गिर गई, जिसके निकट आम बेचने वाले व्यापारी मौजूद थे। सौभाग्य से वे समय रहते सुरक्षित स्थान पर पहुंच गए और एक बड़ा हादसा टल गया। हालांकि, तेज हवाओं और बारिश के कारण फल एवं सब्जी विक्रेताओं को भारी परेशानी और आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ा।आंधी-तूफान के बाद नगर के विभिन्न क्षेत्रों में गिरे पेड़ों और टूटे विद्युत तारों को हटाने तथा बिजली आपूर्ति बहाल करने का कार्य शुरू किया गया।

तेज गर्मी में आंधी-तूफान और बारिश से मिली राहत, कई जगह पेड़ गिरे, बिजली व्यवस्था प्रभावित

नौतपा के बीच बदला मौसम का मिजाज, तेज हवाओं के साथ हुई बारिश से जनजीवन प्रभावित

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

भीषण गर्मी और नौतपा की तपिश से जूझ रहे जिलेवासियों को 30 मई को मौसम में आए अचानक बदलाव से कुछ राहत मिली। दोपहर बाद तेज आंधी, तूफान और बारिश ने गर्मी का असर कम कर दिया, जिससे लोगों ने राहत की सांस ली। हालांकि मौसम के इस बदलाव ने कई स्थानों पर नुकसान भी पहुंचाया और जनजीवन कुछ समय के लिए प्रभावित हो गया। बीते कुछ दिनों से जिले में नौतपा का असर देखने को मिल रहा था। सुबह से ही तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण तापमान लगातार बढ़ रहा था। लोग गर्मी और उमस से परेशान थे। इसी बीच शुक्रवार को अचानक मौसम ने करवट ली और आसमान में बादल छा गए। कुछ ही देर में तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई। तेज हवा और बारिश के कारण शहर के कई क्षेत्रों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सड़क किनारे खड़े लोग सुरक्षित स्थानों की ओर भागते नजर आए, वहीं दोपहिया वाहन चालक भी बारिश और तेज हवाओं से बचने के लिए दुकानों एवं शेडों के नीचे रुक गए। आंधी-तूफान की वजह से शहर और आसपास के क्षेत्रों में कई बड़े पेड़ उखड़कर जमीन पर गिर गए। कुछ स्थानों पर पेड़ सड़कों पर गिरने से आवागमन भी प्रभावित हुआ। वहीं कई इलाकों में बिजली के तार और केबल क्षतिग्रस्त होने की जानकारी सामने आई, जिसके कारण कुछ समय के लिए विद्युत आपूर्ति बाधित रही। बारिश के बाद मौसम सुहावना हो गया और तापमान में गिरावट दर्ज की गई। लोगों ने लंबे समय बाद गर्मी से राहत महसूस की। बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर भी लोगों के बीच मौसम परिवर्तन की चर्चा होती रही। शहर में गिरे पेड़ों और क्षतिग्रस्त बिजली लाइनों को दुरुस्त करने के लिए संबंधित विभागों की टीमें सक्रिय रहीं। विद्युत विभाग द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बहाल करने का कार्य देर रात तक जारी रहा।

पिछले कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी और तपते मौसम के बीच शनिवार देर शाम मौसम ने अचानक करवट ली। आसमान में घने बादल छा गए और देखते ही देखते तेज आंधी-तूफान के साथ बारिश शुरू हो गई। हालांकि बारिश ज्यादा देर तक नहीं हुई, लेकिन तेज हवाओं और तूफान ने जिलेभर में काफी नुकसान पहुंचाया। एक ओर जहां लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिली, वहीं दूसरी ओर आंधी-तूफान ने आमजन की मुश्किलें बढ़ा दीं। जानकारी के अनुसार देर शाम अचानक मौसम बदलने के बाद तेज हवाएं चलने लगीं। कुछ ही देर में तेज आंधी और बारिश का दौर शुरू हो गया। तेज हवा के कारण शहर और आसपास के क्षेत्रों में कई बड़े पेड़ धराशायी हो गए। वहीं कई स्थानों पर पेड़ों की शाखाएं टूटकर सड़कों पर गिर गईं, जिससे कुछ समय के लिए आवागमन भी प्रभावित रहा। आंधी-तूफान का सबसे अधिक असर विद्युत व्यवस्था पर देखने को मिला। कई जगह पेड़ गिरने से विद्युत लाइनें क्षतिग्रस्त हो गईं, जबकि कुछ स्थानों पर बिजली के खंभे भी क्षतिग्रस्त हो गये है। विद्युत केबल टूटने और लाइनों में फाल्ट आने के कारण शहर के अनेक वार्डों और आसपास के क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। कई इलाकों में घंटों तक अंधेरा छाया रहा। विद्युत विभाग के कर्मचारियों ने तत्काल मोर्चा संभालते हुए क्षतिग्रस्त लाइनों और खंभों को सुधारने का कार्य शुरू किया। विभागीय टीम देर रात तक विभिन्न क्षेत्रों में बिजली बहाली के प्रयासों में जुटी रही। हालांकि जिन स्थानों पर नुकसान अधिक हुआ, वहां देर रात तक भी विद्युत आपूर्ति पूरी तरह बहाल नहीं हो सकी। आंधी-तूफान के कारण कई निजी संपत्तियों को भी नुकसान पहुंचा। कुछ स्थानों पर पेड़ गिरने से घरों के बाहर खड़े वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। एक स्थान पर चौपहिया वाहन पर पेड़ गिर जाने से वाहन मालिक को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। वहीं छोटे दुकानदारों की अस्थायी दुकानें और टीन शेड भी तेज हवाओं की चपेट में आकर प्रभावित हुए। इधर, बेमौसम बारिश ने नगर पालिका की व्यवस्थाओं की भी पोल खोल दी। शहर के कई क्षेत्रों में जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण थोड़ी देर की बारिश में ही पानी सड़कों पर जमा हो गया। विशेष रूप से निर्माणाधीन क्षेत्रों में जल निकासी की समस्या अधिक देखने को मिली। हनुमान चौक में एक बार फिर बारिश का पानी भर जाने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि हर वर्ष बारिश के दौरान यह समस्या सामने आती है, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। इसी तरह अंबेडकर चौक सहित शहर के अन्य प्रमुख चौराहों और मार्गों पर भी पानी जमा होने की स्थिति निर्मित हो गई। गुजरी क्षेत्र स्थित कृष्ण मंदिर परिसर में भी जलभराव की समस्या देखने को मिली। नालियों की पर्याप्त सफाई और पानी निकासी की व्यवस्था नहीं होने के कारण मंदिर परिसर के आसपास पानी जमा हो गया, जिससे स्थानीय लोगों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। इस पूरे घटनाक्रम को लेकर पार्षद सुधीर चिले और नागरिकों ने नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि मानसून आने से पहले जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने के दावे किए जाते हैं, लेकिन थोड़ी सी बारिश में ही कई क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति बन जाती है। पार्षदों ने नगर पालिका से जल्द ही नालियों की सफाई और जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने की मांग की है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

आवश्यकता है
कम्प्युटर ऑपरेटर की आवश्यकता है
संपर्क करें-पद्मेश सिटी केबल
काली पुतली चौक, बालाघाट

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा कॉलेज ऑफ
इंजीनियरिंग एण्ड पॉलिटेक्निक
बी.टेक. पॉलिटेक्निक
JOB SAHi
• कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
• माईनिंग इंजीनियरिंग
• सिविल इंजीनियरिंग
• मैकेनिकल इंजीनियरिंग
• इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
ADMISSION OPEN
नई शिक्षा नीति के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा उत्तीर्ण छात्रों का Lateral Entry द्वारा बी.टेक. के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा-बालाघाट
6262604111, 9425836824 www.satpudaengineeringcollege.com

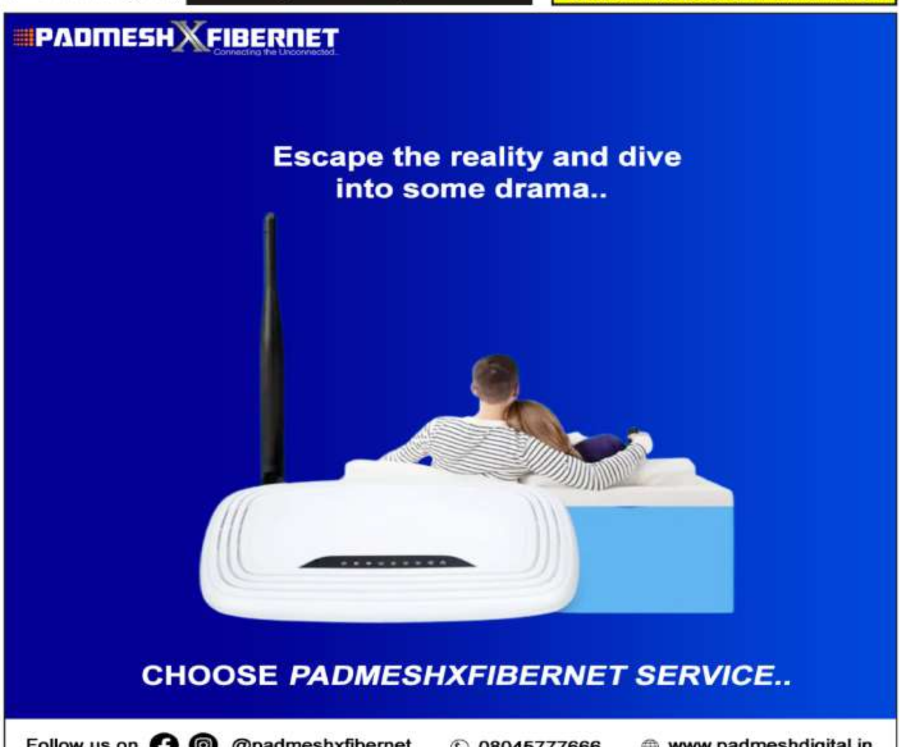

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट